निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार 1 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 15 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची के सिकिदिरी थाना क्षेत्र में स्थित जेवर दुकान में हुई चोरी मामले में पुलिस ने चार अपराधियों को किया गिरफ्तार

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले से भड़के झारखंड के मुख्यमंत्री

वैचारिक मतभेद मंजूर, मगर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा रोष व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने दो-टूक शब्दों में कहा कि एक स्वस्थ और प्रगतिशील लोकतंत्र में हिंसा, डर और हमलों के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। उन्होंने इस हरकत की आलोचना करते हुए घटना में संलिप्त दोषियों के खिलाफ अविलंब और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ यह हमला अत्यंत निंदनीय और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के

खिलाफ है। उन्होंने कहा कि किसी भी जीवंत लोकतंत्र में अलग-अलग दलों और नेताओं के बीच वैचारिक मतभेद होना पूरी तरह से स्वाभाविक और स्वागत योग्य है लेकिन राजनीतिक विरोध या प्रतिद्वंद्विता का जवाब कभी भी हिंसा, डर का माहौल बनाने या बल प्रयोग के जरिए नहीं दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार के राजनीतिक मतभेदों, विवादों और समस्याओं के समाधान का एकमात्र माध्यम केवल तर्क, स्वस्थ संवाद और जनमत ही होते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसक घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ प्रशासन को बिना किसी ढिलाई के कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा अक्षुण्ण बनी रहे। मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि लोकतंत्र कभी भी हिंसा की बुनियाद पर खड़ा नहीं हो सकता बल्कि यह केवल आपसी संवाद, सहिष्णुता और एक-दूसरे के प्रति पारस्परिक सम्मान की भावना से ही मजबूत और दीर्घायु बनता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस पोस्ट पर अभिषेक बनर्जी ने जवाब दिया है। उन्होंने सीएम हेमंत का आभार जताते हुए सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि उनका समर्थन उन्हें इस तरह की धमकियों और हिंसा के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की ताकत देता है। उन्होंने आगे लिखा कि कल का हमला विपक्ष को डराने के लिए सरकार द्वारा प्रायोजित और केंद्र सरकार द्वारा समर्थित साजिश के सभी लक्षण दिखाता है। जब हिंसा सबके सामने होती है और प्रशासन मूक दर्शक बना रहता है तो यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं रह जाती बल्कि लोकतंत्र पर जान-बूझकर किया गया हमला बन जाती है। अपने पोस्ट के अंत में अभिषेक ने इस हमले से नहीं डरने की बात कही है। उन्होंने लिखा कि हम जनता के साथ खड़े रहेंगे और एक ऐसे भारत के लिए लड़ेंगे जहां लोकतंत्र भय और हिंसा पर विजय प्राप्त करे।

रांची से गायब मां-बेटी आरा से बरामद

- गायब होने के बाद मांगी गयी थी एक लाख की फिरौती
- पुलिस कर रही फोन नंबर की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा इलाके से रहस्यमय तरीके से गायब हुई मां-बेटी बिहार के आरा से बरामद कर ली गई है। मां-बेटी के गायब होने के बाद एक व्यक्ति के द्वारा एक लाख की फिरौती मांगी गई थी। फिलहाल पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। मां-बेटी के एक साथ गायब होने के बाद पिता ने उनकी तलाश के लिए एक पोस्टर भी जारी किया था। दरअसल झारखंड पुलिस में कार्यरत सुधीर कुमार सिंह की पत्नी और बेटी रहस्मय तरीके से शनिवार को रांची से गायब हो गई थी। मां सुनीता देवी और 19 साल की बेटी काजल कुमारी के एक साथ गायब होने की सूचना पर सुधीर सिंह ने रांची के धुर्वा थाने में गुमसुदगी का एफआईआर दर्ज करवाया था। रांची के हटिया डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि मां और बेटी को सकुशल बिहार के आरा जिले से बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि उनका अपहरण नहीं हुआ था। वे दोनों किन परिस्थितियों में बिहार पहुंची थी, इसकी जांच की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ नीरज कुमार ने बताया कि उनकी बेटी और पत्नी सकुशल है। नीरज के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति के द्वारा लगातार उन्हें और उनके बेटे को फोन कर एक लाख रुपये की फिरौती मांगी जा रही थी। जिस नंबर से नीरज को फिरौती के लिए फोन आया था उस नंबर की जांच भी पुलिस के द्वारा की जा रही है। पुलिस जांच में यह बात सामने आ चुकी है कि मां और बेटी का अपहरण तो नहीं हुआ। ऐसे में जांच का विषय यह है कि फिर आखिरकार किसके द्वारा फिरौती की रकम मांगी जा रही थी। सुधीर सिंह के अनुसार हाल के दिनों में उनकी पत्नी और बेटी दोनों साइबर अपराधियों का शिकार बनी थी, जिसमें साइबर अपराधियों ने ब्लैकमेल कर उनसे 80 हजार ठग लिए थे। पुलिस इस मामले में साइबर अपराधियों का एंगल रखकर भी जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

युवक की हत्या

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मानगो उलीडीह क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी। मामले में उलीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के सर पर प्रहार के निशान हैं और अपराधियों का पता लगाया जा रहा है। युवक का शव क्षेत्र में स्थित आदिवासी क्लब के पास झाड़ियों से बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए हैं। मृतक की पहचान शकोंसाई रोड नंबर 2 निवासी 24 वर्षीय विकास सिंह के रूप में हुई है।

पानी से भरा टैंकर पलटा, मैकेनिक की मौत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पानी से भरा टैंकर पलटने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मृतक की पहचान साहिबगंज निवासी राजेश के रूप में हुई है।

पिता ने बेटी को पीटकर मार डाला

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के खेड़ियाटांगर गांव में एक पिता पर अपनी 6 वर्षीय बेटी की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगा है। मंझारी थाना अंतर्गत तांतनगर ओपी क्षेत्र के इस गांव में लालसिंह पूर्ति ने कथित तौर पर अपनी मासूम बेटी सोनिया पूर्ति पर डंडे से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। गंभीर रूप से घायल बच्ची को तुरंत सदर अस्पताल चाईबासा ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

फिजिकल टीचर ने की आत्महत्या

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पांकी थाना क्षेत्र के थाना रोड स्थित एक किराये के मकान में रहने वाले फिजिकल टीचर का शव फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान सत्यप्रकाश श्रीवास्तव के रूप में हुई है। वह सिलदिलिया स्कूल में फिजिकल टीचर के पद पर कार्यरत थे। मूल रूप से वह उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के रहने वाले थे और नौकरी के सिलसिले में पांकी में किराये के मकान में रह रहे थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

चार लोग झुलसे

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। तिलैया थाना क्षेत्र के गांधी स्कूल रोड (वार्ड संख्या-24) में एक किचन सेंटर में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग के दौरान ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में दुकान संचालक समेत चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए तुरंत स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लोहरदगा। जिले में रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला है। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने घर के बाहर बैठी दो महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया जिसकी वजह से दोनों महिलाओं की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच पूरे मामले की जांच में जुट गई है। दुर्घटना का स्पष्ट कारण तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। ट्रैक्टर की रफ्तार काफी अधिक थी। चालक, ट्रैक्टर पर अपना नियंत्रण नहीं रख सका था और उसने दोनों महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया जिसमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी महिला ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सेन्हा थाना क्षेत्र के डोका गांव स्थित अखरा के पास दो महिलाएं घर के बाहर बैठकर आपस में बातचीत कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर का ट्रैक्टर चालक तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए वहां पहुंचा और दोनों महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना गंभीर था कि 70 वर्षीय इतवरिया उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी महिला 50 वर्षीय लक्ष्मी देवी ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है।

कुख्यात गैंगस्टर राहुल सिंह गिरोह के चार शूटर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। कुख्यात गैंगस्टर राहुल सिंह गिरोह के खिलाफ पलामू पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने राहुल सिंह गिरोह से जुड़े चार शूटरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शूटरों के पास से पुलिस ने दो 9 एमएम का पिस्टल, दो गोली, छह मिस्फायर गोली और एक खाली मैगजीन बरामद किया है। दरअसल, पलामू एसपी कपिल चौधरी को सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह से जुड़े हुए सदस्य हैदरनगर के इलाके में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी पर फायरिंग करने वाले हैं। यह सूचना मिलने के बाद एसपी ने हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला के नेतृत्व में स्पेशल टीम गठित कर इलाके की घेराबंदी की। इस क्रम में चार संदिग्ध लोग पहुंचे और पुलिस को देखकर

भागने लगे लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया। इस संबंध में पलामू एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि कार्रवाई के क्रम में विक्रम सिंह, संतोष राम, मधुकांत प्रजापति और बिक्रम राम को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी अभियुक्त लातेहार के कुर्रा इलाके के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विक्रम सिंह उर्फ सिकराम सिंह पहले भी राहुल सिंह गिरोह का सदस्य रहा है। एसपी ने बताया कि चारों आरोपी हैदरनगर थाना क्षेत्र में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी पर हमला करने वाले थे। इस कंपनी से पहले भी रंगदारी की मांग की थी। उक्त मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई थी। हथियार बरामद होने के बाद अलग से एक और एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस की छापेमारी टीम में हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला, हैदरनगर थाना प्रभारी तंजीलुल मन्नान, देवरी ओपी प्रभारी राजू कुमार गुप्ता, सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह, आशीष कुमार, वशिष्ठ ठाकुर समेत कई लोग शामिल थे।

नशे के कारोबार और अवैध खनन पर लगे रोक : अन्नपूर्णा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले में इन दोनों अवैध खनन, लॉटरी और नशीले पदार्थों का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इस पर नकेल कसने में प्रशासन विफल साबित हो रहा है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से लेकर सांसद और बड़कागांव विधायक ने इस पर चिंता जाहिर की है और वर्तमान हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। अवैध खनन के इस कारोबार की चर्चा जिले में जोर-शोर से चल रही है। बालू घाट की नीलामी नहीं होने के बावजूद धड़ल्ले से बालू का अवैध उठाव हो रहा है। हजारीबाग-बड़कागांव रोड पर देर रात्रि से जो बालू लदी गाड़ियों का आवागमन शुरू होता है वह सुबह 6:00 बजे तक जारी रहता है। यही नहीं विभिन्न चौक-चौराहों पर भी बालू लदी गाड़ियां नजर आती हैं। कोई भी पदाधिकारी इस पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं हैं। एक ओर जहां बालू के अवैध उठाव से सरकार को

करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है तो दूसरी ओर पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। खासकर हजारीबाग का बड़कागांव इलाका अवैध बालू के कारोबार के लिए पूरे क्षेत्र में जाना जा रहा है। यहां से बालू दूसरे जिले तक पहुंच रहा है लेकिन अवैध बालू लदी गाड़ियों को ना को रोकने वाला है और ना ही कोई पूछने वाला है। इस संबंध में हजारीबाग पहुंची केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भी कहा कि यह बेहद संवेदनशील मामला है। एक ओर जहां युवा नशे की गिरफ्त में हैं तो दूसरी ओर अवैध खनन भी हजारीबाग समेत पूरे झारखंड भर में हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार संवेदनशील नहीं है। सरकारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कहीं ना कहीं सरकार की इच्छा शक्ति ही नहीं है कि वह अवैध कारोबार को रोके। यही कारण है कि अवैध बालू, कोयला, लॉटरी और नशीले पदार्थों का जमकर कारोबार हो रहा है। वहीं हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने भी कहा कि यह सिर्फ हजारीबाग की स्थिति नहीं है बल्कि पूरे राज्य में यही हो रहा है। हजारीबाग की बात की जाए तो यहां प्रशासन का इन्हें संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि अवैध कारोबार खूब फल-फूल रहा है। राज्य सरकार भी नहीं चाहती है कि अवैध कारोबार पर नकेल कसा जाए तभी तो यह स्थिति दिख रही है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि अवैध कारोबार पर जल्द से जल्द लगाम लगाया जाए।

हाथियों के झुंड ने खेतों में मचाया उत्पात

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के कुमारी गांव में रविवार को दिन के उजाले में जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया। हाथियों ने किसानों के खेतों में लगी रबी की फसल को अपना आहार बनाते हुए रौंदकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का झुंड गांव और खेतों के आसपास काफी देर तक घूमता रहा जिससे लोगों में डर बना रहा। स्थिति यह है कि अब ग्रामीण दिन के समय भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। हाथियों के लगातार आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने से बच्चों, महिलाओं और किसानों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय किसानों ने बताया कि धान की खेती ही इस क्षेत्र के अधिकांश परिवारों की आय का मुख्य स्रोत है। इसी फसल के सहारे पूरे वर्ष परिवार का खर्च चलता है।

बीएड प्रवेश परीक्षा के दौरान केंद्र के बाहर छात्रों का हंगामा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड में रविवार को आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा के दौरान जमशेदपुर के ग्रेजुएट कॉलेज परीक्षा केंद्र पर जमकर हंगामा हुआ। परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 10:15 बजे निर्धारित था जबकि परीक्षा 10:30 बजे शुरू होनी थी। छात्रों का आरोप है कि वे परीक्षा शुरू होने से पहले केंद्र परिसर पहुंच गए थे लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। अभ्यर्थियों के अनुसार गेट पर दस्तावेज सत्यापन और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर उन्हें बाहर ही इंतजार कराया गया। इस दौरान समय बीतता गया और कई छात्र परीक्षा शुरू होने के समय तक भी केंद्र के बाहर ही खड़े रहे। छात्रों का कहना है कि कुछ अभ्यर्थियों को अंतिम समय में प्रवेश की अनुमति दी गई जबकि अन्य को रोक दिया गया जिससे उनमें नाराजगी फैल गई। विरोध स्वरूप कई छात्रों ने परीक्षा केंद्र के बाहर हंगामा किया। कुछ छात्र कॉलेज के मुख्य गेट पर चढ़ गए और परीक्षा में शामिल करने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि वे परीक्षा शुरू होने से पहले केंद्र पहुंच चुके थे, इसलिए उन्हें परीक्षा देने का अवसर मिलना चाहिए था। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन की लापरवाही के कारण वे परीक्षा से वंचित रह गए। काफी देर तक केंद्र के बाहर अफरा-तफरी और बहस का माहौल बना रहा। वहीं परीक्षा प्रबंधन निर्धारित नियमों का हवाला देता रहा। परीक्षा से वंचित अभ्यर्थियों ने पूरे मामले की जांच कराने और न्याय दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस घटना से उनका एक शैक्षणिक वर्ष प्रभावित हो सकता है।

बिरसा हरित क्रांति योजना से बदली किसानों की तकदीर

बंजर जमीन बनी फलदार बागानों का केंद्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में किसानों की आय बढ़ाने और बंजर भूमि के बेहतर उपयोग को लेकर शुरू की गई बिरसा हरित क्रांति योजना ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव की नई मिसाल पेश कर रही है। इस योजना के तहत किसानों को फलदार पौधे, सिंचाई सुविधा और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है जिससे खेती और बागवानी को नई दिशा मिल रही है। खूंटी जिले के मुरहू प्रखंड स्थित कोड़ाकेल गांव इस योजना की सफलता का एक प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। कोड़ाकेल गांव में पहले बड़ी मात्रा में भूमि बंजर पड़ी रहती थी। सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने के कारण किसान खेती नहीं कर पाते थे और रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर थे लेकिन बिरसा हरित क्रांति योजना के लागू होने के बाद स्थिति बदल गई। यहां किसानों को मनरेगा के तहत कुआं और सोलर आधारित सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई जिससे बागवानी को बढ़ावा मिला। ग्रामसभा के माध्यम से किसानों का चयन कर उन्हें योजना का लाभ दिया जा रहा है। गांव की किसान

मालती देवी बताती हैं कि उनकी दो एकड़ बंजर जमीन अब उपजाऊ बागान में बदल चुकी है। यहां आम, लीची, अमरूद, नींबू, अनार और ड्रैगन फ्रूट की खेती की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए पौधों और तकनीकी मार्गदर्शन से बगीचे की अच्छी देखभाल हो रही है। अब उनके बगीचे में आम, लीची और अमरूद की अच्छी पैदावार हो रही है और व्यापारी सीधे गांव आकर फलों की खरीदारी कर रहे हैं जिससे किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिल रहा है। मुरहू प्रखंड के उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने बताया कि सरकार की कृषि और बागवानी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा हरित क्रांति योजना से सैकड़ों किसान आत्मनिर्भर बने हैं। इस वर्ष प्रखंड में लगभग 386 एकड़ भूमि पर फल और सब्जियों की खेती की जा रही है जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह योजना न केवल किसानों की आय बढ़ा रही है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रही है। साथ ही यह किसानों के जीवन में स्थायी खुशहाली लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

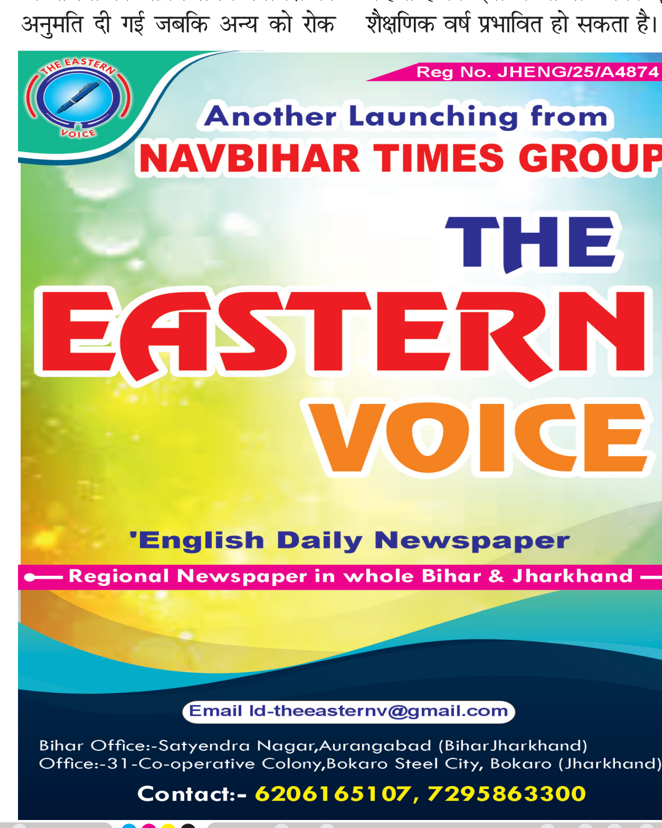

ब्रह्माकुमारीज की जागरुकता रैली में गूंजा नशामुक्त भारत का संकल्प

तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो का संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
केरेडारी/हजारीबाग। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, केरेडारी द्वारा भव्य जन-जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। रैली की शुरुआत ओम शांति भवन, केरेडारी से हुई। यह रैली केरेडारी की विभिन्न गलियों, ओमे, खपिया, बेल चौक और मुख्य चौक से होकर गुजरी। इसमें ब्रह्माकुमारी संस्था के सैकड़ों सदस्य शामिल हुए। प्रतिभागियों ने हाथों में तंबाकू विरोधी संदेशों वाली तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली के दौरान "तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो", "स्वस्थ भारत का है सपना, तंबाकू मुक्त हो देश अपना" तथा "तंबाकू खाना, कैंसर को पाना" जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम का नेतृत्व केरेडारी सेवाकेंद्र की संचालिका बीके सरिता दीदी ने किया।

युवाओं को नशे से बचाने पर दिया जोर

रैली को संबोधित करते हुए बीके सरिता दीदी ने कहा कि तंबाकू दुनिया भर में लाखों लोगों की असमय मृत्यु का प्रमुख कारण बन चुका है। धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियां और स्ट्रोक जैसी घातक समस्याओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आज का युवक कल के भारत का निर्माता है, इसलिए युवाओं को नशे की लत से बचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से तंबाकू के खिलाफ सामूहिक जागरूकता अभियान चलाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। रैली के दौरान बीके सदस्यों ने लोगों से तंबाकू उत्पादों का सेवन न करने तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। एक व्यक्ति को तंबाकू मुक्त बनाने की ली प्रतिज्ञा कार्यक्रम के अंत में सभी बीके सदस्यों ने स्वयं तंबाकू मुक्त रहने और कम से कम एक व्यक्ति को तंबाकू की लत से मुक्त कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीके योगेंद्र भाई, बीके भीम भाई, बीके रीतू भाई, बीके धनीनाथ भाई, बीके अशोक भाई, बीके सुभाष भाई, बीके रंजन भाई, बीके पारस भाई, बीके राजेंद्र भाई, बीके अमित भाई, बीके सूरज भाई, बीके फूल माता, बीके अंजली बहन, बीके दीपशिखा बहन, बीके संगीता बहन, बीके रेखा बहन, बीके निशा बहन, बीके लीलावती माता सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

मातृभाषा को मिला गौरवः सीबीएसई के त्रिभाषा सूत्र में दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
गिरिडीह। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा के प्रधानाचार्य आनंद कमल ने माध्यमिक शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत दो भारतीय भाषाओं के अध्ययन को अनिवार्य बनाए जाने के सीबीएसई के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम बताया है उन्होंने कहा कि त्रिभाषा सूत्र केवल एक शैक्षणिक नीति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रतीक है। उनके अनुसार यह निर्णय विद्यार्थियों में प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने के साथ साथ मातृभाषा भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान एवं निष्ठा को सुदृढ़ करेगा प्रधानाचार्य ने कहा कि बहुभाषी शिक्षा से बच्चों के मानसिक विकास, रचनात्मक क्षमता और बहुआयामी प्रतिभा को नई दिशा मिलेगी। साथ ही यह पहल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एक भारत श्रेष्ठ भारत उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि मातृभाषा और भारतीय भाषाओं को शिक्षा के केंद्र में स्थापित करना केवल शैक्षणिक सुधार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कारों, जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आनंद कमल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक सशक्त रूप से पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

गिरिडीह में सहायक अध्यापकों की बैठक, विभिन्न मांगों को लेकर जताया आक्रोश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
गिरिडीह। सहायक अध्यापक महासंघ की जिला स्तरीय आवश्यक बैठक रविवार को गिरिडीह के झंडा मैदान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला महासचिव सुखदेव हाजरा ने की, जबकि संघ के जिलाध्यक्ष एवं राज्य के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नारायण महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे बैठक को संबोधित करते हुए नारायण महतो ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक सहायक अध्यापकों के योगदान पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सहायक अध्यापक जनगणना, चुनाव और विभागीय कार्यों सहित सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन सरकारी शिक्षकों की तरह करते हैं, लेकिन उन्हें अब तक समान कार्य के लिए समान वेतन नहीं मिल पाया है। उन्होंने सरकार से सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप समान वेतन लागू करने की मांग की उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के अनुसार राज्य के जे-टेट एवं टेट उत्तीर्ण शिक्षकों को सहायक शिक्षक/सहायक आचार्य पदों पर समायोजित किया जाना चाहिए। महासंघ ने सरकार से इस दिशा में अविलंब प्रक्रिया शुरू करने की मांग की बैठक में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के खिलाफ कई मुद्दों पर नाराजगी जताई गई। महासंघ ने आरोप लगाया कि मानदेय भुगतान से संबंधित डाटा समय पर अपलोड नहीं होने के कारण शिक्षकों को समय पर भुगतान नहीं मिल पाता शहरी क्षेत्र के सहायक अध्यापकों का 4 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि (इंक्रीमेंट) का भुगतान वर्ष 2023 से लंबित है ईपीएफ मद में कटौती होने के बावजूद पेंशन मद में राशि जमा नहीं किए जाने से शिक्षकों में असंतोष है। प्रमाण पत्र सत्यापन के नाम पर बार-बार दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जबकि पूर्व में कई बार सत्यापन हो चुका है जिले के 269 पारा शिक्षकों का मानदेय विभिन्न कारणों से लगभग एक वर्ष से लंबित है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो शिक्षकों का आक्रोश आंदोलन का रूप ले सकता है बैठक के दौरान जिला कार्यकारिणी समिति का विस्तार भी किया गया। सर्वसम्मति से ठाकुर दास, सुरेश प्रसाद महतो, अरुण कुमार मंडल, रामचंद्र मंडल, उमा शंकर राणा, पुनीचंद मंडल, कामेश्वर प्रसाद यादव, डमरूलाल मरांडी और मनोज यादव सहित कई शिक्षकों को जिला कार्यकारिणी समिति का सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में मनोज कुमार शर्मा, दीपक कुमार, लालजीत यादव, दिलीप यादव, मुन्ना दास, नागेश्वर महतो, यीशु हेंब्रम, बोड़ला टुडू, अजय कुमार, दिनेश कुमार वर्णवाल, राधेश्वर महतो, मुकेश प्रसाद वर्मा, छोटेलाल टुडू, अर्जुन राणा, टिपन कुमार मंडल, खुबलाल महतो, संजय मुर्मू, गोवर्धन पंडित, रणजीत कुमार यादव, राज कुमार यादव, संजय कुमार यादव, प्रकाश पासवान और दशरथ कुमार समेत सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

देवरी को भी रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। देवरी प्रखंड को रेलवे सुविधा से जोड़ने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। समाजसेवी सुखदेव हाजरा ने कहा कि गिरिडीह जिले का देवरी क्षेत्र आजादी के बाद से अब तक रेलवे जैसी महत्वपूर्ण सुविधा से वंचित है, जबकि जिले के अन्य क्षेत्रों में रेल परियोजनाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा नवादा गिरिडीह रेल परियोजना को स्वीकृति मिलने से तिसरी और गांवा क्षेत्र के लोगों में विकास की नई उम्मीद जगी है, लेकिन देवरी प्रखंड इस योजना से अछूता दिखाई दे रहा है। उन्होंने इसे क्षेत्र के साथ सौतेले व्यवहार का उदाहरण बताया सुखदेव हाजरा ने देवरी प्रखंड के जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, युवा संगठनों तथा सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर देवरी को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की मांग उठाने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि देवरी थाना मोड़ होते हुए चतरो मार्ग से रेलवे लाइन को जमुआ रेलखंड से जोड़ा जाए, ताकि इस सुदूरवर्ती क्षेत्र को भी रेल सुविधा का लाभ मिल सके उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, जमुआ विधायक डॉ. मंजू कुमारी, झारखंड सरकार और भारत सरकार से मांग की कि प्रस्तावित रेल परियोजना का विस्तार कर देवरी क्षेत्र को भी शामिल किया जाए हाजरा ने कहा कि रेलवे लाइन बनने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आवागमन सुगम होगा और आर्थिक सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि जनप्रतिनिधि और आम लोग मिलकर आवाज उठाएं तो देवरी का वर्षों पुराना रेल संपर्क का सपना भी साकार हो सकता है।उन्होंने कहा कि तिसरी और गांवा क्षेत्र के लिए रेलवे परियोजना सराहनीय कदम है, लेकिन देवरी की जनता भी इसी प्रकार की विकास योजनाओं की हकदार है। इसके लिए सड़क से लेकर सदन तक जनआंदोलन की आवश्यकता है।

बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से पूर्ण दूरी बनाना : डॉ. प्रवीण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
हजारीबाग। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन एवं जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें कटकमदाग स्थित महोडर, सदर प्रखण्ड स्थित हुपाद, बभनी, सत्यम फ्रेश फूड फीड्स प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य क्षेत्र के पंचायत भवन में जागरूकता जांच शिविर का आयोजन, फैक्ट्री के कर्मचारी, किसान और आम जनता को तंबाकू के दुष्प्रभाव से होने वाले गंभीर बिमारियों से अवगत कराया गया। स्वास्थ्य जीवन के लिए नशा को जीवन से दूर करने का आव्हान किया गया। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि तंबाकू सेवन आज समाज के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। तंबाकू के कारण मुंह का कैंसर, दांतों एवं मसूड़ों की बीमारियां, हृदय रोग तथा श्वसन संबंधी अनेक गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से पूर्ण दूरी बनाना है।

8 गायों से 50 दुधारू पशुओं तक : महेशलुंडी के सोनल कांडवेय बने डेयरी उद्यमिता की मिसाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। सीमित संसाधनों से शुरुआत कर आधुनिक डेयरी व्यवसाय में सफलता की नई कहानी लिखने वाले महेशलुंडी गांव के युवा पशुपालक सोनल कांडवेय आज जिले के किसानों और पशुपालकों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उनकी मेहनत, वैज्ञानिक सोच और सरकारी योजनाओं के प्रभावी उपयोग ने उन्हें डेयरी क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है वर्ष 2010 में केवल 8 पशुओं के साथ डेयरी फार्म की शुरुआत करने वाले सोनल कांडवेय ने बेहतर पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन और वैज्ञानिक ब्रीडिंग को प्राथमिकता देकर अपने व्यवसाय का लगातार विस्तार किया। आज उनका फार्म आधुनिक डेयरी प्रबंधन का उदाहरण बन चुका है लगभग 10 एकड़ भूमि पर वे बाजरा, मक्का और बरसीम की खेती कर पशुओं के लिए सालभर पौष्टिक हरा चारा उपलब्ध कराते हैं। मक्का से तैयार किया जाने वाला साइलेज उनके डेयरी मॉडल की विशेष पहचान है। हर वर्ष करीब 100 टन साइलेज उत्पादन के माध्यम से वे पशुओं के स्वास्थ्य और दूध उत्पादन को बेहतर बनाए रखते हैं डेयरी व्यवसाय के साथ-साथ उन्होंने जैविक खेती को भी अपनाया है। फार्म से प्राप्त गोबर का उपयोग प्राकृतिक खाद के रूप में किया जाता है तथा वर्मी कम्पोस्ट यूनिट स्थापित कर अतिरिक्त आय का स्रोत भी विकसित किया गया है। इससे खेती की लागत कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है सोनल कांडवेय की सफलता को नई दिशा तब मिली जब वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्हें गव्य विकास विभाग की कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना का लाभ मिला। लगभग 39.75 लाख रुपये की परियोजना लागत वाली योजना के तहत 50 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्वीकृत की गई। प्रथम चरण में 25 दुधारू पशुओं की खरीद पूरी हो चुकी है, जबकि शेष पशुओं की व्यवस्था की प्रक्रिया जारी है सोनल कांडवेय का मानना है कि डेयरी व्यवसाय में सफलता केवल दूध उत्पादन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि वैज्ञानिक ब्रीडिंग, चारा उत्पादन, साइलेज निर्माण और जैविक खाद प्रबंधन जैसे सभी पहलुओं पर समान ध्यान देना आवश्यक है। इसी सोच ने उनके फार्म को समग्र कृषि एवं पशुपालन मॉडल के रूप में विकसित किया है उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत के साथ-साथ झारखंड सरकार और गव्य विकास विभाग के सहयोग को दिया है। विभाग द्वारा समय समय पर उपलब्ध कराए गए तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और सहायता ने उनके डेयरी व्यवसाय को आधुनिक स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विश्व हिंदू परिषद की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला अंतर्गत चैनपुर प्रखंड के कंकारी पंचायत मुख्यालय कंकारी में विश्व हिंदू परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद, झारखंड प्रांत समिति सदस्य सह पलामू जिला पालक दामोदर मिश्र ने बताया कि बैठक में जिला प्रतिनिधि के रूप में जिला बजरंग दल संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति रही। प्रखंड अध्यक्ष देवराज शर्मा ने कंकारी पंचायत के लिए विश्व हिंदू परिषद पंचायत समिति के नए अधिकारियों के नामों का घोषणा किया। घोषणा के अनुसार पंचायत में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष हीरा चौधरी, मंत्री नन्हकू चौधरी और बजरंग दल के पंचायत संयोजक के रूप में पवनदेव कुमार को नामित किया गया। जिला अध्यक्ष उमेश अग्रवाल, जिला मंत्री अमित तिवारी और जिला बजरंग दल संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दे कर उनका उत्साहवर्धन किया। बैठक में प्रखंड संरक्षक सरयू प्रसाद, प्रखंड उपाध्यक्ष गणेश प्रसाद, प्रखंड मंत्री घनश्याम गुप्ता, सम्मानित सदस्य गण महेंद्र प्रसाद, रामेश्वर चौधरी, सुजीत चौधरी, प्रमोद चौधरी, बबलू चौधरी, दीपचंद चौधरी, नंदू चौधरी, विपिन चौधरी, सोनू कुमार चौधरी, गोपाल चौधरी, नरेश चौधरी, रविंद्र चौधरी, महावीर चौधरी और उपेंद्र चौधरी सहित अनेकों ग्रामीणों की सहभागिता रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पानी, चिकित्सा, सड़क की सुविधाएं दी जाए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
मेदिनीनगर (पलामू)। रविवार को ग्रामीण विकास समिति राजहरा की बैठक नवा बाजार प्रखंड अंतर्गत राजहरा कोठी देवी धाम के प्रांगण में संपन्न किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष अशोक चौहान एवं संचालन सचिव कमल कुमार के द्वारा किया गया। जिसमें सीसीएल राजहरा कोलियरी से प्रभावित क्षेत्रों के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे विस्थापन, सड़क, बिजली, पेयजल, अस्पताल, शिक्षा, स्थानीय को रोजगार, कृषि एवं पशुपालन, पर्यावरण संरक्षण जैसे अधिकारों पर उपस्थित लोगो ने विचार व्यक्त किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कोयला उत्पादन के चलते कोयला खदान के बगल से सटे हुए दो नदियां सदाबह एवं लवजी को घेर कर छोटा कर दिया गया है।जिससे कृषि योग्य भूमि में बरसात के दिनों में पानी भर जाएगा।नदी के साथ छेड़छाड़ करने के कारण भूगर्भीय जल की भी समस्या उत्पन्न हो रही है। लोगों ने आग्रह किया कि कोयला उत्पादन के दौरान जो ब्लास्टिंग किया जा रहा है। कम पावर का ब्लास्टिंग किया जाए। जिससे लोगों का घर सुरक्षित रह सके, कई घरों में दरार पड़ जा रही है इस मौके पर उपस्थित कमिटी के संरक्षक रामानन्द पांडेय, राजबली मेहरा(जिप प्रतिनिधि नावाबाजार), मनोज विश्वकर्मा एवं उपाध्यक्ष संतन कुमार, कोषाध्यक्ष रविंद्र चौहान, कामाख्या पाण्डेय, विजय कुमार चौबे, मंजीत कुमार (जिप प्रतिनिधि पंडवा) अजय राम, अरुण राम, सीताराम विश्वकर्मा, राजेन्द्र पांडेय, सतेंद्र पाण्डेय, शैल पाण्डेय, गोपाल चौहान, सुरेंद्र चौहान, शशिरंजन पाण्डेय, रमेश राम, जितेंद्र पांडे, अशोक प्रजापति, दीना चौहान, गुड्डू खान, कुतुबुद्दीन अंसारी, कपिलदेव ठाकुर, अजय पांडे, अजीत चौहान, संतोष कुमार,के एन पांडे, तथा कमिटी के सदस्यगण, श्यामलाल, विनोद चौहान, निरंजन चौहान, अंजीत प्रजापति, अखलेश चौहान, जितेंद्र चौहान, पंकज चौहान, पुरुषोत्तम कुमार, मिथलेश कुमार, विंदेश चौहान, विकाश चौहान, विजय चौहान एवं अन्य कई ग्रामीण जनता उपस्थित रहें।

हर हाल में नशा का करें त्याग : थाना प्रभारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मेदिनीनगर (पलामू)। तंबाकू समेत किसी भी तरह का नशे से जिंदगी नर्क बन जाती है। परिवार पूरी तरह तबाह हो जाता है। इसीलिए कहा गया है कि नशा का जो हुआ शिकार उजड़ा उसका घर परिवार। उक्त बातें पंड़वा थाना के प्रभारी चिंटू कुमार ने कही। वे रविवार को पंड़वा थाना परिसर में पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के निर्देश व पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन के मार्गदर्शन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि तम्बाकू के सेवन से कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी गंभीर बीमारी सहित अनेक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। युवा तेजी से नशा का शिकार हो रहे हैं। कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध कानून बना है। इसका थाना क्षेत्र में कड़ाई से पालन किया जा रहा है। कहा कि नशे के लत को छुड़ाया जा सकता है। इसके लिए टोल फ्री नंबर 8663125586 पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही निकटतम नशा मुक्ति केंद्र से सहायता प्राप्त की जा सकती है। मौके पर पंड़वा थाना के एएसआई अनुज तिवारी ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा सामाजिक अभियान है। जनभागीदारी से ही तंबाकू मुक्त पलामू के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।वर्तमान में युवाओं, महिलाओं व बुजुर्गों में सिगरेट, खैनी, हुक्का, बीड़ी, तंबाकू आदि के अलग- अलग रूप में सेवन करते हुए देखा जा रहा है।

कई हस्तियों ने ग्रहण की सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा की आजीवन सदस्यता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के कई हस्तियों ने सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। इनमें मानस मर्मज्ञ प्रभुनारायण पाठक, अधिवक्ता पंकज कुमार पाठक, डा. जौन एफ कनेडी, डा. अजय कुमार पाठक, सेवानिवृत सेनानी शालीग्राम पाण्डेय, भीषमदास रामजानकी मंदिर के आचार्य बृजमोहन पाण्डेय, सुमन मिश्रा व शिवाकांत मिश्रा ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की। बताते चलें कि इन दिनों सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा का पारिवारिक सर्वे जोर-शोर से चल रहा है। सभी लोग समाज के विकास में अपने योगदान की भागीदारी का आश्वासन दे रहे हैं। सदस्यता अभियान व पारिवारिक सर्वे में सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक अधिवक्ता गोपाल मिश्र, अध्यक्ष रामाकांत पाठक, उपाध्यक्ष धनंजय मिश्र, कार्यकारिणी सदस्य अखिलेश पाठक शामिल हैं। इसकी जानकारी देते हुए सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक अधिवक्ता गोपाल मिश्र ने बताया कि सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा का अगस्त 2026 तक सर्वे कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। महासभा के पदाधिकारी लक्ष्य को पूरा करने में जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर पारिवारिक सर्वे में लगे हुए हैं। महासभा की सोच है कि आने वाले दिनों में महासभा का वट वृक्ष तैयार हो। साथ ही महासभा में शामिल सदस्य समाज के विकास में अपनी महती भूमिका निभा सकें।

स्वच्छ भारत अभियान के जिला पदाधिकारियों की घोषणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत हजारीबाग जिला इकाई के पदाधिकारियों की घोषणा स्वच्छ भारत अभियान के प्रदेश सहसंयोजक एवं हजारीबाग प्रमंडल प्रभारी नीरज कुमार गुप्ता द्वारा की गई। रघुनाथ गुप्ता (नूतन नगर, कोर्रा) को जिला संयोजक तथा राजू मेहता (पदमा) एवं रोहित कुमार राय (बड़कागांव) को जिला सहसंयोजक मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक यादव की उपस्थिति रही। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया तथा स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। मौके पर नरेश कुमार यादव, आशीष कुमार, विनय कुमार, बजरंगी कुमार, संदीप कुमार, रोहित राज, सोनू कुमार, आर्य कुमार, कृष कुमार, सनी यादव, अमन मेहता, निखिल गुप्ता, अभिषेक कुमार, मनीष कुमार, शुभम, राहुल सिंह, अमित, विकास, रोशन सिंह, आकाश सिंह, चिंकू, सूरज सिंह, कृष्ण ठाकुर, जय कुमार ठाकुर, रणधीर कुमार, राहुल कुमार एवं रामचंद्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवा राष्ट्रीय जनता दल की बैठक संपन्न

गिरिडीह/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। युवा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की जिला स्तरीय बैठक गिरिडीह के सर्किट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा पार्टी की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई बैठक की अध्यक्षता युवा राजद जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने की। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। साथ ही आम जनता के हक और अधिकार की लड़ाई को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने समाजवादी विचारधारा से जुड़े बुद्धिजीवियों को भी संगठन से जोड़ने की बात कही बैठक में आगामी "युवा संवाद चौपाल यात्रा" को सफल बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया इस दौरान जिला कमिटी का विस्तार करते हुए रविंद्र कुमार को जिला उपाध्यक्ष, राजेश कुमार यादव को जिला कोषाध्यक्ष तथा जागेश्वर यादव को जिला सचिव मनोनीत किया गया। बैठक में राजद जिला अध्यक्ष इरफान अंसारी और जिला महासचिव रामेश्वर यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने, युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष को तेज करने का आह्वान किया।

अन्न, जल और धन की बचत करें, जरूरतमंदों की मदद करें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
हजारीबाग। बड़ा बाजार स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य आचार्य समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज और मुनि श्री भावसागर जी महाराज के सान्निध्य में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिला समाज ने शास्त्र अर्पण का सौभाग्य प्राप्त किया और मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति का माहौल बना रहा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री भावसागर जी महाराज ने कहा कि धार्मिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। उन्हें आरती, चंवर सेवा और अन्य धार्मिक गतिविधियों में आगे आने का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार के पुरुषों को घर की महिलाओं और बच्चों को उनके निजी खर्च और दान-पुण्य के लिए धन देना चाहिए, ताकि उनमें भी सेवा और दान की भावना विकसित हो सके। मुनि श्री ने कहा कि अन्न, जल, बिजली और धन जैसी चीजों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि भोजन उतना ही लें जितना खा सकें, क्योंकि भोजन को जूठा छोड़ना अन्न का अपमान है। उन्होंने बताया कि खेत से लेकर रसोई तक अनाज तैयार होने में लंबी प्रक्रिया से गुजरता है, इसलिए उसकी बर्बादी रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जल संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि पानी का सीमित उपयोग करें और अनावश्यक बर्बादी से बचें। कई लोग वाहन धोने और अन्य कार्यों में बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बहा देते हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है। साथ ही बिजली और अन्य ऊर्जा संसाधनों का भी सोच-समझकर उपयोग करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कुमारी गांव में दिनदहाड़े घुसा हाथियों का झुंड, ग्रामीणों में दहशत

चांडिल, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला–खरसावां जिला अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के कुमारी गांव में रविवार को दिन के उजाले में जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया। हाथियों ने किसानों के खेतों में लगी रबी धान की फसल को अपना आहार बनाते हुए रौंदकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का झुंड गांव और खेतों के आसपास काफी देर तक घूमता रहा, जिससे लोगों में डर बना रहा। स्थिति यह है कि अब ग्रामीण दिन के समय भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। हाथियों के लगातार आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने से बच्चों, महिलाओं और किसानों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय किसानों ने बताया कि धान की खेती ही इस क्षेत्र के अधिकांश परिवारों की आय का मुख्य स्रोत है। इसी फसल के सहारे पूरे वर्ष परिवार का खर्च चलता है। ऐसे में हाथियों द्वारा फसल को नष्ट किए जाने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

जमशेदपुर में युवक की हत्या, झाड़ियों में मिला शव

जमशेदपुर, एजेंसी। जिले के मानगो उलीडीह क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी। युवक का शव एक क्लब के पास बरामद हुआ है। मामले में उलीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के सर पर प्रहार के निशान हैं और अपराधियों का पता लगाया जा रहा है।युवक का शव क्षेत्र में स्थित आदिवासी क्लब के पास झाड़ियों से बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए हैं।सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची और पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान शकोंसाई रोड नंबर 2 निवासी 24 वर्षीय विकास सिंह के रूप में हुई है। जांच के दौरान पाया गया कि मृतक के सर पर धारदार हथियार से प्रहार के निशान थे। जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है।परिजनों के मुताबिक, विकास शनिवार देर रात अपने भगिना से मिलने के लिए उलीडीह गया था। भगिना से मुलाकात के बाद वह घर लौटने के लिए निकला था लेकिन देर रात के बाद भी वापस नहीं पहुंचा।परिवार के लोगों ने उसे कई बार फोन करने की कोशिश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। सुबह उलीडीह में रहने वाली एक युवती ने परिजनों को फोन कर झाड़ियों में एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी दी। इधर पुलिस अपराधियों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी है।

बगोदर के तुकतुको गांव में 20 दिन के अंदर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। जिला में बगोदर थाना क्षेत्र के अड़वारा पंचायत के तुकतुको गांव में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। महज 20 दिनों के भीतर एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई है जबकि घर की महिला अब भी जिंदगी की जंग लड़ रही है।गांव के चंद्रदीप महतो बाहर रहकर ड्राइविंग करते थे। 11 मई को काम के दौरान हुए हादसे में उनकी मौत हो गई। पति की मौत का गम परिवार अभी भुला भी नहीं पाया था कि 27 मई को पत्नी दिनेश्वरी देवी, 12 साल का बेटा प्रिंस और 15 साल की बेटी प्रियंका की अचानक तबीयत बिगड़ गई। तीनों को पेट दर्द और दस्त की शिकायत पर पहले बगोदर सीएचसी ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां 28 मई को बेटी प्रियंका ने दम तोड़ दिया। मां और बेटे को रांची ले जाया गया, जहां 29 मई को प्रिंस की भी मौत हो गई। दिनेश्वरी देवी रांची के अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।चंद्रदीप के भाई सुरेन्द्र महतो ने पुलिस को दिए बयान में जहर की आशंका जताई है। उनके अनुसार 27 मई को दिनेश्वरी ने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर लिया था। तबीयत बिगड़ने पर आवाज सुनकर परिजन छत से घर में दाखिल हुए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और महिला के बयान के बाद ही मौत की असल वजह साफ हो पाएगी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है।

बोकारो में लगी भीषण आग, दो लोग गंभीर रूप से झुलसे

बोकारो, एजेंसी। जिले के एलएच कॉलोनी स्थित एक घर में भीषण आग लग गई। इस घटना में दो लोग बुरी तरह झुलस गए। दोनों को बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां बर्न यूनिट में शिफ्ट कर दिया गया है। इसमें से एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। यह घटना शनिवार को बोकारो के बीएसएल के एलएच कॉलोनी की स्ट्रीट 15 के मकान नंबर 6 में हुई। बताया जा रहा है कि घर में मिट्टी तेल का एक ड्रम रखा हुआ था। वहां पहले आग लगी, फिर तेजी से फैलते हुए पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें देखकर आस–पास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की।वहीं, सूचना पाकर एक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि इस हादसे में घर का मालिक भाना झा और महबूब आलम बुरी तरह झुलस गए। दोनों को बोकारो जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

डीसी की समीक्षा बैठक में सामने आई अनियमितताएं,

कई कर्मियों पर निलंबन और वेतन रोकने की कार्रवाई

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर प्रखंड में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति की समीक्षा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में की गई। समीक्षा बैठक से पहले जिला प्रशासन की आठ अलग-अलग टीमों ने विभिन्न पंचायतों में पहुंचकर योजनाओं, सरकारी संस्थानों और निर्माणाधीन कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

जांच रिपोर्ट के आधार पर समीक्षा बैठक में कई मामलों में कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर उदयपुर और जमडीहा पंचायत के पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश दिया गया। वहीं गोविंदपुर के बीपीओ पर कार्य में शिथिलता बरतने के आरोप में निलंबन की कार्रवाई करने को कहा गया।

समीक्षा के दौरान मुर्गाबनी पंचायत में सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठे। मामले में संबंधित संवेदक और कनीय अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया। इसी पंचायत में पीडीएस दुकानों में राशन वितरण में कटौती, रेट चार्ट प्रदर्शित नहीं करने और वजन माप में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आईं।

उपायुक्त ने संबंधित डीलरों पर कार्रवाई करते हुए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से जवाब-तलब करने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों के

निरीक्षण में रखरखाव और अभिलेख संधारण में गंभीर कमियां पाई गईं। इसके बाद संबंधित महिला पर्यवेक्षिका का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। वहीं, सहराज स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका और सहायिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने को कहा गया।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में बांधडीह स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर वहां के सीएचओ का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। वहीं, भीतिया के सीएचओ से नए भवन का हैंडओवर नहीं लेने के कारण स्पष्टीकरण मांगा गया। फुफुआडीह और सहराज में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी खामियां मिलने पर संबंधित कनीय अभियंताओं का वेतन रोकने का आदेश दिया गया। इसके अलावा भीतिया में स्पोर्ट्स स्टेडियम निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कनीय अभियंता का वेतन रोकते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में देरी या गुणवत्ता से समझौता करने वाले सभी संवेदकों और निर्माण एजेंसियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट करने तथा लंबित भुगतान रोकने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन ने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ आम लोगों तक पहुंचे, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता, भ्रष्टाचार या कार्य में देरी की शिकायत मिलती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, डीआरडीबी निदेशक राजीव रंजन, बीडीओ जाहिर आलम, सीडीपीओ, मनरेगा पीओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एटीएम में कार्ड फंसाकर 47800 रुपये की ठगी, जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर शहर में साइबर ठगों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालूबासा स्थित एसबीआई एटीएम का है, जहां झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से 47,800 रुपये उड़ा लिए गए। घटना के संबंध में रेडियो मैदान निवासी कामता प्रसाद ने रविवार को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित कामता प्रसाद शनिवार को एटीएम से पैसे निकालने गए थे।

इसी दौरान उनका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। वहां मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें मदद का झांसा दिया और सलाह दी कि वे बैंक के अंदर जाकर इसकी शिकायत करें। कामता प्रसाद जैसे ही बैंक की ओर बढ़े, उनके मोबाइल पर पैसे कटने के मैसेज आने लगे। जब तक वे कुछ समझ पाते, शातिर ठग ने उनके खाते से 47,800 रुपये निकाल लिए थे।घटना की सूचना पाकर सीतारामडेरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली, शिक्षण संस्थानों के बाहर तंबाकू बिक्री पर रोक की मांग

रांची, एजेंसी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी रांची में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम 'निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें' रखी गई है। इसी कड़ी में रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को तंबाकू और निकोटिन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

रैली के माध्यम से युवाओं और आम लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों की जानकारी दी गई। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और एनएसएस स्वयंसेवक शामिल हुए। विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर, पोस्टर और जागरूकता संदेशों वाली तख्तियां लेकर लोगों से तंबाकू का सेवन छोड़ने की अपील की। रैली के दौरान 'तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो', स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत और 'कैंसर से बचना है तो तंबाकू छोड़ना है' जैसे नारों के जरिए लोगों को जागरूक किया गया। छात्रों ने कहा कि तंबाकू और निकोटिन आधारित उत्पाद युवाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। सिगरेट, गुटखा, खैनी और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, उच्च रक्तचाप और कई अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग इसकी लत का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में समाज के हर वर्ग तक जागरूकता पहुंचाना जरूरी है।

बाबाधाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर, कई सड़कें होंगी दुरुस्त

देवघर, एजेंसी। किसी भी जिले के विकास का आकलन वहां की आधारभूत सुविधाओं, विशेषकर सड़कों की स्थिति से किया जाता है। अच्छी सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की भी तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। देवघर जिले के कई ग्रामीण इलाकों में सड़कें लंबे समय से बदहाल स्थिति में हैं, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों की जर्जर सड़कों को लेकर उठ रही शिकायतों के बीच देवघर के विधायक सुरेश पासवान ने कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि देवघर एक प्रमुख धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रद्धालु

मोहनपुर, देवीपुर और सारवां प्रखंड के रास्ते देवघर आते हैं, लेकिन खराब सड़कों के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

विधायक ने बताया कि मोहनपुर प्रखंड के डीएम मोड़ से हारोडीह तक लगभग 8 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की स्वीकृति राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग से मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा पुनासी के जीरो माइल से मनियारपुर के काशीडीह तक लगभग 16 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए आवंटन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। स्वीकृति मिलते ही इस सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा।

सुरेश पासवान ने बताया कि रोहिणी रेलवे फाटक से जीतपुर तक लगभग 8 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण का प्रस्ताव भी राज्य सरकार को भेजा गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना पर भी कार्य शुरू किया जाएगा। विधायक ने यह भी जानकारी दी कि पुनासी डैम के सौंदर्यीकरण को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सर्वेक्षण कराया गया है। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद आने वाले कुछ महीनों में इस दिशा में भी कार्य शुरू होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि देवघर को एक विकसित और आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करने के लिए जिला प्रशासन और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। देवघर देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का स्वागत करता है, जिससे इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है। ऐसे में सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

विधायक ने बताया कि इन सभी परियोजनाओं को गति देने के लिए उन्होंने खुद मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कराने का प्रयास किया है। अब लोगों की निगाहें इन घोषणाओं के क्रियान्वयन पर टिकी हैं।

राज्यसभा चुनाव: प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने अपने विधायकों से की वन टू वन बात!

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मी आज सत्ताधारी गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस में तेज रही। कांग्रेस प्रभारी और तेलांगना के डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। वहीं उसके बाद दोनों नेताओं ने मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में पार्टी विधायकों से वन टू वन मुलाकात की और राज्यसभा चुनाव को लेकर उनकी राय ली।

प्रदेश प्रभारी के। राजू और तेलांगना के डिप्टी सीएम तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का से मुलाकात के बाद डिप्टी सीएलपी राजेश कच्छप ने कहा कि हमें गठबंधन के साथ चुनाव लड़ना है और गठबंधन मजबूत है। हम सबों की इच्छा है कि झामुमो से एक और कांग्रेस से भी एक उम्मीदवार राज्यसभा के चुनाव लड़े।

उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त संख्या बल है और इस संख्या को बचा कर रखना है। संख्याबल नहीं होते हुए भी बीजेपी ने चुनाव में अपना प्रत्याशी उतारने की घोषणा की है, न तो बीजेपी

के पास एक सीट जीता पाने की संख्या है और न ही ह्ष्ठ गठबंधन के पास। लेकिन उसके बाद भी भाजपा अपना उम्मीदवार उतारेगी, इसके पीछे की उसकी मंशा क्या है यह समझा जा सकता है।

राजेश कच्छप ने कहा कि हमारे पास दोनों सीट जीतने की पर्याप्त संख्या है। जिसे हमें वोट के रूप में राज्यसभा चुनाव में परिवर्तित करना है और हमें विश्वास है कि इन दोनों सीट को हम जरूर जीतेंगे।

वहीं विधायक जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने कहा कि सीएम से प्रदेश प्रभारी और तेलांगना के डिप्टी सीएम ने मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि आज केंद्रीय नेतृत्व ने यह विश्वास दिलाया है कि राज्यसभा के चुनाव में प्रदेश से ही उम्मीदवार होगा।

जिससे यहां के कार्यकर्ता को सम्मान मिलेगा यह बहुत ही अच्छी पहल राष्ट्रीय अध्यक्ष की तरफ से की गई है। सभी विधायक एकजुट है और हम बहुमत में है। आखिरी निर्देश सीएम को देना है कि सीट शेयरिंग क्या होगी और राज्यसभा उम्मीदवार के चयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं निर्णय ले तो यह बेहतर होगा।

रिम्स में 5 वर्षीय बच्ची की सफल ओपन हार्ट सर्जरी, आयुष्मान योजना के तहत मिला निःशुल्क उपचार

रांची, एजेंसी। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के कार्डियोथोरेसिक विभाग ने पिछले सोमवार को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 05 वर्षीय बच्ची की सफल ओपन हार्ट सर्जरी कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी डॉ शिशिर कुमार महतो ने इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बच्ची के हृदय में जन्म से छेद (सेप्टल डिफेक्ट) था, जिसके कारण उसे सांस फूलना, बार-बार निमोनिया होना, धड़कन तेज होना तथा वजन न बढ़ने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही थी। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग द्वारा बच्ची का इकोकार्डियोग्राफी और कार्डियक सीटी जांच के बाद बीमारी की पुष्टि हुई थी।

चिकित्सकों के अनुसार, समय पर उपचार न मिलने पर ऐसी स्थिति फेफड़ों के दबाव में वृद्धि और आगे चलकर गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती थी। सर्जरी के दौरान हृदय के छेद को सफलतापूर्वक बंद किया गया। ऑपरेशन के बाद बच्ची की स्थिति स्थिर है और उसके लक्षणों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। यह उपचार आयुष्मान योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया गया।

विभाग ने 28 मई को बच्ची का पांचवां जन्मदिन भी अस्पताल परिसर में स्नेह एवं उल्लास पूर्वक मनाया। इस सफल सर्जरी का नेतृत्व डॉ। राकेश चौधरी ने किया। कार्डिएक एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व प्रो। डॉ। शिव प्रिये और डॉ। मुकेश कुमार ने किया। जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों, ओटी असिस्टेंट्स, परफ्यूजनिस्ट, आईसीयू नर्सिंग एवं फ्लोर स्टाफ ने मरीज की त्वरित और समन्वित देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मरीज के परिजनों ने सफल उपचार और संवेदनशील देखभाल के लिए रिम्स के कार्डियोथोरेसिक विभाग, चिकित्सकों और समस्त स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। जल्द ही पूर्ण स्वस्थ होकर बच्ची अपने घर लौट जाएगी।

आपराधिक गैंग झंगुर ग्रुप के सरगना सहित तीन ने किया सरेंडर, कई जिलों में था आतंक

रांची, एजेंसी। जिला पुलिस के सामने कुख्यात आपराधिक झंगुर ग्रुप के तीन सदस्यों ने एक साथ आत्मसमपर्ण कर दिया है। सरेंडर करने वालों में झांगुर ग्रुप के प्रमुख रामदेव उरांव सहित दो अन्य शामिल है।

रांची सीनियर एसपी राकेश रंजन ने बताया कि झंगुर ग्रुप के तीन सदस्य सरेंडर करना चाह रहे हैं। जिसमें गिरोह के फिरार सक्रिय कुख्यात अपराधकर्मी झांगुर ग्रुप के प्रमुख रामदेव उरांव भी है। इस सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देशन में दीपक कुमार, पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। प्राप्त आसूचना के आधार पर उक्त टीम बेड़ो थानान्तर्गत लमकाना पहुंची। इस अपराधकर्मियों के सन्दर्भ में समान सूचना गुमला जिला पुलिस को भी मिली, उनके द्वारा आसूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, गुमला द्वारा पु0अ0नि0 मोहन कुमा सिंह, थाना प्रभारी घाघरा एवं पु0अ0नि0 विकास कुमार, घाघरा थाना तथा सशस्त्र बल को सम्मिलित कर एक टीम राँची-गुमला सीमा पर भेजी गयी।

दोनों ही जिलों की टीम गुमला रांची जिला के सीमा पर पहुंची तो पुलिस को देखते ही इन तीनों के द्वारा स्वयं को संगठित अपराध गिरोह झांगुर ग्रुप का प्रमुख एवं सक्रिय क्रियावादी बताया एवं झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर समाज के मुख्य धारा में जुड़ने हेतु आत्मसमर्पण करने की इच्छा जतायी।

झामुमो ने बीएलओ तैनाती, मतदाता सत्यापन और डेटा पारदर्शिता पर उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। राज्य के सबसे बड़े और सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर BLO की तैनाती, मतदाता सत्यापन प्रक्रिया और डेटा पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय के हस्ताक्षर से जारी पत्र में सात बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी व त्रुटिरहित बनाने का आग्रह आयोग से किया गया है।

जेएमएम ने अपने पत्र में कहा है कि एसआईआर के दौरान जीआईएस आधारित हाउस-मैपिंग में बड़ी संख्या में मतदाता श्रेणी में चले जाते हैं। पार्टी का आरोप है कि अन्य राज्यों में इस श्रेणी को आधार बनाकर बिना पर्याप्त सत्यापन के मतदाताओं को सूची से हटाने जैसी गड़बड़ियां सामने आई हैं। पत्र में बिहार एसआईआर 2023 का उदाहरण देते हुए कहा गया कि हजारों मतदाताओं को बिना 30 दिन की अनिवार्य सूचना के फॉर्म-7 के माध्यम से हटा दिया गया, जिसे बाद में सुधारना पड़ा।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने

स्पष्ट किया है कि किसी भी मतदाता को 'अनमैप्ड' या संदिग्ध मानने से पहले बीएलओ द्वारा कम से कम दो अलग-अलग दिनों में भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया जाए। साथ ही, बीएलओ तैनाती से पहले एक लिखित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी करने की मांग की गई है, ताकि प्रक्रिया में एकरूपता और पारदर्शिता बनी रहे।

इस पत्र में संथाल परगना, कोल्हान और दक्षिणी छोटानागपुर जैसे क्षेत्रों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यहां भाषाई और सामाजिक विविधता के कारण बीएलओ के काम में जटिलता बढ़ जाती है। जेएमएम ने मांग की है कि अनुसूचित क्षेत्रों में संथाली भाषा जानने वाले बीएलओ की नियुक्ति हो या फिर संथाली भाषी सहायकों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बीएलओ को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

झामुमो ने अपने पत्र के माध्यम से यह भी मांग की है कि फॉर्म-6 के जरिए जोड़े गए नए मतदाताओं की अलग सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि राजनीतिक दल स्वतंत्र रूप से उनका सत्यापन कर सकें। इसके अलावा प्रणाली में ऐसे मतदाताओं की अलग पहचान और उनकी भागवार-जिलावार संख्या भी साझा करने की मांग की गई है।

जेएमएम ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि मान्यता प्राप्त दलों को प्रारूप मतदाता सूची से कम से कम 30 दिन पहले डेटा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। 'अनमैप्ड मतदाता सूची ', 'प्रस्तावित विलोपन सूची' और रीड-ओनली एक्सेस दिया जाए। पार्टी ने ष्टश्वह्र से इन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट समय-सारणी जारी करने की भी मांग की है और आग्रह किया है कि 15 दिनों में झामुमो द्वारा उठाए गए सवालों का समाधान करने की मांग की है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि चुनाव आयोग इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर समयबद्ध कार्रवाई करेगा।

झारखंड में एसआईआर 2025-26 की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही जेएमएम के इस पत्र ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और तकनीकी पहलुओं पर नई बहस छेड़ दी है। अब नजर इस बात पर है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी इन सवालों पर क्या रुख अपनाते हैं और क्या एलआईआर प्रक्रिया को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं।

बच्चियों ने सल्फास को चॉकलेट समझकर खाया एक की मौत

सड़क पर पड़ी थी सल्फास□ चारों ने बांट-बांटकर खायी□ तीन इलाजरत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां मासूम बच्चियों की अनजाने में हुई एक छोटी सी गलती ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। जानकारी के अनुसार, खैरा प्रखंड के गम्हरिया गांव में चार सहेलियों ने सड़क पर पड़ी सल्फास की गोली को चॉकलेट समझकर खा लिया। इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बताया गया कि शुक्रवार दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद चारों बच्चियां घास काटने के लिए गांव के बहियार की ओर गई थीं। सभी बच्चियां उत्क्रमित मध्य विद्यालय, गम्हरिया की छात्राएं हैं। बहियार के पास एक पुल पर बैठने के दौरान उनकी नजर सड़क पर पड़े एक कागज में लिपटे पदार्थ पर पड़ी। बच्चियों ने उसे चॉकलेट समझ लिया और आपस में बराबर-बराबर बांटकर खा लिया। कुछ देर बाद सभी बच्चियां अपने-अपने घर लौट गईं।

शाम होते-होते उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें लगातार उल्टियां होने लगीं। परिजनों ने जब इसकी वजह पूछी तो बच्चियों ने सड़क पर मिली वस्तु खाने की बात बताई। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिजन तत्काल सभी बच्चियों को इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल लेकर पहुंचे।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन एक बच्ची की हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

गंभीर रूप से बीमार बच्ची की पहचान महेश ठाकुर की 12 वर्षीय पुत्री संजना कुमारी के रूप में हुई। हालांकि, परिजन उसे पटना ले जाने के बजाय एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वहीं अन्य तीन बच्चियां भारती कुमारी, लवली कुमारी और शबनम कुमारी का इलाज जारी है। डॉक्टरों की निगरानी में उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, समय पर उपचार मिलने के कारण उनकी हालत में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

घटना के बाद पूरे गम्हरिया गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जहरीले पदार्थों के सुरक्षित निपटान, जागरूकता अभियान चलाने और बच्चों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

शराब तस्करों ने बदला अपना ट्रेंड

विदेश से पहुंची शराब की बड़ी खेप जब्त

पुलिस और उत्पाद विभाग की उड़ी नींद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद धंधेबाजों का नेटवर्क तेजी से पैर पसार रहा है। अब तस्करों का दायरा सिर्फ दूसरे राज्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे सीधे विदेशों से भी शराब की खेप मंगवाने से नहीं डर रहे हैं।

मुजफ्फरपुर में भूटान से तस्करी कर लाई गई विदेशी शराब की एक बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद पुलिस और उत्पाद विभाग की नींद उड़ गई है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह नया ट्रेंड एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है।

उत्पाद विभाग ने मुजफ्फरपुर में छापेमारी कर भूटान निर्मित शराब के 115 कार्टन जब्त किए हैं। शुरूआती जांच में यह खुलासा हुआ है कि धंधेबाज भूटान से चोरी-छिपे सीमा पार कर पहले पश्चिम बंगाल में दाखिल हुए थे।

इसके बाद किशनगंज, फारबिसगंज, पूर्णिया, मधुबनी और दरभंगा फोरलेन के रास्ते होते हुए इस बड़ी खेप को मुजफ्फरपुर लाकर स्टॉक किया गया था। जांच टीम अब उस गाड़ी और उसके मालिक की पहचान करने में जुटी है, जिसके जरिए इतनी लंबी दूरी तय कर शराब यहाँ पहुँचाई गई।

इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी के पीछे स्थानीय नेटवर्क का हाथ सामने आया है। मामले में अहियापुर थाना क्षेत्र के रहने वाले तीन कुख्यात धंधेबाजों–लखपत पासवान, सुशील झा और निखिल कुमार के नाम उजागर हुए हैं। शनिवार को जांच टीम ने इन फरार आरोपियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की, हालांकि फिलहाल तीनों पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है।

दिखा तेंदुआ, लोग डरे

घनी फसलों से रेस्क्यू में आ रही मुश्किलें

बीते 27 मई को भीड़ ने मारा था एक तेंदुआ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले के रूपौली प्रखंड अंतर्गत टीकापट्टी थाना क्षेत्र के चकला बहियार में तेंदुए का खौफ एक बार फिर गहरा गया है। बीते 26 मई से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। इससे पहले 27 मई को चकला मोड़ बहियार में एक तेंदुए को भीड़ द्वारा मार गिराया गया था, लेकिन अब इलाके में दूसरे तेंदुए की मौजूदगी की आशंका फिर से सामने आई है। नए पगमार्क मिलने के बाद यह साफ होता दिख रहा है कि इलाके में एक और तेंदुआ मौजूद हो सकता है।

तेंदुए के नए पंजों के निशान मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेंजर के नेतृत्व में टीम चकला बहियार पहुंची, जहां से वन्यजीव के ताजे पगमार्क बरामद किए गए हैं। इन निशानों के सैंपल लेकर जांच के लिए सुरक्षित रखे गए हैं।

तेंदुए की लोकेशन का पता लगाने के लिए आधुनिक ड्रोन कैमरों की मदद ली जा रही है। अलग-अलग दिशाओं में ड्रोन उड़ाकर लगातार इलाके की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही तेंदुए को पकड़ने के लिए संभावित जगहों पर पिंजरे भी लगाए गए हैं।

वन विभाग की टीम को सर्च ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चकला बहियार का क्षेत्र सैकड़ों एकड़ में फैला हुआ है, जहां इस समय बांसबाड़ी, केले के बागान और मक्के की घनी फसलें खड़ी हैं। इन घनी फसलों के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई है, जिससे तेंदुए को ढूंढना और भी चुनौतीपूर्ण बन गया है।

अपर मुख्य वन संरक्षक के निर्देश पर वन विभाग की टीम दर्जनों वनकर्मियों के साथ मौके पर लगातार कैंप कर रही है। रेंजर रामप्रवेश ठाकुर ने बताया कि टीम पूरी मुस्तैदी से सर्च ऑपरेशन चला रही है। उन्होंने बताया कि रात के समय लाउडस्पीकर से लगातार माइकिंग की जा रही है, जिसमें ग्रामीणों को अकेले बहियार की ओर न जाने और पूरी तरह सतर्क रहने की सख्त हिदायत दी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या जनहानि को रोका जा सके।

सीएम के संभावित आगमन को ले तैयारियां तेज

सिकटी। सीमांचल की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले सिकटी विधानसभा क्षेत्र में 2 जून को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सिकटी प्रखंड की मजरख पंचायत में आयोजित होने वाले जन सहयोग शिविर में भाग ले सकते हैं। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। जन सहयोग शिविर के आयोजन स्थल पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑर्केस्ट्रा की लड़कियों ने संचालक के घर पर किया बवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। बहादुरपुर थाना क्षेत्र के पंडसराय में ऑर्केस्ट्रा टीम में काम करने वाली लड़कियां एक युवक के घर पहुंच गईं और नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर गलत धंधा कराने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मामला इतना बढ़ गया कि सड़क पर दोनों पक्षों के लोगों के बीच घंटों तक हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा और भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची बहादुरपुर थाना पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया।

लड़कियों का आरोप है कि ऑर्केस्ट्रा संचालक लड़कियों का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देता है और गलत काम करने के लिए दबाव बनाता है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक राधेश्याम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामला तब और भड़क गया जब पुलिस वाहन के चालक द्वारा कथित रूप से युवतियों के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे जाने का आरोप लगा, जिसके बाद युवतियां और आक्रोशित हो गईं। काफी समझाने-बुझाने के बाद पुलिस वाहन को वहां से जाने दिया गया।

बताया जाता है कि बहेड़ी थाना क्षेत्र के भच्छी गांव निवासी कृष्ण कन्हैया उर्फ राधेश्याम पर आरोप लगाया गया है कि वह 28 मई की रात ऑर्केस्ट्रा में काम करने वाली एक लड़की को जबरन बहेड़ी के एक होटल में ले गया था। आरोप है कि उसके बाद से वह लड़की लापता है। लड़कियों का कहना है कि पूछताछ करने पर आरोपी यह नहीं बता रहा है कि लड़की कहां है और किस हालत में है। पीड़ित पक्ष की लड़कियां काफी खोजबीन के बाद पंडसराय मोहल्ले पहुंचीं और राधेश्याम से लड़की को वापस करने की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया।

हंगामे के दौरान बहादुरपुर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। इस दौरान लड़कियां पुलिस वाहन के सामने खड़ी हो गईं और अपनी साथी लड़की की बरामदगी की मांग करने लगीं। इस दौरान युवतियों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस भी हुई। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने आरोपी राधेश्याम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

वहीं कृष्ण कन्हैया कुमार उर्फ राधेश्याम ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने संबंधित युवती से विधिवत विवाह किया है। उन्होंने दावा किया कि वे किसी भी प्रकार का अवैध धंधा नहीं करते हैं, बल्कि प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने परिवार के साथ घर में रहते हैं, जहां उनकी पत्नी, भाई, भाभी और दो बच्चे भी रहते हैं।

इस संबंध में बहादुरपुर थानाध्यक्ष प्रसुंजय कुमार ने बताया कि मामला बहेड़ी थाना क्षेत्र से एक नाबालिग के कथित अपहरण से जुड़ा हुआ है। हंगामा कर रहे लोगों को संबंधित बहेड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह दी गई है, ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि नाबालिग की तलाश की जा रही है। जिस घर में आरोपी युवक के रहने की सूचना मिली थी, वहां छापेमारी भी की गई, लेकिन नाबालिग नहीं मिली। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद नाबालिग की बरामदगी के लिए आवश्यक कानूनी और पुलिस कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है और पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर नजर रख रही है।

सिविल मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में रेलवे क्रासिंग स्थायी रुप से बंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। शहर की लाइफलाइन और दक्षिणी इलाके को जोड़ने वाली ऐतिहासिक पूर्वी इटाढ़ी रोड रेलवे गुमटी 70बी रविवार को हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई।

रेलवे प्रशासन और सिविल मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में इस व्यस्त क्रासिंग को स्थाई रूप से बंद कर दिया गया। बंद होने के बाद पहली गाड़ी के रूप में अप में पटना वाराणसी मेमू तो डाउन में उधना-दानापुर एक्सप्रेस गुजरी।

बंद होने के साथ ही इस रास्ते से चार पहिया और भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे आने वाले दिनों में स्थानीय यातायात की सूरत पूरी तरह बदलने वाली है।घोषणा के मुताबिक क्रासिंग को बंद करने का समय सुबह 9 बजे निर्धारित किया गया था। हालांकि तकनीकी टीम और रेलवे के प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंचने में थोड़ी देरी हुई।

इसके बाद, सुबह लगभग 10 बजे अंतिम बार इस क्रासिंग का ड्रॉप गेट गिराया गया। लोगों के लिए यह सिर्फ एक रेलवे गेट नहीं बल्कि उनके दैनिक जीवन और शहर की यादों का एक बड़ा हिस्सा था।

पहले दिन सूचना के अभाव में कई वाहन चालक अनजाने में इस रास्ते पर आते रहे और फिर उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा।

विशेषकर बाहरी जिलों और ग्रामीण इलाकों से आने वाले बड़े वाहनों, ट्रकों और ट्रैक्टरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे गुमटी के पास अचानक बैरिकेडिंग देखकर चालकों में भ्रम की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों द्वारा समझाए जाने के बाद वाहनों को नवनिर्मित ओवरब्रिज की तरफ मोड़ना पड़ा।

अब शहर से दक्षिण दिशा इटाढ़ी, धनसोईं, दिनारा, सासाराम आदि की ओर जाने वाले सभी बड़े वाहनों को नए रूट और ओवरब्रिज का सहारा लेना होगा।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

दो पक्षों में तनाव, गांव में कैम्प कर रही पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। मानपुर थाना क्षेत्र के पेढ़का गांव में शनिवार की देर रात दो पक्षों के बीच हुए मारपीट में एक पक्ष के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं, दूसरे पक्ष के भी कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है और गांव में कैंप किया जा रहा है।

घायलों में राजकुमार तथा अनीता देवी ने बताया कि विवाद की शुरूआत गांव में स्थित लड्डू कुमार की गुमटी से हुई।

आरोप है कि दूसरे पक्ष के अरशद, असलम समेत कुछ युवक वहां पहुंचे और कोल्ड ड्रिंक लेने के बाद पैसे देने से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि शोर

दोनों पक्षों से कई लोग हुए घायल

सुनकर जब अन्य लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो दूसरे गुट के लोग लाठी-डंडे, लोहे की रॉड, साइकिल की चेन और अन्य हथियारों के साथ पहुंच गए तथा हमला कर दिया। आरोप यह भी है कि कुछ लोगों के पास कट्टा और पिस्तौल भी था तथा वे जान से मारने की धमकी दे रहे थे। घटना में घायल गौरा देवी, मंगल, लड्डू कुमार, राजकुमार, अनीता देवी और रिंकू देवी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद मंगल और लड्डू कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के घायलों का इलाज विभिन्न निजी अस्पतालों में कराए जाने की सूचना है।

दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले अखंड पूजा के दौरान रास्ते और गेट खोलने को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी।

बताया जाता है कि उसी विवाद की रंजिश में शनिवार को पहले कहासुनी हुई और शाम होते-होते मामला हिंसक संघर्ष में बदल गया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि शाम में कुछ युवक क्रिकेट खेलकर बैठे हुए थे, तभी उन पर हमला किया गया। घटना की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। सदर डीएसपी संकेत कुमार ने बताया कि दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई है, जिसमें दोनों ओर के लोग घायल हुए हैं। एहतियातन गांव में पुलिस बल की तैनाती की गई है मामले की जांच कर रही है।

महिला की चेन झपटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जंक्शन पर रविवार को दिनदहाड़े हुई चेन स्नैचिंग की घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्लेटफार्म संख्या-3 पर खड़ी दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के एसी कोच में घुसकर बदमाशों ने एक महिला यात्री के गले से करीब ढाई लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, खबड़ा निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका गीता कुमारी अपनी बेटी और पतोहू के साथ गर्मी की छुट्टियां बिताने दिल्ली जा रही थीं। वे 02563 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के बी-1 कोच में सवार थीं। उनके दामाद अभिषेक कुमार उन्हें ट्रेन में बैठाने जंक्शन पहुंचे थे। अभिषेक कुमार ने बताया कि ट्रेन करीब सवा दो घंटे की देरी से सुबह लगभग 11:30 बजे मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंची। इसी दौरान बैग लिए आठ से दस युवक अचानक बी-1 कोच में चढ़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोच में यात्रियों की भीड़ और अफरातफरी के बीच बदमाशों ने गीता कुमारी के गले से सोने की चेन झपट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी युवक एक-एक कर ट्रेन से उतरकर फरार हो गए।

सेवानिवृत्ति पर सम्मानित हुए ग्रामीण बैंक के कैशियर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय चट्टी के बिहार ग्रामीण बैंक रसूलपुर शाखा के कैशियर जवाहर सिंह, 40 वर्ष सेवा देने के बाद सेवा निवृत्त हुए। इस अवसर पर शनिवार की देरशाम आयोजित समारोह में कैशियर जवाहर सिंह और उनकी धर्मपत्नी शैल देवी को सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथियों में शामिल नितेश कुमार शाखा प्रबंधक बलिया कोठी, आशीष कुमार शाखा प्रबंधक बेनौत, अजीत कुमार अधिकारी बेनौत ने कहा कि 40 वर्षों तक अनवरत बैंक में कैशियर पद पर निष्ठा पूर्वक कार्य करना वास्तव में एक बैंक कर्मी के लिए बड़ी उपलब्धि है। मंच संचालन करते रसूलपुर शाखा के प्रभारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि श्री जवाहर जैसे एक अनुभवी कैशियर के साथ कार्य करना उनके लिए बेहद अविस्मरणीय रहा।बैंक के संविदा कर्मी अखिलेश यादव ने कहा कि मृदु भाषी श्री जवाहर की कार्यशैली हम सब के लिए प्रेरक रहेगा।बैंक के हर उपभोक्ता उनकी कर्तव्यनिष्ठा को लम्बे समय तक याद रखेंगे।वहीं अपने संबोधन में मांझी थाना के भजौना गांव निवासी जवाहर सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने करीब चालीस साल की सरकारी सेवा में हमेशा ही अपने उपभोक्ताओं की सुविधा का ख्याल रखा।इस लम्बे सेवकाल में उनकी उनकी धर्मपत्नी शैल देवी का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।उन्होंने कहा कि हर सरकारी सेवक को सेवा की भावना से अपने कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए।मौके पर बिमला देवी, देवी भारती,किरण देवी आदि जीविका दीदी भी उपस्थित रहीं ।

10 दिनों बाद भी अपहृत नाबालिग का सुराग नहीं

पिता ने सड़क पर लेटकर जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की के अपहरण मामले को लेकर रविवार को पीड़ित परिवार का गुस्सा फूट पड़ा। अपहरण के 10 दिन बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से नाराज पिता थाने के सामने बीच सड़क पर लेट गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों ने बच्ची की जल्द बरामदगी और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनकी नाबालिग बेटी का अपहरण हुए 10 दिन हो चुके हैं, लेकिन पुलिस अब तक उसे बरामद करने में विफल रही है। परिवार का कहना है कि लगातार शिकायत के बावजूद पुलिस की कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित है।

परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस बार-बार गुहार लगाने के बावजूद मामले में गंभीरता नहीं दिखा रही है। इसी कारण परिवार का धैर्य टूट गया और मजबूरी में वे थाने के सामने धरने पर बैठ गए। परिजनों का यह भी आरोप है कि उन्हें अब तक एफआईआर की कॉपी भी उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिससे उनकी नाराजगी और बढ़ गई है।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने भी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की। परिवार ने प्रशासन से अपील की है कि बच्ची को जल्द से जल्द बरामद किया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो।मुशहरी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में पहले ही प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस जांच में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि लड़की की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि लड़की कथित तौर पर प्रेम प्रसंग में गांव के ही एक युवक के साथ फरार हुई है।

मुगलकालीन भैंसासुर आहर का होगा कायाकल्प

अरवल। जिले के करपी प्रखंड में अवस्थित मुगलकालीन भैंसासुर आहर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार लघु सिंचाई विभाग के द्वारा आहर की उड़ाही की जाएगी। इसके लिए सर्वे का काम शुरू हो गया है। जिला के सबसे प्राचीन और बड़ा यह आहर अरवल और पटना जिले के 10 हजार हेक्टेयर में सिंचाई का मुख्य साधन है। रामपुर के 85 वर्षीय किसान अवधेश सिंह ने बताया कि यह मुगलकालीन भैंसासुर आहर का निर्माण 1621 ईस्वी में कराया गया था।

उसके बाद ब्रिटिश काल 1880 में इसका जीर्णोद्धार हुआ इसके बाद इसमें भदासी से आईयरा और रामपुर गांव आने के लिए बोट चलता था।

ब्रिटिश शासन में इसमें पानी की कमी नहीं हो इसके लिए आईयरा रजवाहा की समाप्ति इसी आहर में किया गया। इसके अलावा भदासी और रोहाई का नाला भी इसी में गिराया गया। यह आहर 8 हजार फिट लंबा और 4 हजार फिट चौड़ा है। सैकड़ों साल से उड़ाही नहीं होने से अब इसमें गर्मी के दिनों में पानी नही रहता हैं। किसान सत्येंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, सुनील सिंह ने बताया कि किसानों के सिंचाई करने के लिए इस आहर में एक दर्जन से अधिक सुलिस गेट हैं जिससे जिले के 30 गांव के किसान सिंचाई करते हैं।

प्रमोशन टूर से पहले संचिता बासु ने पटना में की गंगा आरती

सीजन-2 की सफलता के लिए मांगी दुआ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अपने आगामी प्रमोशनल टूर की शुरूआत से पहले अभिनेत्री संचिता बासु ने आध्यात्मिकता का सहारा लेते हुए पटना में गंगा आरती में भाग लिया और अपने नए प्रोजेक्ट की सफलता के लिए मां गंगा से आशीर्वाद लिया।

संचिता बासु ने पटना के प्रसिद्ध गंगा घाट पहुंचीं, जहां उन्होंने विधिवत रूप से गंगा आरती में हिस्सा लिया।उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट ठुकरा के मेरा प्यार सीजन-2 की सफलता और दर्शकों से बेहतर प्रतिक्रिया मिलने की कामना की।

उनका यह आध्यात्मिक अंदाज घाट पर मौजूद लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालुओं ने भी उनके साथ इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया और माहौल भक्तिमय बना रहा। वहीं सोशल मीडिया पर भी उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जहां प्रशंसक उनके इस कदम की सराहना कर रहे हैं।लोग इसे आस्था और परंपरा से जुड़ा सकारात्मक कदम बता रहे हैं।

गौरतलब है कि ठुकरा के मेरा प्यार सीजन-2 को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। ऐसे में प्रमोशनल टूर से पहले बासु का यह आध्यात्मिक अंदाज उनके प्रोजेक्ट के प्रति एक सकारात्मक माहौल बनाने वाला माना जा रहा है।

CMYK

बिहार में आज से शुरू होगा ऐतिहासिक 'खेत बचाओ अभियान'

वंचित किसानों को ऑन-स्पॉट मिलेगा केसीसी और पीएम-किसान जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा 1 जून 2026 को पूरे राज्य में महीने भर चलने वाले ऐतिहासिक 'खेत बचाओ अभियान' का भव्य शुभारंभ करेंगे। 30 जून तक चलने वाले इस राष्ट्रीय अभियान को बिहार के प्रत्येक गांव और पंचायत स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए कृषि विभाग ने अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली है। अभियान की पूर्व संध्या पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की दूरदर्शी सोच के अनुरूप, बिहार में इस अभियान को मात्र एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक जन आंदोलन बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य फोकस 'कम खाद, सही खाद और सही सलाह' के सिद्धांत को हर खेत तक पहुंचाना है जिससे रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को रोका जा सके और खेती की लागत में कमी आए। अभियान के दौरान राज्यभर में मिट्टी की जांच पर विशेष बल दिया जाएगा। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर ही संतुलित उर्वरक डालने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही हरी खाद, जैविक खेती और बायो-प्रोडक्ट्स के उपयोग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा। बदलते मौसम में 'सटीक सलाह': जलवायु परिवर्तन को देखते हुए कृषि वैज्ञानिक सीधे खेतों पर जाकर व्यावहारिक सलाह देंगे। कम पानी वाली फसलों, फसल विविधीकरण और जोखिम प्रबंधन के आधुनिक तरीकों की लाइव जानकारी दी जाएगी। पंचायत से राज्य स्तर तक व्यापक समन्वय स्थापित किया गया है। कृषि मंत्री ने सांसदों, विधायकों, मुखिया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से गांवों में चौपाल लगाकर इस अभियान को नेतृत्व प्रदान करने की अपील की है। अभियान के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-किसान सम्मान निधि से वंचित रह गए पात्र किसानों को जोड़ने, राष्ट्रीय दलहन-तिलहन मिशन और कृषि यंत्रीकरण (मशीनरी) योजनाओं का लाभ सीधे गांव के स्तर पर सुलभ कराया जाएगा। कृषि मंत्री श्री सिन्हा ने जानकारी दी कि बिहार के सभी जिलों के लिए विशेष टीमों का गठन पूरा हो चुका है। इनमें कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों के वैज्ञानिक और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं जिन जिलों या ब्लॉकों में रासायनिक खादों का उपयोग औसत से अधिक है, वहां के लिए विशेष 'बहुविषयक टीमें' 1 जून से ही मैदान में मोर्चा संभाल लेंगी। कृषि मंत्री ने कहा कि खेत सुरक्षित रहेगा, तभी हमारा किसान समृद्ध होगा और तभी बिहार आत्मनिर्भर बनेगा। 'खेत बचाओ अभियान' के जरिए हमारी सरकार 'प्रयोगशाला से खेत तक' के संकल्प को साकार करने जा रही है। मैं बिहार के सभी परिश्रमी किसान भाइयों-बहनों से आग्रह करता हूं कि वे कल से शुरू हो रहे इस अभियान से जुड़ें, वैज्ञानिकों की सलाह अपनाएं और खाद की लागत घटाएं।

दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों, विशेषकर राज्य के मेहनती पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों और डेयरी उद्योग से जुड़े किसानों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन, पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार है। अपने शुभकामना संदेश में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि दूध मानव स्वास्थ्य और संपूर्ण पोषण का मुख्य स्रोत है। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। संतुलित आहार के रूप में दूध और दुग्ध उत्पाद समाज को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने में अहम योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन आजीविका का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। राज्य के लाखों पशुपालक और किसान अपने परिश्रम से न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बिहार के विकास में ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों का योगदान अतुलनीय है और उनके अथक श्रम के कारण दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों के कल्याण, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तथा डेयरी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं के माध्यम से पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और किसानों की आय में भी वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि विश्व दुग्ध दिवस हमें दूध के पोषण महत्व के साथ-साथ पशुपालकों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के योगदान को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन हमें दुग्ध उत्पादन को आधुनिक तकनीकों, स्वच्छता और गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप विकसित करने की प्रेरणा भी देता है। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्वच्छ, सुरक्षित और उन्नत दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यदि हम गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन और उसके समुचित उपयोग को बढ़ावा देंगे, तो आने वाली पीढ़ी को कुपोषण से मुक्त कर एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकेगा।

जदयू के वरिष्ठ नेता अरविन्द मोहन के निधन पर मंत्री श्रवण कुमार ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

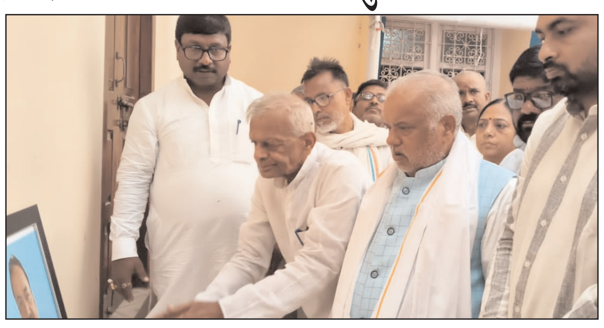

पटना। ग्रामीण विकास एवं सूचना-जनसंपर्क मंत्री तथा विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने खगड़िया नगर परिषद के सन्हौली निवासी, जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला प्रवक्ता स्वर्गीय अरविन्द मोहन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अरविन्द मोहन का निधन न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे खगड़िया जिले और जदयू परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मंत्री श्री कुमार ने स्वर्गीय अरविन्द मोहन के श्राद्ध कार्यक्रम में उनके सन्हौली स्थित आवास पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अरविन्द मोहन का सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान, उनके विचार तथा संगठन के प्रति उनकी निष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने कहा कि जदयू परिवार हमेशा उन्हें सम्मान और आदर के साथ याद करता रहेगा। श्री कुमार ने कहा कि अरविन्द मोहन का परिवार लंबे समय से समाजवादी विचारधारा से जुड़ा रहा है। उनके आवास पर समय-समय पर देश के कई प्रमुख समाजवादी नेताओं का आगमन होता रहा। उनका संबंध जननायक कर्पूरी ठाकुर, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, मधु लिमये तथा रामविलास पासवान जैसे दिग्गज नेताओं से पारिवारिक स्तर पर रहा था। उन्होंने कहा कि अरविन्द मोहन के निधन से खगड़िया ने एक सजग, कर्मठ और विचारशील जननेता को खो दिया है। वे सामाजिक न्याय, सुशासन, महिला सशक्तिकरण और विकास की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे।

एनटीपीसी बाढ़ में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बाढ़/पटना। एनटीपीसी बाढ़ में 16 मई से 31 मई 2026 तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा का सफलतापूर्वक समापन हुआ। पखवाड़े का शुभारंभ स्वच्छता शपथ एवं प्रभातफेरी के साथ किया गया था जिसमें कर्मचारियों, महिलाओं एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कर्मचारियों, टाउनशिप निवासियों, विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता से अनेक जन-जागरूकता एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें श्रमदान, स्वच्छता अभियान, जन-जागरूकता रैली, वेस्ट टू वेल्थ कार्यशाला, एकल उपयोग प्लास्टिक उन्मूलन अभियान, सामूहिक वृक्षारोपण, जल निकाय स्वच्छता अभियान, निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता, क्राफ्ट प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं प्रमुख रहीं। इसके अतिरिक्त प्लांट के विभिन्न विभागों, कार्यस्थलों एवं कार्यालय परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाए गए। इस दौरान कार्य क्षेत्रों, नियंत्रण कक्षों, कार्यालयों, स्टोरों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर सफाई एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियां संचालित की गईं जिससे स्वच्छ एवं सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा मिला। सी. सत्य राम कृष्ण, परियोजना प्रमुख (बाढ़) ने स्वच्छता को स्वस्थ एवं सतत जीवनशैली का आधार बताते हुए सभी कर्मचारियों एवं नागरिकों से स्वच्छता को व्यवहार का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। स्वच्छता शपथ एवं प्रभातफेरी के कार्यक्रम में हरेकृष्ण जेना, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) अजीत कुमार सिंह, महाप्रबंधक (अनुरक्षण एवं एडीएम) अरुण कुमार सिंह, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं ईंधन प्रबंधन) तथा सी. वी. एल. अनुराधा, अध्यक्षा, मंदाकिनी क्लब की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रमों ने प्रतिभागियों को स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा समाज में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया।

बिहार बोर्ड के पांच शीर्ष छात्र-छात्राएं रमण अवार्ड से सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रमण प्रकाश बंका आई पी एस स्मृति ट्रस्ट पटना के तत्वावधान में स्थानीय बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज पटना के साहु जैन हॉल में रमण अवार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अमित कुमार जैन, आई पी एस, अपर महानिदेशक, सीआईडी (डब्लू एस) और प्रोहिबिशन तथा नारकोटिक्स, पटना विशिष्ट अतिथि डॉ. जे पी.अग्रवाल, हृदय रोग विशेषज्ञ, गाजियाबाद, मनोज अग्रवाल, सेवानिवृत पुलिसमहानिदेशक, गुजरात, प्रेम कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष, बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, पटना, आनंद कुमार केडिया, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त, कमल कुमार नोपानी, भूतपूर्व उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, महेश जालान, भूतपूर्व अध्यक्ष बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने मंचासीन अतिथियों के सहयोग से शहीद रमण प्रकाश बंका के चित्र पर माल्यार्पण तथा श्रद्धा-सुमन अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंचासीन अतिथियों के अतिरिक्त सभा में उपस्थित चिकित्सक, अभियंतागण, अधिवक्तागण, सेवानिवृत एवं कार्यरत सरकारी पदाधिकारीगण, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तिगण, अध्यक्ष एवं स्थानीय और बाहर से आए रिश्तेदारों एवं ट्रस्टीगणों तथा राजीव नगर से आए अतिथियों ने शहीद रमण बंका को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष ओम प्रकाश बंका ने बताया कि ट्रस्ट का गठन शहीद रमण बंका की स्मृति में वर्ष 2014 में किया गया। वर्ष 2014 से लगातार प्रत्येक वर्ष मैट्रिक और इंटर में टॉपर को रमण अवार्ड से सम्मानित किया जाता रहा है। 2026 में सम्मानित किए गए छात्र - छात्राओं के साथ कुल छात्र - छात्राओं की संख्या 75 हो गई है। इनमें 46 छात्राएं हैं यानी 61.36 प्रतिशत छात्राएं हैं।

डिजिटल जन सेवा सम्मान का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। महान समाजसेवी स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं वेदांत संदेश से प्रेरित होकर समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सामाजिक संस्था नवीन डिजास्टर रेस्क्यू फाउंडेशन द्वारा दिल्ली में डिजिटल जन सेवा सम्मान का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार-सामाजिक कार्यकर्ता सुशील श्रीवास्तव ने बताया कि इस सम्मान का उद्देश्य समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि महान विभूतियों एवं समाजसेवियों के योगदान को स्मरण करते हुए इस आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक प्रमाण पत्र नहीं होगा, बल्कि समाजसेवा के प्रति समर्पण, निष्ठा और सेवा भावना का प्रतीक होगा। इससे देशभर के सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलेगी तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। संस्था ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह पहल सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारतीय संस्कृति का अनुपालन ही हिंदुत्व : डॉ अजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्री राम सनातन सेना द्वारा गुलजारबाग स्थित जुबली हॉल में सनातन सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ अजय प्रकाश ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति एवं संस्कार उच्चतम स्तर की रही है यह मनुष्यता सिखाती है, जीवन जीने की कला है। भारतीय संस्कृति में सोलह संस्कार का वर्णन है, परिवार एवं समाज के बीच सम्बंध कैसा होना चाहिए यह हमें अपने भारतीय संस्कार एवं संस्कृति में देखने को मिलता है। पवित्र ग्रंथ रामायण की ही बात की जाए तो जीने की अद्भुत कला का ज्ञान प्राप्त होता है कि भगवान श्रीराम ने तो मनुष्यता की मर्यादा में रहते हुए सुखी जीवन जीने का अद्भुत ज्ञान प्रदान किया है। श्री राम सनातन सेना के अध्यक्ष विशाल गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को सनातन धर्म के अनुरूप जीवन जीने के लिए आह्वान किया। इस सम्मेलन में कार्यकर्ताओं का सम्मान मोमेंटो प्रदान कर एवं श्रीराम दोशाला ओढ़ाकर कर किया गया, रामनवमी शोभायात्रा है शिवरात्रि शोभायात्रा आदि कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा की गई, समिति विस्तार भी किया गया। समारोह में मुख्य रूप से पूर्व वार्ड पार्षद प्रमोद गुप्ता, विनोद गुप्ता, चुन्नू चंद्रवंशी, मेयर प्रतिनिधि शिशिर कुमार, पार्षद प्रतिनिधि राजू गुप्ता ने संबोधित किया तथा विकास मौडीवाल, आलोक गोस्वामी, अजय गुप्ता सहित दर्जनों कार्यकर्ता का सहयोग सराहनीय रहा।

माता-पिता दिवस पर डॉ. प्रेम कुमार ने अभिभावकों को किया नमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने वैश्विक माता-पिता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों एवं सभी अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने माता-पिता के प्रति सम्मान, सेवा और कृतज्ञता की भावना को जीवन का महत्वपूर्ण मूल्य बताते हुए समाज में उनकी भूमिका को सर्वोपरि बताया। डॉ. प्रेम कुमार ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि माता-पिता समाज के संस्कार, त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ प्रेम के सर्वोच्च जीवंत स्तंभ हैं। उनके आदर्शों और जीवन मूल्यों के कारण ही एक स्वस्थ, सशक्त और सभ्य समाज का निर्माण संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं होते, बल्कि वे बच्चों के पहले शिक्षक, मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत भी होते हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए जीवन भर संघर्ष करते हैं और हर परिस्थिति में उनका मार्गदर्शन करते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी वे परिवार को संबल प्रदान करते हुए उसे एकजुट बनाए रखते हैं। उनके त्याग, परिश्रम और स्नेह का मूल्य किसी भी रूप में नहीं आंका जा सकता। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक माता-पिता दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह दिन हमें अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि हम अपने माता-पिता के लिए समय निकालें, उनकी भावनाओं का सम्मान करें और उनके प्रति सेवा एवं आदर का भाव बनाए रखें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गांवों में चलेगा स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक से पांच जून तक गांवों में स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली की जानकारी, नई नियमावली के अनुसार स्वच्छता गतिविधियों के प्रति जागरुकता, समुदाय आधारित सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ करने और ओडीएफ प्लस गांवों के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का काम होगा। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के 4 आर सिद्धांत (रिफ्यूज- इकार करना, रिड्यूस कम करना, रियूज- पुनः उपयोग और रिसाइकिल-पुनर्चक्रण) को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही धूसर जल प्रबंधन के लिए 3 आर सिद्धांत की अवधारणा को लेकर समुदाय को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समुदाय में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढावा देने, कचरा से धन, सामुदायिक स्वच्छता परिसंपत्तियों के संचालन एवं अनुरक्षण स्वच्छता के क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने का काम होगा। पहले जून से शुरू हुए इस अभियान का सभी जिलों में औपचारिक शुभारंभ होगा जो पांच जून 2026 तक संचालित होगा। इस अवधि में प्रतिदिन अलग-अलग बिन्दुओं को केन्द्रित कर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के पहले दिन ग्राम पंचायत एवं प्रमुख सहयोगी संस्थाओं का उन्मुखीकरण किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में सभी लोगों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली की जानकारी देने एवं जागरूक करने के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सबंधित विभागों, संस्थानों के पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधि, सहयोगी संस्थाएं शामिल होंगी। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा, ताकि ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, पंचायत सचिव, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं समुदाय के लोग एसडब्ल्यूएम रूल-2026 के प्रावधानों के प्रति जागरूक हो सके। अभियान के दूसरे दिन सामुदायिक परिसंपत्तियों का निरीक्षण एवं कार्यक्षमता आकलन के लिए कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों, सेग्रीगेशन शेड, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों, गोबरधन इकाइयों, घर-घर अपशिष्ट संग्रहण करने वाले वाहन, पैडल रिक्शा, ई-रिक्शा आदि का संयुक्त निरीक्षण होगा।

तीसरे दिन यानी 03 जून को बल्क वेस्ट जेनरेटर यानि अधिक मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले लोगों की पहचान के लिए अभियान चलेगा।

भर ले उड़ान का 10वां बिहार बिगेस्ट शो 13 जून को ए.एन. कॉलेज में

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बच्चों, युवाओं और महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से 'भर ले उड़ान' संस्था द्वारा आयोजित 10वें बिहार बिगेस्ट शो का ग्रैंड फिनाले 13 जून 2026 को ए.एन. कॉलेज, बोरिंग रोड स्थित सिन्हा ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगा जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। संस्था की सचिव स्वीटि पंडित ने बताया कि पिछले दस वर्षों से संस्था का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करना रहा है। इस वर्ष आयोजित कार्यक्रम में 4 वर्ष के बच्चों से लेकर कॉलेज छात्रों एवं महिलाओं तक को भागीदारी का अवसर दिया गया है।

देश में पहली बार एआरटी रजिस्ट्री रिपोर्टिंग का लाइव प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी बिहार चैप्टर एवं आईएफएस एसआईजी एम्ब्रियोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में पटना के होटल लेमन ट्री में आयोजित एआरटी एवं सरोगेसी मास्टरक्लास 2026 में देशभर के आईवीएफ विशेषज्ञों, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों, एम्ब्रियोलॉजिस्ट, काउंसलर्स एवं प्रजनन चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम को फिजिकल उपस्थिति के साथ-साथ जूम एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से हाइब्रिड स्वरूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता नेशनल एआरटी रजिस्ट्री रिपोर्टिंग का लाइव प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन रहा। प्रतिभागियों को एआरटी एवं सरोगेसी अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्टिंग प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजीकरण, अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं, डेटा सबमिशन तथा रिपोर्टिंग में होने वाली सामान्य त्रुटियों एवं उनके समाधान की विस्तृत जानकारी दी गई।

कभी बिहार के युवाओं की उम्मीद बना केवाइपी, अब खुद संकट में

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/वैशाली। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कुशल युवा कार्यक्रम, जिसने पिछले कई वर्षों में लाखों युवाओं को डिजिटल शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार की दिशा दिखाई आज खुद गंभीर संकट से गुजर रही है। राज्यभर के केवाईपी केंद्र संचालकों, शिक्षकों और छात्रों ने बिहार कौशल विकास मिशन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए योजना को बचाने की मांग की है। वर्ष 2016 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में '7 निश्चय' योजना के तहत शुरू किया गया केवाईपी बिहार के युवाओं के लिए एक बड़ी पहल माना गया था। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा, अंग्रेजी संवाद कौशल, सॉफ्ट स्किल एवं डिजिटल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना था। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक डिजिटल शिक्षा पहुंचाने में केवाईपी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम बिहार के 38 जिलों एवं 534 प्रखंडों में लगभग 1800 प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से संचालित है। केंद्र संचालकों का दावा है कि अब तक 25 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है जबकि प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 30 लाख से अधिक युवा इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। केवाईपी के जरिए हजारों युवाओं को निजी कंपनियों, बैंकिंग सेक्टर, डिजिटल सेवा केंद्रों एवं स्वरोजगार से जुड़ने का अवसर मिला। यही वजह रही कि 'आर्थिक हल, युवाओं को बल' कार्यक्रम के अंतर्गत केवाईपी को बिहार सरकार की सबसे सफल योजनाओं में गिना जाने लगा, लेकिन अब यही योजना अव्यवस्था और तकनीकी समस्याओं के कारण विवादों में है। केंद्र संचालकों का आरोप है कि बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा नॉलेज पार्टनर के रूप में स्कूलनेट इंडिया को जिम्मेदारी दिए जाने के बाद से केवाईपी की स्थिति लगातार खराब हुई है। संचालकों के अनुसार प्रशिक्षण समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है, ऑनलाइन पोर्टल में लगातार तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, परीक्षा नियमित रूप से नहीं हो रही, हजारों छात्रों का रिजल्ट लंबित है तथा बड़ी संख्या में युवाओं को अब तक प्रमाणपत्र नहीं मिल पाया है।

कांग्रेस पार्टी के वैचारिक क्रांति का सृजन बनेगा सर्वोदय संकल्प शिविर : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में दूसरे चरण के तीन दिवसीय 'सर्वोदय संकल्प शिविर' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि संगठन सृजन में सर्वोदय संकल्प शिविर से प्रशिक्षित कार्यकर्ता बेहतर तरीके से पार्टी के विचारधारा को आमजन तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस पार्टी की वैचारिक क्रांति का सृजन यह शिविर बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के गौरवशाली इतिहास का बोध जिस कार्यकर्ता को रहता है वो समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति हमेशा गंभीर रहते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि समानता और समर्पण के साथ एकजुट होकर देश के अंतिम पायदान के व्यक्ति को मुख्यधारा में जोड़ने की कवायद में आप सभी की मनोवैज्ञानिक सोच इस प्रशिक्षण से बेहतर हुई है।

संपादकीय

सीमा पार से सिर्फ घुसपैठ नहीं, भीतर तक फैलता सुरक्षा का खतरा

अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा।पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ और इससे जुड़ी आतंकवाद की समस्या ने भारत को किस स्तर तक नुकसान पहुंचाया है, यह छिपा नहीं है। हालांकि सीमा पर तैनात सुरक्षा बल के जवान अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं कि पाकिस्तानी ठिकानों से भारत में घुसपैठ करने वालों को रोकें, गिरफ्तार करें या फिर जरूरत पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। विडंबना यह है कि आज भी सीमा पर भारत को अक्सर घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है।इसकी एक बड़ी वजह सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के तार और निगरानी का तंत्र अपेक्षित स्तर पर मजबूत न होने को माना जाता रहा है। फिर सीमा पर स्थित रिहाइशी इलाकों में भी कई बार आतंकी सूत्रों से जुड़े लोगों की पहचान नहीं पाने के अपने जोखिम हैं। शायद यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज से सख्त नीति अपनाने को कहा है।गौरतलब है कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के आसपास के जिलों में सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में भारत और पाकिस्तान सीमा के आसपास चौतरफा सुरक्षा योजना के तहत कई अहम निर्देश दिए हैं। इसके मुताबिक, अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा।इस सख्ती की वजह मुख्य रूप से राजस्थान के सीमाई इलाके के जिलों में घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है। यह छिपा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है।खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकियों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल स्थानीयता का फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, बल्कि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, अवैध गतिविधियों और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त होते हैं।यह अकारण नहीं है कि आतंकवाद के खिलाफ चलने वाले अभियान के सामने अक्सर आंतरिक मोर्चों पर खड़ी जटिलताएं एक बड़ी चुनौती होती हैं। दरअसल, पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सीमावर्ती इलाकों में अपना नेटवर्क खड़ा करने के लिए स्थानीय आबादी में घुसपैठ करके अपनी जगह बनाने को एक ढांचे के रूप में विकसित किया है। इसके अलावा, वे कारोबारी प्रतिष्ठानों से संपर्क साध कर भी आतंकी संगठनों के वित्तपोषण का एक संजाल खड़ा करते हैं।पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को शह देने का मुद्दा कई बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी उठ चुका है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी और सख्ती के बावजूद सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा पाना अब तक संभव नहीं हो सका है।

हीट वेव की गिरफ्त में भारत-तपती धरती, तड़पता जीवन

(योगेश कुमार गोयल)

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है।

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है।

पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं।

बशीर बद्रः यादों के उजालों का आखिरी चराग बुझ गया

(प्रणय विक्रम सिंह)

कुछ लोग मरते नहीं, भाषा के भीतर बस जाते हैं। जब उनके इंतकाल की ख़बर आती है तो ऐसा नहीं लगता कि कोई शख्स चला गया है, बल्कि ऐसा महसूस होता है कि जिंदगी की किसी पुरानी गली का एक चराग़ बुझ गया है। वह गली, जहां कभी मोहब्बत धीरे-धीरे चलती थी, जहां रिश्ते आवाज़ नहीं देते थे, अहसास देते थे, और जहां दर्द भी तहज़ीब के साथ बयान किया जाता था।

बशीर बद्र साहब ऐसे ही शायर थे। उन्होंने उर्दू शायरी को महज अल्फ़ाज़ की ज़ीनत नहीं बनाया, बल्कि उसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी की धड़कनों से जोड़ दिया। उनकी शायरी में इश्क़ था, लेकिन सिर्फ़ आशिक़ी नहीं थी। उसमें बिछड़ना था, मगर शिकवा नहीं था। उसमें तन्हाई थी, लेकिन वह तन्हाई इंसान को तोड़ती नहीं, भीतर से और गहरा करती थी।आज जब बशीर बद्र साहब हमारे बीच नहीं हैं, तो उनकी याद सबसे पहले उनके ही एक शेर की शक्ल में आती है-

उजाले अपनी यादों के
हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में
ज़िंदगी की शाम हो जाए।

शायद उन्हें भी मालूम था कि एक दिन ऐसा आएगा जब उनका जिस्म तो इस दुनिया से रुख़्सत हो जाएगा, लेकिन उनकी यादों के उजाले करोड़ों दिलों में बचे रहेंगे। वे उजाले जो किसी उदास शाम में हमारे कंधे पर हाथ रख देते हैं। वे उजाले जो किसी तन्हा रात में हमें टूटने नहीं देते। वे उजाले जो बताते हैं कि मोहब्बत अभी पूरी तरह मरी नहीं है।

बशीर बद्र ने मोहब्बत को सबसे ज्यादा इंसानी बनाया। उन्होंने उसे फ़लसफ़ा नहीं बनाया, न इंक़लाब का नारा। उन्होंने उसे घरों, गलियों, रिश्तों और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में ढूंढा। शायद इसी लिए उनकी शायरी सीधे दिल तक पहुंचती है।

उन्होंने लिखा था
कोई हाथ भी न मिलाएगा
जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिज़ाज का शहर है,
ज़रा फ़ासले से मिला करो।

यह केवल एक शेर नहीं था। यह बदलते समाज की पूरी कहानी थी। वह समाज जहां रिश्ते बच रहे थे, लेकिन अपनापन धीरे-धीरे कम होता जा रहा था।

बशीर बद्र ने टूटते हुए संबंधों को भी बड़ी ख़ामोशी से दर्ज किया कि

अच्छा तुम्हारे शहर का दस्तूर हो गया
जिसको गले लगा लिया वो दूर हो गया।

कितने लोग हैं जिन्होंने यह शेर पढ़कर अपने किसी बिछड़े हुए दोस्त, किसी खोए हुए रिश्ते या किसी अधूरी मोहब्बत को याद नहीं किया होगा?उनकी सबसे बड़ी ताकत यही थी कि वे हमारे निजी दुःखों को सामूहिक स्मृति बना देते थे।वह जानते थे कि ज़िंदगी किसी सीधी सड़क का नाम नहीं है। इसलिए उन्होंने लिखा

अभी राह में कई मोड़ हैं,
कोई आएगा कोई जाएगा,
तुम्हें जिसने दिल से भुला दिया
उसे भूलने की दुआ करो।

यह शेर मोहब्बत से ज़्यादा जीवन का सबक है। स्वीकार का सबक। आगे बढ़ने का सबक।

बशीर बद्र की शायरी में इंसान हमेशा इंसान बना रहता है। फ़रिश्ता नहीं बनता। शायद इसलिए उनका यह शेर आज और भी ज़्यादा सच लगता है

इसीलिए तो यहां अब भी अजनबी हूं मैं,
तमाम लोग फ़रिश्ते हैं, आदमी हूं मैं।

उन्होंने इंसान की कमज़ोरियों को छुपाया नहीं। उन्हें स्वीकार किया। उन्हें कविता बना दिया।

और फिर एक दिन उन्होंने यह भी कहा

चराग़ों को आंखों में महफ़ूज़ रखना
बड़ी दूर तक रात ही रात होगी।

आज जब उनके इंतकाल की ख़बर आई है, तो यह शेर एक वसीयत जैसा लगता है। जैसे वे अपनी रवानगी से पहले हम सबको याद दिला रहे हों कि अंधेरों के समय में भी स्मृतियों के चराग़ बुझने नहीं चाहिए।

उनकी शायरी में नदी भी बोलती थी और वक़्त भी

अगर फ़ुर्सत मिले
पानी की तहरीरों को पढ़ लेना
हर इक दरिया
हज़ारों साल का अफ़्साना लिखता है।

और सच यही है कि बशीर बद्र ख़ुद भी एक दरिया थे। अनुभवों का, अहसासों का, यादों का। अब वह दरिया समुद्र में समा गया है, मगर उसकी रवानी बाकी है।

लेकिन वे यह भी जानते थे कि इस दुनिया में बड़े लोगों के साथ रहने से अक्सर छोटे आदमी का वजूद और उसकी सादगी मिट जाती है। इसलिए एक बहुत बड़े जीवन दर्शन को दरिया और समंदर के रूपक से समझाते हुए उन्होंने लिखा

?बड़े लोगों से मिलने में
हमेशा फ़ासला रखना
जहां दरिया समुंदर से मिला
दरिया नहीं रहता।

आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो उनके ही एक शेर में उनकी पूरी विरासत दिखाई देती है

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे।

किसानों के लिए कुछ भी कर जाते हैं पीएम मोदी

समुद्र में अटके खाद के 17 जहाज, हजारों किलोमीटर घुमा कर लाने की तैयारी

किसानों के हितों की रक्षा और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आनी चाहिए, इसलिए जरूरत पड़ने पर सरकार इसके लिए खजाना खोलने से भी पीछे नहीं हटती। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर खाद की आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ा है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि खरीफ और रबी मौसम में किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े।

(नीरज कुमार दुबे) ।

पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत आने वाले खाद से लदे 17 जहाज फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंस गए हैं। इन जहाजों के अटकने से देश में खाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक वैकल्पिक योजना पर काम शुरू किया है।

किसानों के हितों की रक्षा और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आनी चाहिए, इसलिए जरूरत पड़ने पर सरकार इसके लिए खजाना खोलने से भी पीछे नहीं हटती। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर खाद की आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ा है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि खरीफ और रबी मौसम में किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े। वैकल्पिक परिवहन मार्गों की तलाश, अतिरिक्त आयात, बढ़ती सब्सिडी का बोझ उठाने की तैयारी और सक्रिय कूटनीतिक प्रयास इस बात का प्रमाण हैं कि किसानों की जरूरतों को पूरा करना सरकार की सबसे बड़ी चिंता है।

रिपोर्टों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत आने वाले खाद से लदे 17 जहाज फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंस गए हैं। इन जहाजों के अटकने से देश में खाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक वैकल्पिक योजना पर काम शुरू किया है। इसके तहत संबंधित बंदरगाहों पर जहाजों के पहुंचने के बाद खाद को सड़क मार्ग से लगभग 1200 किलोमीटर दूर सऊदी अरब के यनबू बंदरगाह तक पहुंचाया जाएगा। वहां से इसे फिर समुद्री मार्ग के जरिए भारतीय बंदरगाहों तक लाने की योजना बनाई जा रही है। यद्यपि यह मार्ग लंबा है और इसमें अधिक समय लगेगा, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे सबसे व्यवहारिक विकल्प माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार खाद विभाग ने मंत्रियों के एक अनौपचारिक समूह को इस योजना की जानकारी दी है। अधिकारियों का मानना है कि जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होने के कारण सीधे मार्ग से आपूर्ति फिलहाल संभव नहीं है। देरी के कारण 60 से 70 दिनों तक अतिरिक्त समय लग सकता है, जिससे लागत भी बढ़ेगी। हालांकि सरकार का मानना है कि खरीफ मौसम के दौरान किसानों को खाद की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह अतिरिक्त प्रयास जरूरी है। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका असर रबी फसलों की बुआई पर भी पड़ सकता है।

इसी चुनौती से निपटने के लिए भारत ने खाद आयात की दिशा में भी बड़े कदम उठाए हैं। केंद्र सरकार ने 17 लाख टन यूरिया के आयात के लिए नया वैश्विक निविदा आमंत्रित किया है। सरकारी क्षेत्र की राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए अलग-अलग मात्रा में आयात प्रस्ताव मांगे हैं। इन खेपों को जुलाई के तीसरे सप्ताह तक रवाना करने की योजना बनाई गई है, ताकि धान, मक्का और सोयाबीन जैसी प्रमुख खरीफ फसलों की बुआई से पहले पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जा सके।

हम आपको बता दें कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा यूरिया आयातक देश है और ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया का संघर्ष प्राकृतिक गैस तथा अमोनिया जैसी प्रमुख कच्ची सामग्रियों की आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है, तब मोदी सरकार ने दूरदर्शिता का परिचय दिया है। इससे पहले अप्रैल में भी 25 लाख टन यूरिया आयात के लिए निविदा जारी की गई थी। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बाधित होने और कीमतों में वृद्धि के बावजूद सरकार लगातार अतिरिक्त खरीद और भंडारण की नीति पर काम कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर केवल आपूर्ति व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा दबाव केंद्र सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर भी पड़ रहा है। खाद विभाग के नवीनतम आकलन के अनुसार यदि मौजूदा वैश्विक कीमतें बनी रहती हैं तो चालू वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी का बोझ बढ़कर लगभग 3.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि इसके लिए बजट में केवल 1.7 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। युद्ध के बाद यूरिया की वैश्विक कीमतों में 120 प्रतिशत से अधिक, डीएपी में 38 प्रतिशत, सल्फर में 87 प्रतिशत और अमोनिया में 84 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। रुपये की कमजोरी के कारण लागत में अतिरिक्त बढ़ोतरी भी हुई है। भारत डीएपी, पोटाश और एनपीके जैसे प्रमुख उर्वरकों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में उथल-पुथल का सीधा असर देश पर पड़ता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार किसानों पर अतिरिक्त बोझ डालने के बजाय सब्सिडी के माध्यम से राहत देने की नीति पर कायम है। अधिकारियों का मानना है कि यदि तनाव लंबा चला तो जहाजों की सामान्य आवाजाही बहाल होने में दो से तीन महीने लग सकते हैं, जबकि तेल और गैस आपूर्ति पूरी तरह पटरी पर आने में और अधिक समय लग सकता है। ऐसे में सरकार एक ओर आपूर्ति बनाए रखने का प्रयास कर रही है तो दूसरी ओर बढ़ती लागत के बावजूद किसानों को राहत पहुंचाने के लिए अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाने की तैयारी भी कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि मोदी सरकार की कूटनीति भी इस संकट के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारत ने केवल खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर रहने के बजाय रूस, मिस्र, कतर, नाइजीरिया समेत कई देशों से खाद और उससे जुड़ी आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। सरकार दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों को बढ़ावा देने के साथ-साथ वैकल्पिक समुद्री मार्गों की भी तलाश कर रही है। इसका उद्देश्य भविष्य में किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक मजबूत बनाना है।

रिपोर्टों के मुताबिक, घरेलू उत्पादन को बनाए रखने के लिए भी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। खाद कारखानों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति को पहले के लगभग 70 से 75 प्रतिशत स्तर से बढ़ाकर करीब 90 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इससे उत्पादन क्षमता को बनाए रखने में मदद मिली है और घरेलू बाजार में खाद की उपलब्धता को स्थिर रखा जा सका है।

हालांकि वैश्विक बाजार में यूरिया की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के मॉडल स्कूलों में टीचर भर्ती का दूसरा मौका, फिर खुले आवेदन

पटना, एजेंसी। बिहार के मॉडल स्कूलों में शिक्षक भर्ती का दूसरा मौका मिलने वाला है। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए फिर से आवेदन खुल गए हैं। 13 जून तक चयनित अभ्यर्थियों की लिस्ट (मेरिट लिस्ट) जारी की जाएगी। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने राज्य के सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) में शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सज्जन आर की ओर से सभी जिलाधिकारियों को जारी लेटर में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न सरस्वती विद्या निकेतन विद्यालयों में उपलब्ध रिक्तियों के अनुरूप शिक्षकों का चयन अपेक्षित संख्या में नहीं हो सका है। ऐसे में रिक्त पदों को भरने के लिए फिर आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। शिक्षा विभाग के अनुसार, 27 मई 2026 को आदर्श विद्यालयों के संचालन की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अधिकांश विद्यालयों में निर्धारित रिक्तियों के मुकाबले पर्याप्त शिक्षकों का चयन नहीं हुआ है। सरकार ने इन विद्यालयों की स्थापना 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत 'उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य' एजेंडे के अंतर्गत की है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति आवश्यक मानी गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप चयन समिति को नए सिरे से चयन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। शिक्षा विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर चयन प्रक्रिया पूरी कर रिक्त पदों पर योग्य शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करें, ताकि आदर्श विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बिहार में जमीन विवाद के चलते हत्या, अपराधियों ने दिनदहाड़े सिर में सटाकर मारी गोली

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना से सटे फुलवारीशरीफ के नत्थूपुर से हत्या की खबर आई है। यहां के एक युवक की अपराधियों ने शनिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी है। युवक का शव बेउर थाना क्षेत्र के बाईपास किनारे स्थित निदान अस्पताल के पास संदिग्ध अवस्था में पाया गया जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान आनंद कुमार, पिता सतीश राय के रूप में हुई है। मृतक मूल रूप से नत्थूपुर का रहने वाला था, लेकिन वह पिछले कुछ समय से हरिणीचक इलाके में स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। यहीं पास में उसका शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने शनिवार करीब 11 बजे बाईपास किनारे शव पड़े होने की सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिजन शव को अपने साथ लेकर घर चले गए थे। बाद में पुलिस ने हरिणीचक स्थित ससुराल पहुंचकर शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एम्स पटना भेजा। शख्स के सिर के पिछले हिस्से में सटाकर गोली मारी गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही बेउर थाना अध्यक्ष और फुलवारी डीएसपी-1 सुशील कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। चचेरे भाई ने हत्या के पीछे जमीन विवाद को वजह बताया है। भाई का आरोप है कि शख्स का गोटिया पोटाली राय और राजू राय के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी रंजिश में आनंद कुमार की हत्या की गई है। परिजनों ने इस पूरे मामले में कुछ लोगों को नामजद करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में फुलवारी डीएसपी-1 सुशील कुमार ने बयान देते हुए बताया कि युवक के कान के पीछे सर में सटकर गोली मारने का निशान मिला है, पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। जल्द ही अपराधी गिरफ्त में होंगे।

पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन में यात्री की संदिग्ध मौत, दानापुर स्टेशन पर कोच से मिला शव

दानापुर, एजेंसी। पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन में एक यात्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। शनिवार को ट्रेन के दानापुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर एक कोच से यात्री का शव बरामद होने के बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। मृतक ट्रेन के भीतर बेल्ट के सहारे लटका हुआ मिला। फिलहाल राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) मामले की जांच में जुटी है। कोच में मिला संदिग्ध हालत में शव : प्राप्त जानकारी के अनुसार पुणे से दानापुर आ रही स्पेशल ट्रेन के सफर के दौरान सहयात्रियों को एक यात्री की गतिविधियां काफी देर तक दिखाई नहीं दीं। संदेह होने पर यात्रियों और रेलवे कर्मियों ने स्थिति की जांच की तो संबंधित यात्री को बेल्ट के सहारे लटका हुआ पाया गया। इसके बाद रेलवे अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई। ट्रेन के दानापुर स्टेशन पहुंचते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और कोच को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। स्न्रस्रुकी टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन सबूत जटाने के लिए काम शुरू कर दिया। दानापुर के जीआरपी थानाध्यक्ष अजय कुमार ने फोन पर बताया कि यह ट्रेन प्रयागराज में खाली हो जाती है। जिसके बाद कोई शख्स कोच के अंदर घुसकर दोनों तरफ से गेट लॉक करके आत्महत्या कर लिया।

पढ़ाई के साथ कमाई भी, अब छात्रों को डिग्री के साथ उद्योगों में

प्रशिक्षण और स्टाइपेंड का मिलेगा मौका

पटना, एजेंसी। बिहार के उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब राज्य के छात्र-छात्राओं को स्नातक की पढ़ाई के साथ-साथ उद्योगों, बैंकों और कॉर्पोरेट संस्थानों में काम सीखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ उन्हें स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद राज्य के विश्वविद्यालयों में चार वर्षीय अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। यह नई व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार की गई है और इसका उद्देश्य छात्रों को सिर्फ डिग्री तक सीमित रखने के बजाय उन्हें रोजगार के लिए व्यावहारिक रूप से तैयार करना है।

अब पढ़ाई के साथ कमाई का भी मौका: नई व्यवस्था के तहत छात्र स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही उद्योग जगत की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे। इससे कॉलेज से निकलने के बाद नौकरी के लिए अनुभव की कमी जैसी समस्या काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है। अब तक अधिकांश छात्रों को डिग्री पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश में अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ता था लेकिन नई व्यवस्था में पढ़ाई और प्रशिक्षण साथ-साथ चलेगा। इससे छात्रों को रोजगार बाजार की मांग के अनुसार कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

चार प्रमुख विश्वविद्यालयों में होगी शुरुआत: जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम इसी शैक्षणिक सत्र 2026-30 से लागू किया जाएगा। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद राजभवन की ओर से सभी विश्वविद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पहले चरण में राज्य के चार प्रमुख विश्वविद्यालयों पटना विश्वविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय और भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर में इस योजना को लागू किया जाएगा। इनमें शामिल विश्वविद्यालयों के चयन के साथ कई नए व्यावसायिक और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की शुरुआत भी की जाएगी।

एक वर्ष की अनिवार्य अप्रेंटिसशिप: इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि छात्रों को तीसरे वर्ष में पारंपरिक कक्षा आधारित पढ़ाई की बजाय एक वर्ष की अनिवार्य अप्रेंटिसशिप करनी होगी। इस दौरान उन्हें किसी उद्योग, बैंक, कॉर्पोरेट संस्थान या अन्य पंजीकृत संगठन में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम का हिस्सा माना जाएगा और इसके लिए अकादमिक क्रेडिट भी निर्धारित किए गए हैं। यानी छात्र जिस कार्यस्थल पर प्रशिक्षण लेंगे, उसका मूल्यांकन भी उनकी डिग्री का हिस्सा होगा।

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम: नई व्यवस्था के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में पहले तीन वर्षों तक सामान्य अध्ययन होगा, जबकि तीसरे वर्ष में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। इसके बाद निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर उन्हें स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं चार वर्ष का पूरा कार्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों को ऑनर्स या शोध आधारित ऑनर्स डिग्री भी मिल सकेगी। इससे उच्च शिक्षा और रोजगार दोनों क्षेत्रों में छात्रों को अतिरिक्त लाभ मिलने की संभावना है।

पाठ्यक्रमों को उद्योगों से जोड़ने की कोशिश: राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि आज के समय में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। उद्योग जगत ऐसे युवाओं की मांग कर रहा है जिनके पास कार्य का वास्तविक अनुभव भी हो। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को उद्योगों से जोड़ा गया है। इससे छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही कार्यस्थल की संस्कृति, प्रबंधन, संचार कौशल और तकनीकी दक्षता की जानकारी मिल सकेगी।

पहले चरण में वाणिज्य, विज्ञान और कला संकाय से जुड़े कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इनमें बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, बीमा, खुदरा प्रबंधन, ई-कॉमर्स संचालन, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, मीडिया एवं संचार तथा रचनात्मक लेखन जैसे विषय शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों को इस प्रकार तैयार किया गया है कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ सीधे रोजगार की दुनिया से जुड़ सकें।

नामांकन के दौरा विशेष प्रावधान: नामांकन प्रक्रिया में भी कुछ विशेष प्रावधान किए गए हैं। इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र इन पाठ्यक्रमों में आवेदन कर सकेंगे। अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए विषयगत योग्यता निर्धारित की जाएगी। प्रवेश मेरिट सूची और आरक्षण नीति के अनुसार किया जाएगा। इससे विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर मिलने की संभावना है।

प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपेंड मिलेगा: नई व्यवस्था में छात्रों को उद्योगों में प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपेंड भी मिलेगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को विशेष लाभ हो सकता है। कई छात्र उच्च शिक्षा के दौरान आर्थिक कारणों से पढ़ाई छोड़ देते हैं या अतिरिक्त काम करने के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में यदि पढ़ाई के साथ प्रशिक्षण और स्टाइपेंड दोनों मिलते हैं तो उनकी आर्थिक चुनौतियां कुछ हद तक कम हो सकती हैं।

10 सर्कुलर रोड खाली नहीं करेंगे', बोली राबड़ी देवी- फोर्स बुलाकर खाली कराएं

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना का 10 सर्कुलर रोड, यानी राबड़ी आवास को लेकर ठन गई है। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने साफ शब्दों में कहा कि वह आवास खाली नहीं करेंगी। रावड़ी देवी सरकार के फैसले के खिलाफ अपना गुस्सा दिखाते नजर आई हैं।

'10 सर्कुलर रोड खाली नहीं करेंगे' : राबड़ी देवी आज ही दिल्ली से पटना लौटी हैं। अपने पोते इराज लालू यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाने के लिए दिल्ली गई थी। वहां से लौटते ही उन्होंने कह दिया कि किसी भी हालत में 10 सर्कुलर रोड खाली नहीं करेंगे।

कई सालों से यहां रह रहा है लालू परिवार : दरअसल, पिछले लगभग 2 दशक से यह आवास बिहार की राजनीति का केन्द्र रहा है। यहीं से आरजेडी पार्टी का संचालन हुआ करता है। लालू परिवार का इस आवास से काफी लगाव भी है। ऐसे में 10 सर्कुलर रोड को राबड़ी देवी खाली नहीं करना चाह रही है।

पहले भी भेजी जा चुकी है नोटिस : 2025 में हुए विधानसभा चुनाव में आरजेडी की करारी हार हुई है। इसी बीच नीतीश कुमार ने सत्ता हस्तांतरण किया है, सम्राट चौधरी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाया गया है। बीजेपी को सत्ता मिलते ही राबड़ी आवास को खाली करने का आदेश जारी किया गया है।

पशुपालन विभाग के मंत्री नंदकिशोर राम के नाम से आवंटित : शुक्रवार यानी 29 मई को फिर से 10 सर्कुलर रोड का आदेश निर्गत किया गया है। सम्राट चौधरी की सरकार ने यह बंगला डेयरी मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग मंत्री नंदकिशोर राम के नाम पर अलॉट किया है। भवन निर्माण विभाग की ओर से यह आदेश निर्गत किया गया है।

पक्ष और विपक्ष आमने-सामने : सत्ता पक्ष और विपक्ष में आवास को लेकर ठन गई है। आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि बीजेपी के लोग सत्ता की हनक दिखा रहे हैं। वो भूल गए हैं कि इस आवास में बिहार के दो-दो पूर्व मुख्यमंत्री रह रहे हैं। यही नहीं राबड़ी देवी बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता भी हैं।

इधर, बीजेपी के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण का कहना है कि यह बदला हुआ बिहार है। 1995 से लेकर 2005 तक का बिहार नहीं है। बार-बार आवेदन दिया जा रहा है कि आवास को खाली कर दें। पता नहीं इन लोगों ने 10 सर्कुलर रोड में क्या छिपा के रखा है?

सोनपुर सैटेलाइट सिटी और ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट पर संकट, जमीन खरीद-बिक्री मामले में बिहार रेरा पर जुर्माना

सोनपुर, एजेंसी। सारण, सोनपुर और दरियापुर प्रखंड के हरदिया चंवर क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण और प्लाटिंग को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की कोलकाता बेंच ने बड़ी कार्रवाई की है।

सारण, सोनपुर और दरियापुर प्रखंड के हरदिया चंवर क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण और प्लाटिंग को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की कोलकाता बेंच ने बड़ी कार्रवाई की है। बिहार रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही रेरा सचिव को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद प्रस्तावित सोनपुर सैटेलाइट शहर और ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

यह मामला हरदिया चंवर की संरक्षित आर्द्र भूमि में अवैध निर्माण और जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है। एनजीटी ने वेटरन्स फोरम की याचिका पर सुनवाई करते हुए रेरा बिहार को अपने पूर्व आदेश का पालन नहीं करने पर फटकार लगाई। ट्रिब्यूनल ने रेरा को 21 बिल्डरों की सूची वादी को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है। वेटरन्स फोरम के सचिव डॉ। बीएनपी सिंह ने एनजीटी में याचिका दायर कर हरदिया चंवर क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन का मामला उठाया था। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र आर्द्र भूमि संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित है और यहां किसी प्रकार का निर्माण प्रतिबंधित है। वैज्ञानिक संस्था इसरो के सैटेलाइट चित्रों के आधार पर इस क्षेत्र की पहचान आर्द्र भूमि के रूप में की गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार आर्द्र भूमि भूजल स्तर को बनाए रखने और मिट्टी की गुणवत्ता बचाने में अहम भूमिका निभाती है। इन क्षेत्रों में जल पक्षियों, वनस्पतियों और कई जीवों का प्राकृतिक आवास होता है। वैज्ञानिक इन आर्द्र भूमियों को 'धरती की किडनी' भी कहते हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार हरदिया और आसपास की संरक्षित आर्द्र भूमि में बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग और निर्माण कार्य चल रहा है।

2 जून तक पटना में बंद रहेंगे 5वीं तक के स्कूल

संशोधित आदेश में आंगनबाड़ी केंद्र फैसले से बाहर

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना समेत जिलेभर में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। पटना जिलाधिकारी डॉ। त्यागराजन एसएम ने पहले जारी आदेश में संशोधन करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर नई व्यवस्था लागू की है।

2 जून तक 5वीं तक के स्कूल बंद : जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में प्री-स्कूल तथा वर्ग 5 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 2 जून 2026 तक पूर्ण प्रतिबंध जारी रहेगा। यह निर्णय भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए लिया गया है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

संशोधित आदेश में आंगनबाड़ी को राहत : हालांकि, संशोधित आदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों को राहत दी गई है। डीएम ने कहा है कि सबसे कमजोर आयु वर्ग यानी 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए पोषण संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्वाह्न 10 बजे तक संचालित करने की अनुमति दी गई है।

पोषण के लिए प्रशासन ने दी छूट : प्रशासन का मानना है कि छोटे बच्चों को पोषण आहार और अन्य आवश्यक सेवाएं नियमित रूप से मिलती रहें, इसलिए आंगनबाड़ी केंद्रों का सीमित समय तक संचालन जरूरी है। वहीं स्कूलों में पढ़ाई पर लगी रोक पहले की तरह प्रभावी रहेगी। यह संशोधित आदेश 29 मई 2026 को जिलाधिकारी डॉ। त्यागराजन एसएम के हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया है।

अत्यधिक तापमान बच्चों के लिए खतरनाक : जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि दोपहर के समय अत्यधिक तापमान बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को तेज धूप और गर्मी से बचाकर रखें तथा आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने दें।

24 साल देश सेवा और सर्वोच्च बलिदान

शहीद मनीष के घर पहुंचे मंत्री श्रवण कुमार

नालंदा, एजेंसी। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सह सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार एक दिवसीय दौरे पर अपने गृह क्षेत्र नालंदा पहुंचे। जहां वे सबसे पहले असम में तैनात शहीद जवान मनीष कुमार के घर एकंगरसराय थाना क्षेत्र के महुआबाग पहुंचे। वहां उन्होंने मृत सीआरपीएफ जवान के माता-पिता एवं भाई से मिलकर ढांढस बंधाया और सांत्वना दी।

शहीद जवान मनीष कुमार को दी श्रद्धांजलि: शहीद जवान को श्रद्धांजलि देते हुए मंत्री ने कहा कि आपके बेटे की कुर्बानी को कभी भुला नहीं जा सकता है। मनीष कुमार का मणिपुर के एक अस्पताल में ब्रेन हैमरेज से निधन हो गया था। देश सेवा में 24 साल समर्पित करने वाले इस वीर जवान के निधन से पूरा देश मर्माहत और गमगीन है।

'मनीष कुमार ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। यह हम लोग कभी नहीं चुका सकते, लेकिन पूरा देश और सरकार परिवार के साथ खड़ी है। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और सरकार परिजनों की हर संभव मदद करेगी।' -श्रवण कुमार, मंत्री, बिहार

वीर सैनिक इतिहास में हमेशा अमर रहते हैं: परिजनों को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां उनकी वीरता से प्रेरणा ले सकें, यही हमारी कोशिश होगी। वीर सैनिक कभी मरते नहीं हैं, वे हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। आपके बेटे का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

सम्मान के साथ अंतिम संस्कार: आपको बताते चलें कि शहीद सीआरपीएफ जवान मनीष कुमार साल 2002 में भर्ती हुए थे। वे मणिपुर के जिरीबाम-इम्फाल क्षेत्र में 87वीं बटालियन में तैनात थे। सीटीसी-5 के असिस्टेंट कमांडेंट नीरज कुमार और इंस्पेक्टर डी। के। सिंह, मनीष के शव को उनके पैतृक गांव महुआबाग तिरंगे में लपेटकर लाए थे। उनके पार्थिव शरीर का फतुहा में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक जवान अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चे छोड़ गए हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल है।

नाले में गिरे मासूम के परिवार को सहायता राशि: इसके बाद मंत्री श्रवण कुमार मुख्यालय बिहार शरीफ प्रखंड कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने स्कूल से लौटने के दौरान खुले नाले में गिरकर मृत हुए 7 वर्षीय मोहम्मद जैद के आश्रितों को 4 लाख रुपए का चेक सहायता राशि के रूप में प्रदान किया। इस दुखद हादसे को लेकर उन्होंने परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

अनिश्चितता के भंवर में बिहार बीजेपर के कई दिग्गज नेता,

संजय सरावगी की टीम में 38 में से 17 सवर्ण

पटना, एजेंसी। बिहार में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश इकाई की गठन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सबसे अधिक तवज्जो युवाओं को दी है। संजय सरावगी की टीम में 60% युवा चेहरे शामिल किए गए हैं। ज्यादातर पुराने चेहरे प्रदेश कमेटी से बाहर हो गए हैं। सवाल यह उठता है कि उनका क्या होगा जो प्रदेश में कई कमिटी में ताकतवर भूमिका में थे।

60% युवाओं को प्रदेश कमेटी में मिली जगह : बिहार में अगले तीन-चार साल तक कोई चुनाव नहीं है। इसलिए अभी से भाजपा संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने 37 पदाधिकारी की टीम का ऐलान किया है, जिसमें की 22 युवा चेहरे हैं। इस हिसाब से लगभग 60% युवाओं को संजय सरावगी ने अपनी टीम में जगह दी है।

'प्रयोग के तहत सबकुछ हो रहा' : वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक कौशलेंद्र प्रियदर्शी कहते हैं कि आने वाले कुछ सालों तक बिहार में चुनाव नहीं होना है। इस वजह से भाजपा संगठन को धार देना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी इन दिनों प्रयोग धर्मी भी दिख रही है। पार्टी के स्तर पर कई तरह के प्रयोग किया जा रहे हैं।

बिहार में 58% आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की : यहां यह बताना भी जरूरी है कि बिहार युवा आबादी वाला राज्य है। राजनीतिक दल भी इस बात को शिद्दत से समझते हैं। आंकड़ों की अगर बात करें तो बिहार की लगभग 58% आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है, जो इसे देश का सबसे युवा राज्य बनाती है। हालिया आंकड़ों और अनुमानों के अनुसार, राज्य में 15 से 59 वर्ष के कार्यशील आयु वर्ग की संख्या लगभग 7।23 करोड़ है।

''युवाओं पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भरोसा जताया है और तमाम युवा उनके भरोसे पर खड़े उतरेंगे। नई टीम से पार्टी के अंदर उर्जा का संचार हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष ने बेहद संतुलित टीम की घोषणा की है। हर क्षेत्र के आधार पर भी बैलेंस किया गया है। जहां तक पुराने नेताओं का सवाल है तो कोई भी नेता गुमनाम नहीं होते हैं सिर्फ उनकी भूमिका बदल जाती है।

अनिश्चितता के भंवर में बीजेपी के कई नेता : बिहार बीजेपी में संगठन के काम को करने की कला कम लोगों में है। पार्टी में कई ऐसे नेता थे जो संगठन की सूझबूझ रखते थे। उसी बिनाह पर उन्हें लगातार संगठन में उपाध्यक्ष या महामंत्री बनाया जा रहा था। इस बार संजय सरावगी ने वैसे नेताओं पर कम भरोसा जताया है। फेहरिस्त में सुशील चौधरी, राधा मोहन शर्मा, शिवनारायण महतो, जनक राम, देवेश कुमार, राजेंद्र सिंह और सिद्धार्थ शंभू सरीखे नेताओं का नाम शामिल है।

बिहार में मंदिर से लौटे युवक को जिंदा जलाने की कोशिश, मंगेतर समेत चार पर एफआईआर

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक युवक को उसकी मंगेतर के परिवार द्वारा कथित रूप से मिट्टी का तेल छिड़ककर जिंदा जलाने की कोशिश किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना में गंभीर रूप से झुलसे युवक का इलाज पटना में चल रहा है। वहीं पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मंगेतर समेत चार लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जख्मी युवक की पहचान आदित्य कुमार रावत के रूप में हुई है। पीड़ित के पिता द्वारा मुफस्सिल थाना में दिए गए लिखित आवेदन में बताया गया है कि उन्होंने अपने पुत्र आदित्य कुमार रावत की शादी मुफस्सिल थाना क्षेत्र में तय की थी। दोनों परिवारों के बीच विवाह की तैयारियां चल रही थीं।

आवेदन के अनुसार 27 मई को चार लोगों ने आदित्य कुमार रावत को थावे मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए बुलाया। पूजा संपन्न होने के बाद वे लोग युवक को अपने घर ले गए। आरोप है कि घर पहुंचने के बाद सभी आरोपियों ने मिलकर युवक पर मिट्टी का तेल छिड़क दिया और आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया।

पीड़ित के पिता ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वह तत्काल मौके पर पहुंचे।

नुकसान बना फायदा, भारत के एक्सपोर्ट में ट्विस्ट, गिरते रुपये में बाजी पलटने का दम देख रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर रुपये को अक्सर इकोनॉमिक स्ट्रेस यानी आर्थिक तनाव का संकेत माना जाता है। हालांकि, भारत के निर्यातकों के लिए यह अप्रत्याशित फायदे के तौर पर उभर सकता है। सरकार की ताजा आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई है। लेकिन, वित्त मंत्रालय ने आगाह किया है कि यह फायदा तभी मिलेगा जब ग्लोबल डिमांड मजबूत बनी रहे। साथ ही महंगाई को कंट्रोल में रखा जाए। मई महीने की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में आर्थिक मामलों के विभाग ने तर्क दिया कि रुपये की हालिया गिरावट को केवल करेंसी की कमजोरी के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। इसके बजाय, उसने कहा कि कई सालों तक विनिमय दर के

ज्यादा होने के बाद इस बदलाव ने भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'करेंसी की गिरावट को अंदरूनी कमजोरी के संकेत के तौर पर देखने की सोच समझ में आती है। लेकिन, इसकी बारीकी से जांच होनी चाहिए।' पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपया दबाव में आ गया है। इसके पीछे कई कारण हैं। इनमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का लगातार बाहर जाना और पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव शामिल है। समीक्षा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारत की मुद्रा में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद यह 4.9 प्रतिशत और कमजोर हो गई। 26 मई तक यह 95.7 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गई। फिर भी सरकार का तर्क है कि ज्यादा महत्वपूर्ण पैमाना नॉमिनल एक्सचेंज रेट नहीं, बल्कि रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट है। यह व्यापारिक साझेदारों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा का ट्रेड-वेटेड और इनफ्लेशन-एडजस्टेड पैमाना है। अप्रैल 2026 में भारत का था। यह एक दशक से भी ज्यादा समय में सबसे निचला स्तर था। 100 के मानक स्तर से यह काफी नीचे था। रिपोर्ट में बताया गया कि नवंबर 2024 में कई सालों के सबसे ऊंचे स्तर 108.03 पर पहुंच गया था। इससे हालिया सुधार से पहले वैश्विक बाजारों में भारतीय सामान कम प्रतिस्पर्धी हो गए थे। समीक्षा में कहा गया है, 'अब जब भारत का औसत से नीचे है तो भारतीय सामान और सेवाओं की कीमतें वास्तविक रूप से पिछले एक दशक में किसी भी समय की तुलना में ज्यादा प्रतिस्पर्धी हैं।'

कमजोर करेंसी को लेकर चेतावनी भी

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपये में 1 प्रतिशत की गिरावट से मध्यम अवधि में भारत के माल व्यापार (मर्चेंडाइज ट्रेड) संतुलन में 1.45 प्रतिशत का सुधार हो सकता है। हालांकि, समीक्षा में इस धारणा के प्रति भी आगाह किया गया है कि कमजोर करेंसी का मतलब अपने आप ही ज्यादा निर्यात होना है। इसमें कहा गया है, 'दूसरी शर्त ग्लोबल मांग है।

एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया

मुकेश अंबानी की रिलायंस को 46,078.30 करोड़ की चपत, दो सरकारी कंपनियों को फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पिछले हफ्ते ओवरऑल गिरावट रही। इस बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कुल 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया। इस गिरावट का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ।

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एसबीआई, लार्सन एंड टुब्रो और

एलआईसी का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया।

रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान: रिलायंस का मार्केट कैप 46,078.30 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 33,333.06 करोड़ रुपये घटकर 11,46,641.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत भी 25,408.96 करोड़ रुपये कम होकर 11,14,886.53 करोड़ रुपये पर आ गई। टीसीएस का मूल्यांकन 22,920.58 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये रहा।

इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,169.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,04,210.54 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन भी 7,253.24 करोड़ रुपये घटकर 5,63,262.33 करोड़ रुपये रह गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन भी 6,311.41 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 9,00,589.91 करोड़ रुपये रह गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में गिरावट इन कंपनियों का कुल 1.54 लाख करोड़ का मार्केट कैप स्वाहा रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा 46,078.30 करोड़ का नुकसान एसबीआई, एलआईसी और लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में तेजी नौ कंपनियों ने गंवाए 2.18 लाख करोड़ रुपये, पिछले हफ्ते केवल एक कंपनी को हुआ फायदा

एसबीआई और एलआईसी में उछाल

इस रुख के उलट लार्सन एंड टुब्रो की बाजार हैसियत पिछले सप्ताह 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,60,836.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 13,753.62 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 8,89,831.54 रुपये रहा। एलआईसी की बाजार हैसियत भी 6,040.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,20,484.06 करोड़ रुपये हो गई। इस उतार-चढ़ाव के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की

कच्चे तेल में गिरावट के बीच पेट्रोल-डीजल पर सरकार का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल, डीजल और एटीएफ यानी विमान ईंधन पर एक्पोर्ट ड्यूटी में कमी की गई है। यह व्यवस्था 1 जून से शुरू होगी और अगले 15 दिनों तक जारी रहेगी। पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है जबकि डीजल पर यह 13.5 रुपये और एटीएफ पर 9.5 रुपये प्रति लीटर होगी। सरकार हर 15 दिन में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी की समीक्षा करती है। कच्चे तेल की कीमत के आधार पर इसे तय किया जाता है। सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर 1.5 रुपये प्रति लीटर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी रहेगी और रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस लागू नहीं होगा। पहले यह 3 रुपये थी। इसी तरह डीजल के एक्सपोर्ट पर ᄍ्ᄐष्ठ प्रति लीटर 16.5 रुपये से घटाकर 13.5 रुपये और एटीएफ पर 16 रुपये से घटाकर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। सरकार ने साथ ही साफ किया है कि घरेलू बाजार में मौजूदा एक्साइज ड्यूटी के रेट्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

देश में पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स की शुरुआत की गई थी। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हुई है जिससे कीमतों में काफी तेजी आई। सरकार ने देश में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की उपलब्धता बनाए रखने के लिए 27 मार्च को एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी। विंडफॉल टैक्स से रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े प्राइवेट रिफाइनर्स प्रभावित होते हैं। रिलायंस बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थों का एक्सपोर्ट करती है। रिलायंस देश में डीजल और एटीएफ की बड़ी एक्सपोर्टर है। जामनगर में उसकी दो रिफाइनरीज में करीब 5 मिलियन टन एटीएफ का उत्पादन होता है जो देश के कुल उत्पादन का करीब एक चौथाई है। इसका एक बड़ा हिस्सा एक्सपोर्ट किया जाता है। साथ ही ओएनजीसी और ऑयल इंडिया भी फ्यूल प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट करती हैं।

कच्चे तेल की कीमत

इस बीच 6 मार्च के बाद शुक्रवार को पहली बार इंडियन ऑयल बास्केट की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई है। भारतीय रिफाइनर्स के लिए कच्चे तेल की कीमत शुक्रवार को 97.52 डॉलर प्रति बैरल रह गई जबकि बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 91.12 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

केंद्रीय वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ाई

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके फायदे की हो सकती है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब नई तारीख 15 जून 2026 होगी। यह उन लोगों के लिए राहत की बात है जो अब तक वेबसाइट के जरिए आठवें वेतन आयोग के सामने अपनी बात नहीं रख सके हैं। बता दें कि यह दूसरी बार है जब वेतन आयोग ने डेडलाइन बढ़ाई है। पहले आखिरी तारीख 31 मई तय साफ कर दिया है कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा। बंगाल के हितधारकों के साथ बैठक का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

यश बैंक से लेकर एसबीएफसी तक, 100 से कम के 3 शेयर करा सकते हैं कमाई, निवेशकों के लिए बड़ा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने बीते सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और आखिरकार मार्केट गिरावट के साथ बंद हुई। लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बिकवाली के दबाव के चलते प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे। शुक्रवार को निफ्टी 50 करीब 0.72 प्रतिशत गिरकर 23,547.75 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,775.74 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, बड़ी कंपनियों के शेयरों में दबाव देखने को मिला, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में निवेशकों की रुचि बनी रही। मिडकैप इंडेक्स 0.54 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह में भी बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुमीत बगाड़िया के अनुसार निफ्टी के चार्ट पर मंदी का संकेत देने वाला पैटर्न बन रहा है, जिससे निकट अवधि में दबाव बना रह सकता है। तकनीकी विश्लेषण के अनुसार निफ्टी के लिए 23,200 से 23,250 का स्तर महत्वपूर्ण सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि 23,750 से 23,800 के बीच मजबूत रेजिस्टेंस मौजूद है। वहीं, बैंक निफ्टी की बात करें तो इस इंडेक्स में भी कमजोरी देखने को मिली। शुक्रवार को बैंक निफ्टी 614 अंकों से ज्यादा टूटकर 54,239 के स्तर पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बैंक निफ्टी 53,900 से 54,000 के सपोर्ट जोन को बनाए रखने में सफल रहता है, तो रिकवरी संभव है, अन्यथा बाजार में और दबाव देखने को मिल सकता है।

ऐसे माहौल में सुमीत बगाड़िया ने सोमवार 1 जून 2026 के लिए 100 से कम कीमत वाले तीन शेयरों पर दांव लगाने की सलाह दी है। उनका मानना है कि इन शेयरों में तकनीकी रूप से तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं और निकट अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है। पहला शेयर यस बैंक है। बगाड़िया ने इस शेयर को 23.15 के स्तर पर खरीदने की सलाह दी है। उनका लक्ष्य 25 रखा गया है, जबकि जोखिम को सीमित रखने के लिए 22.25 का स्टॉप लॉस लगाने की सलाह दी गई है। बैंकिंग सेक्टर में सुधार की उम्मीद के बीच यह शेयर निवेशकों की नजर में बना हुआ है। दूसरा शेयर ढ्ढस्नष्टढ्ढ है। इस शेयर को 68.53 के स्तर पर खरीदने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह शेयर 75 तक जा सकता है। इसके लिए 65 का स्टॉप लॉस निर्धारित किया गया है। हाल के दिनों में इस शेयर में अच्छी ट्रेडिंग गतिविधि देखने को मिली है। तीसरा और आखिरी शेयर फाइनेंस है। यह शेयर 94.30 के आसपास खरीदने की सलाह दी गई है। एक्सपर्ट का मानना है कि निकट अवधि में यह 103 तक पहुंच सकता है। इसके लिए 89.80 का स्टॉप लॉस सुझाया गया है।

लाखों की कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर महिला चला रही ऑटो, फिर भी नहीं पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक महिला की स्टोरी सोशल मीडिया पर छाई हुई है। उन्होंने आईटी सेक्टर में लगभग एक दशक तक काम किया। अपना कॉर्पोरेट करियर छोड़कर अब वह ऑटो-रिक्शा चला रही हैं। उन्हें इसका जरा भी पछतावा नहीं है। उन्होंने कम तनावपूर्ण और ज्यादा संतोषजनक जिंदगी की तलाश में अपनी मर्जी से ऑटो-रिक्शा ड्राइवर बनने का फैसला किया है इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो के मुताबिक, यह महिला पहले नौ साल तक आईटी मैनेजर के तौर पर काम करती थी। लेकिन, उन्हें अपनी लाखों की नौकरी से जुड़े दबाव और काम के मुश्किल शेड्यूल से जूझना पड़ता था। काम और निजी जिंदगी के बीच बेहतर संतुलन बनाने के लिए महिला ने फैसला किया। कॉर्पोरेट जगत छोड़कर अपना खुद का ऑटो-रिक्शा चलाने का मन बनाया। मकसद था कि वह अपनी शर्तों पर काम कर सकें और अपना शेड्यूल खुद तय करें।

महिला ने बताया कि अब वह

हर महीने लगभग 60,000 रुपये कमाती हैं। अपने पिछले पेशे के मुकाबले अब वह कहीं ज्यादा खुश हैं। इस महिला के साथ हुई अपनी बातचीत को शेयर करते हुए इंस्टाग्राम यूजर डॉ. नेजरीन मिधलाज ने लिखाः 'आज, मैं एक महिला ऑटो ड्राइवर से मिली। वह आत्मविश्वास से भरी, अच्छे कपड़े पहने हुए और अपनी जिंदगी से पूरी तरह संतुष्ट थी। जब मैंने उससे पूछा कि पुरुषों के दबदबे वाले इस क्षेत्र में काम करना कैसा लगता है तो उसका जवाब मेरे दिल में बस गया।' उन्होंने आगे लिखाः 'उसने बताया कि वह नौ साल तक आईटी मैनेजर थी। उसने वह सब कुछ पीछे छोड़ दिया- दबाव, तनाव और लगातार बनी रहने वाली टेंशन। अब, वह अपना खुद का ऑटो चलाती है। वह हर महीने लगभग 60,000 रुपये कमाती है। सबसे जरूरी बात, उसने कहा कि वह खुश है।' महिला की कहानी से लोग प्रभावित

इस महिला की कहानी ने सोशल मीडिया के कई यूजर्स को प्रभावित किया। उन्होंने एक पारंपरिक करियर के रास्ते के बजाय मन की शांति को प्राथमिकता देने के उसके फैसले की तारीफ की। एक यूजर ने कमेंट किया- 'वह एक सादी और खुशहाल जिंगदी चाहती हैं।

कम उम्र में शादी और पति मिला शराबी, चंद पैसों से शुरू किया ऐसा काम कि आज 8,300 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मीरा कुलकर्णी उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल से हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत और अपने टैलेंट के बूते 8,300 करोड़ रुपये का आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड खड़ा किया है। इसका नाम 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' है। सिर्फ 2 लाख रुपये से मीरा ने इस कंपनी की शुरुआत की थी। आइए, यहां मीरा कुलकर्णी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मीरा कुलकर्णी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था जो परंपराओं और संस्कृति को बहुत महत्व देता था। उन्होंने कम उम्र में ही शादी कर ली थी। इस उम्मीद में कि उनकी जिंदगी खुशहाल होगी।

हालांकि, उनके पति का कारोबार लड़खड़ाने लगा। पति की शराब की लत ने स्थिति को बद से बदतर बना दिया। आखिरकार, मीरा ने अपने पति से तलाक लेने का कठिन फैसला लिया। अपने बच्चों को अकेले (सिंगल मदर के तौर) ही पालने का चुनाव किया। उन सालों को याद करते हुए मीरा कुलकर्णी ने एक बार कहा था, 'मुझे अपनी जिंदगी बिल्कुल नए सिरे से शुरू करनी पड़ी। जरा भी अंदाजा नहीं था कि भविष्य में क्या होने वाला है।'

मीरा की पढ़ाई-लिखाई की बात करें तो उन्होंने चेन्नई के 'स्टेला मैरिस कॉलेज' से फाइन आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया है। टिहरी गढ़वाल को भारत में आयुर्वेद का बड़ा केंद्र माना जाता है। ऐसे में वह

अपनी शुरुआती जिंदगी में ही आयुर्वेदिक लाइफस्टाइल से जुड़ गई थीं। आयुर्वेद में अपनी दिलचस्पी के चलते मीरा ने कई सालों तक वैद्यों और मॉडर्न बायोकेमिस्ट्स के साथ मिलकर कई तरह के प्रोडक्ट्स बनाने पर काम किया।

45 साल की उम्र में मीरा ने आयुर्वेद और नेचुरल ट्रीटमेंट के प्रति अपने प्रेम को कुछ ठोस रूप देने का फैसला किया। हाथ में सिर्फ 2 लाख रुपये की रकम लेकर उन्होंने साल 2000 में फॉरेस्ट एसेंशियल्स की नींव रखी। उनकी सोच एकदम साफ थी- ऐसे स्किनकेयर प्रोडक्ट तैयार करना जो आयुर्वेदिक परंपराओं पर आधारित हों। लेकिन, जिनकी पैकेजिंग मॉडर्न लक्जरी की तर्ज पर हो। मीरा ने बहुत छोटे स्तर से शुरुआत की। अपनी रसोई में ही हाथ से बने साबुन और तेलों के साथ प्रयोग किए। ये प्रोडक्ट बहुत जल्द ही उन ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो गए, जो प्रामाणिकता और गुणवत्ता को महत्व देते थे।

उनके लिए एक बड़ा मौका तब आया, जब 'हयात रीजेंसी' होटल ग्रुप ने अपने होटलों के लिए उन साबुनों का ऑर्डर दिया। साथ ही यह भी चाहा कि उनके कमरों में सिर्फ 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' के ही साबुन रखे जाएं। धीरे-धीरे, लेकिन लगातार कंपनी को बड़े होटल ग्रुप से ऑर्डर मिलने लगे। उनके दूसरे प्रोडक्ट्स की बिक्री भी तेजी से बढ़ने लगी। उस छोटी सी शुरुआत से कंपनी लगातार आगे बढ़ती गई। मीरा ने उत्पादों की शुद्धता, पारंपरिक फॉर्मूलों और आकर्षक प्रजेंटेशन पर खास ध्यान दिया। इसने भीड़-भाड़ वाले बाजार में उनके ब्रांड को एक अलग पहचान दिलाई। उनकी लगन और मेहनत तब रंग लाई जब कंपनी पर अंतरराष्ट्रीय लक्जरी ब्रांड एस्टे लॉडर की नजर पड़ी। इसने मीरा की कंपनी में माइनॉरिटी स्टेक खरीद ली।

अब हजारों करोड़ का साम्राज्य

आज, मीरा की कंपनी के भारत भर में 130 से भी ज्यादा स्टोर हैं। यह ब्रांड 120 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का एक्सपोर्ट करता है। इसकी प्रोडक्ट कैटेगरी में स्किनकेयर, हेयरकेयर, बॉडी केयर और वेलनेस से जुड़ी चीजें शामिल हैं। इन सभी को आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर ही तैयार किया जाता है। इस ब्रांड का सालाना रेवेन्यू लगभग 432 करोड़ रुपये है। इसका वैल्यूएशन बढ़कर 8,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मीरा की इस सफलता ने उन्हें भारत की सबसे अमीर महिला उद्यमियों में से एक बना दिया है। 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' भारत के ज्यादा बड़े और लग्जरी होटल ग्रुप्स की मुख्य सप्लायर भी है। इनमें मशहूर 'ताज ग्रुप ऑफ होटल्स' और 'द ओबेरॉय होटल्स' भी शामिल हैं। मीरा कुलकर्णी की निजी नेट वर्थ लगभग 1,290 करोड़ रुपये आंकी गई है। आंकड़ों से परे उनकी असली विरासत भारत में सुंदरता के पैमानों को नए सिरे से परिभाषित करने में है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि आयुर्वेद जैसी हमारी अपनी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां, अगर पूरी ईमानदारी और नएपन के साथ पेश की जाएं।

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड दे रही मुफ्त का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ने पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी इसी हफ्ते एक्स-बोनस ट्रेड कर रहने जा रही है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी की तरफ से 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। ट्रेंट लिमिटेड ने अपने पोजीशनल निवेशकों को 10 साल में 2285 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, कंपनी एक्स-डिविडेंड भी अगले 15 दिन के अंदर ट्रेड करने वाली है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में इस कंपनी ने बताया है कि 2 शेयर पर शेयर बोनस के तौर पर योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 4 जून 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें दो शेयर पर 1 शेयर का लाभ होगा। डिविडेंड भी दे रही है कंपनी इस कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। ट्रेंट लिमिटेड ने बताया है कि 1 शेयर पर योग्य निवेशकों को 6 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए भी रिकॉर्ड डेट घोषित है। कंपनी शेयर बाजारों में 12 जून को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन पिछले एक साल में कैसा: शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर ट्रेंट लिमिटेड के शेयर बीएसई में 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4230 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले तीन महीन के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.47 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। बता दें, एक साल में ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

शहीद चौक पर जल-जमाव से जूझ रहे लोग

लोग कोस रहे स्थानीय व्यवस्था को, हो रहे हलकान

हल्की बारिश ने खोली व्यवस्था की पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची में एक ओर भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, दूसरी ओर बड़े सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक भवनों में वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था तक नहीं है। हर साल मानसून में करोड़ों लीटर बारिश का पानी बहकर नालों और नदियों में चला जाता है, जबकि जल संकट से निपटने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को सबसे प्रभावी उपाय माना जाता है। इसके बावजूद कई प्रमुख सरकारी परिसरों में इसकी व्यवस्था नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जल संरक्षण की जिम्मेदारी कौन निभाएगा। रांची विश्वविद्यालय का शहीद चौक स्थित प्रशासनिक भवन इसका प्रमुख उदाहरण है। विश्वविद्यालय के विशाल परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। पर्याप्त खुली जगह होने के बावजूद बारिश का पानी सीधे बह जाता है। यदि यहां वैज्ञानिक तरीके से वर्षा जल संचयन की व्यवस्था विकसित की जाए तो भूजल स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। इसी तरह वन विभाग के भवन में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली नहीं है। पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने वाले विभाग के भवन में ही जल संरक्षण की व्यवस्था का अभाव कई सवाल खड़े करता है। जल संसाधन विभाग के जल भवन की स्थिति भी अलग नहीं है। जल प्रबंधन और संरक्षण की योजनाएं बनाने वाले विभाग के परिसर में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था नहीं होना विडंबना माना जा रहा है।

शैक्षणिक संस्थानों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। एसएस मेमोरियल कॉलेज सहित कई बड़े शिक्षण संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं है। वहीं दूसरी ओर शहर की सीवरेज और ड्रेनेज व्यवस्था की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है।

हाल में हुई हल्की बारिश ने ही व्यवस्था की पोल खोल दी। कई इलाकों में जलजमाव हो गया और नालियों की गंदगी सड़कों पर फैल गई। फ्लाईओवरों के नीचे भी सफाई के अभाव में गंदगी का अंबार दिखाई दिया। नगर निगम ने इस समस्या को लेकर बैठकें तो की हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सुधार नजर नहीं आ रहा है। जानकारी के अनुसार, शहर के सीवरेज और ड्रेनेज प्रोजेक्ट का जोन-1 कार्य 24 करोड़ रुपये की कमी के कारण अटका हुआ है। वहीं जोन-2, 3 और 4 की योजनाओं के लिए लगभग 4000 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, पांच पर प्राथमिकी

मुख्य आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका। फलका थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने, गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है।इस संबंध में पीड़िता की मां ने पांच लोगों के विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार बीते शुक्रवार की रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो रहे थे। देर रात पुत्री के कमरे से चिल्लाने की आवाज आई। मां जब कमरे में पहुंची, तो पुत्री ने बताया कि एक युवक ने कमरे में घुसकर उसके साथ गलत काम करने का प्रयास किया। खोजबीन करने पर आरोपी युवक दरवाजे के पीछे छिपा मिला। परिजनों और ग्रामीणों ने उसे

पकड़कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया।पीड़िता का आरोप है कि इस घटना के बाद आरोपी युवक के परिजनों ने उनके घर में घुसकर गाली-गलौज की।मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी।मामले में थानाध्यक्ष प्रहलाद यादव ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर पांच लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

सात जून तक कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। आद्रा रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे ने 1 से 7 जून के बीच ट्रेनों के परिचालन में बड़ा बदलाव किया है। इस दौरान विभिन्न तिथियों में 6 मेमू ट्रेनें पूरी तरह रद रहेंगी।

जबकि 4 जोड़ी ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही शॉर्ट टर्मिनेट (आंशिक समापन) और शॉर्ट ओरिजनेट किया जाएगा। इसके अलावा, टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस बदले हुए मार्ग से चलेगी।

रेलवे के इस फैसले का सीधा असर झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के हजारों यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने यात्रियों को सफर शुरू करने से पहले ट्रेनों की स्थिति जांचने की सलाह दी है।

विभिन्न तारीखों में निम्नलिखित मेमू पैसेंजर ट्रेनें पूरी तरह रद रहेंगी)

02, 03 और 06 जून को टाटानगर से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 18601 (टाटानगर - हटिया एक्सप्रेस) अपने नियमित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग चांडिल, गुंडाबिहार और मुरी होते हुए हटिया तक जाएगी। यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए रेलवे के आधिकारिक पूछताछ नंबर या वेबसाइट की मदद लेने की सलाह दी गई है।

गैस लीक से लगी आग, दो झुलसे

हाजीपुर। महिसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत महीपुरा गांव में खाना बनाने के दौरान गैस लीक होने से लगी आग में चौकीदार समेत दो व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया। आग लगने की सूचना पर आसपास के लोग एवं घर के लोग जुट गए।

स्थानीय लोगों की मदद से घर वालों ने आग बुझाया और दोनों झूलसे हुए व्यक्ति को आनन-फानन में इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिवार वालों के द्वारा बेहतर इलाज के लिए दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा दोनों घायलों का इलाज किया गया। घायल महीपुरा निवासी स्वर्गीय विष्णु पासवान के पुत्र सुरेश पासवान एवं स्थानीय संजय कुमार के पुत्र गुड्डू कुमार बताया गया।

सुरेश पासवान स्थानीय थाना में चौकीदार के पद पर तैनात है। घटना के संबंध में घायल चौकीदार ने बताया कि वह अपने घर में खुद खाना बना रहे थे, इसी दौरान गैस लीक हुआ और आग पकड़ लिया।

शिलान्यास के बाद भी सड़क का निर्माण नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बांका। कटोरिया प्रखंड के कटियारी पंचायत का लेटवा आदिवासी गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बदहाल स्थिति में जीवन जीने को मजबूर है। जिला के अधिकांश गांव जहां सड़क, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाओं से जुड़ चुके हैं, वहीं यह गांव विकास की मुख्यधारा से काफी पीछे छूट गया है। सूखे दिनों में भी गांव तक पहुंचना मुश्किल रहता है, जबकि बरसात में कच्ची सड़क दलदल में बदल जाती है।

इनारावरण चौक से रूपामरण चौक तक सड़क निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है। चुनाव पूर्व तत्कालीन विधायक निक्की हेंब्रम ने सड़क का शिलान्यास भी किया था, लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका।

इसका असर इनारा वरण, मझनिया, मुरली केन, जोरली कुरूम, बालूकुरा, रक्तरोहना, बेलटीकरी, कोठीडिंडा, माथासार और कैथावरण सहित कई गांवों पर पड़ रहा है।

गांव में पेयजल संकट भी गहरा गया है। नल-जल योजना शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद बंद हो गई। पाइप टूटे पड़े हैं और पानी टंकी निष्क्रिय है। वहीं, आंगनबाड़ी भवन नहीं बनने से बच्चों की पढ़ाई झोपड़ी में कराई जा रही है। ग्रामीणों ने जल्द विकास कार्य शुरू कराने की मांग की है।

शार्टकट रास्ता के चक्कर में परेशान हुई पुलिस

वायरल वीडियो पर मिल रही मिश्रित प्रतिक्रिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के गावां थाना क्षेत्र में शॉर्टकट रास्ता अपनाना पुलिस को भारी पड़ गया। जांच के लिए जा रही पुलिस की बोलेरो वाहन संकरी नदी में फंस गई। अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से वाहन तेज धार के बीच अटक गया। काफी मशक्कत के बाद जेसीबी बैकहो लोडर की मदद से वाहन को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार, 15 मई को हुई लूटकांड से जुड़े कुछ खाली बक्सों को चेरवा के लोहराडीह के पास संकरी नदी में फेंके जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस 112 नंबर की बोलेरो से मौके पर जा रही थी। इसी दौरान वाहन नदी पार करने लगा, तभी अचानक पानी बढ़ गया और गाड़ी बीच धारा में फंस गई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जयप्रकाश कुमार ने तत्काल जेसीबी मंगवाया। जेसीबी की सहायता से वाहन को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के दौरान किसी पुलिसकर्मी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटनास्थल तक पहुंचने के लिए सेरुआ गांव होकर सुरक्षित मार्ग उपलब्ध था, लेकिन जल्दबाजी में पुलिस ने शॉर्टकट रास्ता चुना, जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई।

शहर में सुबह भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित

लोगों को जाम से मिलेगी मुक्ति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। शहर में लगातार बढ़ते जाम और सड़क हादसों के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय के निर्देश पर अब प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक शहरी क्षेत्र में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। प्रशासन ने पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए यह नई व्यवस्था लागू की है। जिला प्रशासन के मुताबिक शहर में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण लगातार ट्रैफिक दबाव बढ़ रहा था। खासकर दिन के समय मुख्य सड़कों पर जाम और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। इसी को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है, ताकि आम लोगों को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा मिल सके।

वहीं जारी नए आदेश के तहत भारत माता चौक बाईपास मोड़, रसुलीगंज चौक, रेलवे ओवरब्रिज लेपो रोड मोड़, छड़वा गदोखर मोड़, सिंघानी मोड़, चानो रोड ओवरब्रिज, नगवां टोल प्लाजा बाईपास मोड़ तथा कटकमदाग थाना क्षेत्र के ग्राम बेंदी समेत आठ प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इन स्थानों पर पुलिस की विशेष निगरानी भी रहेगी।

घर-घर सत्यापन किया जायेगा वोटर लिस्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल एवं मीडिया के साथ बैठक कर बताया गया कि बीएलओ द्वारा 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर सत्यापन किया जाएगा। झारखंड एसआइआर की क्वालिफाइंग डेट एक अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन सात अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों एवं संबंधित पदाधिकारियों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि

कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, दावा एवं आपत्ति से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मतदाताओं की मैपिंग, अनमैप्ड मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने की प्रक्रिया तथा वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम खोजने से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। विभिन्न श्रेणी के मतदाताओं से संबंधित प्रावधानों की जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई। इस दौरान विशेष रूप से यह बताया गया कि योग्य मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर प्रक्रिया में शामिल कराने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट-2 प्रतिनियुक्त कर दें। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने मीडिया के माध्यम से आम जनता से अपील किया कि वे निर्वाचन संबंधी सेवाओं के लिए राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग करें। इसके जरिए लोग घर बैठे अपना नाम जांच सकते हैं और नए पंजीकरण या सुधार के लिए ऑनलाइन आवेदन (फार्म 6, 7 और 8) कर सकते हैं। किसी भी संशय की स्थिति में टोल-फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा। कदवा पुलिस ने थाना क्षेत्र के महम्मदपुर पंचायत अंतर्गत मेढ़ोल गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 80 लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।मामले की जानकारी देते हुए अपर थानाध्यक्ष धनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मेढोल में भारी मात्रा में शराब बेची जा रही है।सूचना के सत्यापन को गई पुलिस ने छापेमारी कर एक व्यक्ति को 80 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान तस्कर की पहचान वर्षा मरांडी के रुप में हुई।उन्होंने बताया कि शराब सहित तस्कर को थाना लाया गया।जहॉ उसके विरुद्ध मध निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बुजुर्ग को पिकअप ने रौंदा, लोगों ने किया जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। हेमजापुर थाना क्षेत्र के शिवकुंड निषाद टोला में रविवार सुबह सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही जान चली गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए मुंगेर-लखीसराय एनएच-80 को जाम कर दिया।

मृतक की पहचान शिवकुंड निषाद टोला निवासी लुखो सिंह (75) के रूप में हुई है। घटना के बाद स्वजन में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 5:30 बजे लुखो सिंह सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान लखीसराय की ओर से मुंगेर जा रही एक पिकअप ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने मुआवजा और दोषी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मुंगेर-लखीसराय राष्ट्रीय राजमार्ग-80 को जाम कर दिया। करीब 10 मिनट तक सड़क पर आवागमन बाधित रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई।

ग्रामीणों का कहना था कि सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के कारण अक्सर हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही हेमजापुर थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जिले के सभी पंचायतों में बनेंगे मुक्तिधाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। जिले के सभी पंचायतों में सुविधाओं से युक्त मुक्तिधाम का निर्माण होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम संस्कार की बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार के सात निश्चय योजना तीन के तहत पंचायतों में सुविधाओं से युक्त मुक्ति धाम निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में जिला पंचायती राज पदाधिकारी मनोज कुमार पवन ने बताया कि पंचायती राज विभाग ने पत्र जारी कर आधुनिक मुक्तिधाम बनाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया है। इसके लिए जिले के सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं।बता दें कि ग्रामीण इलाकों में व्यवस्थित श्मशान घाटों की कमी के कारण लोगों को खुले स्थानों पर या फिर नदी घाटों पर अंतिम संस्कार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए सरकार के सात निश्चय तीन में इस योजना को शामिल किया गया है।पंचायत स्तर पर बनने वाले शवदाह गृह में आवश्यकता अनुसार सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। यहां चबूतरा के साथ एक पूरे परिसर को सुव्यवस्थित किया जाएगा। अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों के बैठने के लिए बेंच और प्रतीक्षालय के साथ साथ बेहतर ड्रेनेज की व्यवस्था, बेहतर रास्ता, साफ-सफाई, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

पर्यावरण के अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी ताकि लोगों को अंतिम संस्कार के लिए सुरक्षित व सुविधाजनक स्थान मिल सके। योजना के कार्यान्वयन के लिए पंचायतों को भूमि चिह्नित की गई है।इस पहल से जहां प्रदूषण में कमी आएगी वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को भी मजबूती मिलेगी। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम संस्कार को गरिमापूर्ण, पर्यावरण के अनुकूल और आधुनिक बनाना है। यह योजना सबका सम्मान-जीवन आसान का हिस्सा है। जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि सरकार की सात निश्चय योजना तीन के पंचायतों में आधुनिक मुक्तिधाम श्मशान घाट बनाए जा रहे हैं। इन अत्याधुनिक केंद्रों में शेड, चारदीवारी, शौचालय, स्नानागार आदि सुविधाएं होगी। जिससे ग्रामीण इलाकों में अंतिम संस्कार के लिए बेहतर व्यवस्था मिल सके।

परियोजनाओं के लिए भूमि सर्वेक्षण का काम शुरू हो चुका है। जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में किसी की मृत्यु होने पर उसका दाह संस्कार पंचायत के अंतर्गत दाह संस्कार स्थल में किए जाने पर 24 घंटे के अंदर आवेदन देने पर मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने की व्यवस्था की गई है मृत्यु प्रमाण पत्र पंचायत में निधन होने वाले ही व्यक्ति को दिया जाएगा।

दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अलकडीहा। झरिया के जामाडोबा की रहने वाली एक नाबालिग की मां ने शनिवार शाम जोरापोखर थाना में शिकायत पत्र देकर मुहल्ले के एक युवक पर उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिकायत में महिला ने बताया कि 27 मई की रात मुहल्ले का रहने वाला सागर पासवान बाइक से उनके घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। उस समय वह अपनी दो पुत्रियों के साथ घर में मौजूद थीं। दरवाजा खोलते ही आरोपित ने उनकी नाबालिग पुत्री का हाथ पकड़ लिया और जबरन अपने साथ ले जाने लगा। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी दी।

महिला के अनुसार युवक उसकी पुत्री को जबरन अपने साथ ले गया। युवक ने नाबालिग को तीन नंबर क्वार्टर में ले जाकर उसके दुष्कर्म किया। उसके बाद पुत्री को लेकर हरियाणा भागने प्रयास किया। जानकारी मिलते ही आसपास के कुछ लोगों के साथ फुसबंगला में टेंपो से पुत्री को जबरन उतार कर अपने घर ले आए। घर आने के बाद पुत्री ने घटना की पूरी जानकारी दी।

डैम में प्रतिबंधित पशु के कटे सिर फेंकने के मामले में दो लोग धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। इटखोरी थाना क्षेत्र के बक्शा डैम में प्रतिबंधित पशु के तीन कटे हुए सिर फेंकने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज चंद घंटों के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान थाना क्षेत्र के पृथ्वीपुर गांव निवासी मोहम्मद इस्लाम और मोहम्मद इकराम के रूप में हुई है। पुलिस ने जब एक आरोपी के घर पर छापेमारी की तो वहाँ से एक फ्रिज बरामद हुआ। जिसके भीतर भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस छुपाकर रखा गया था।

पुलिस ने मांस सहित फ्रिज को जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों ने कुबूल किया है कि त्योहार के मौके पर प्रतिबंधित पशु की कुबार्नी दी गई थी। कुबार्नी की बात गांव में फैल जाने और पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से कटे हुए सिरों को बक्शा डैम में फेंक दिया था।

बता दें कि रविवार को बक्शा डैम में प्रतिबंधित पशु के सिर तैरते मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी और ग्रामीणों में

भारी आक्रोश देखा जा रहा था।

घटना से नाराज सैकड़ों ग्रामीणों ने नगवां चौक के पास इटखोरी-चतरा मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। जिससे वाहनों का आवागमन ठप हो गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए डीएसपी सुनील कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।

डीएसपी ने आक्रोशित ग्रामीणों को निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई का ठोस आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए और सड़क से जाम हटाया।

जाम हटने के तुरंत बाद एक्शन में आई पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर दोनों आरोपियों को धर-दबोचा। इस त्वरित गिरफ्तारी के बाद इलाके में तनाव कम हुआ है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

CMYK

मनु और सम्राट ने जीता रजत

विश्वकप में भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा

म्यूनिख, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा की जोड़ी ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन याओ कियानशुन और हू काई ने बेहद करीबी मुकाबले में मात्र 0.3 अंक के अंतर से हराया। इस रजत पदक के साथ भारत ने प्रतियोगिता का समापन दो स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ किया और पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

फाइनल में रोमांचक मुकाबला

फाइनल की शुरुआत भारतीय जोड़ी के लिए धीमी रही। पहले पांच-पांच शॉट्स की सीरीज के बाद भारत 100.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर था। सम्राट ने 51.0 और मनु ने 49.0 अंक बनाए। दूसरी सीरीज में मनु ने शानदार वापसी करते हुए 51.5 अंक जुटाए, जबकि सम्राट ने 49.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर पहुंच गई। तीसरी सीरीज के बाद भारत ने चीन से अंतर घटाकर सिर्फ 0.1 अंक कर दिया। मनु ने 51.8 और सम्राट ने 50.7 अंक का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहली एलिमिनेशन सीरीज के बाद भारतीय जोड़ी ने 2.2 अंकों की बढ़त बना ली थी। मनु ने 30.9 और सम्राट ने 30.5 अंक हासिल किए, जबकि चीनी जोड़ी दबाव में दिखाई दी।हालांकि, अगले चरण में सम्राट के 31.2 अंकों के बावजूद मनु के कुछ कमजोर शॉट्स के कारण चीन ने वापसी कर ली। 21वें शॉट के बाद भारत की 2.2 अंकों की बढ़त खत्म हो गई और चीनी जोड़ी 0.2 अंक आगे निकल गई। अंतिम सीरीज में मनु ने 10.6 का शानदार शॉट लगाया, लेकिन सम्राट केवल 8.8 अंक ही जुटा सके। इसके बाद चीन ने बढ़त बनाए रखी और भारतीय जोड़ी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की दूसरी जोड़ी शेन यीहाओ और बू शुआइहांग ने कांस्य पदक जीता।

क्वालिफिकेशन में दूसरी भारतीय जोड़ी 10वें स्थान पर

क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की दूसरी जोड़ी सुरुची सिंह और श्रवण कुमार 575-20× के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रही। सुरुची ने 291-11× और श्रवण ने 284-9× का स्कोर किया।दिन के पहले सत्र में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय जोड़ियां पदक दौर में जगह नहीं बना सकीं। एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता की जोड़ी 630.0 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रही। आर्या बोर्से और शाहू तुषार माने की जोड़ी 629.6 अंकों के साथ 16वें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में चीन के वांग जिफेई और शेंग लिहाओ ने स्वर्ण पदक जीता। नॉर्वे की जैनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हर्मन हेग ने रजत, जबकि चीन की हान जियायु और मा सिहान की जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

कोको गॉफ का अभियान समाप्त नाओमी ओसाका अगले दौर में

पेरिस, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की।

इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया।

फिर से जीत दर्ज की

इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (3), 5-7, 6-7 (4), 6-4, 7-6 (13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे।

चौथे राउंड में जगह बनाई

वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 (9) से पराजित किया।

अभय और चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश के अगले दौर में

बर्मिंघम। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से, जबकि विश्व में 44वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया। टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12, 4-7 से पीछे चल रहा था। महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिस्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गईं। गारास ने यह मैच 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीता।

1000वें वनडे में पाकिस्तान की जीत, ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया; मिन्हास का कमाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने शनिवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में 21 वर्षीय स्पिनर अराफात मिन्हास ने अपने वनडे डेब्यू को यादगार बनाते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की जीत के नायक बने। यह मुकाबला पाकिस्तान के वनडे इतिहास का 1000वां मैच भी था। इसके साथ ही पाकिस्तान भारत (1075) और ऑस्ट्रेलिया (1020) के बाद 1000 वनडे खेलने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया।

डेब्यू मैच में मिन्हास का ऐतिहासिक प्रदर्शन

बाएं हाथ के स्पिनर अराफात मिन्हास ने 32 रन देकर पांच विकेट लिए और वनडे डेब्यू में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए। स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मिन्हास को अबरार अहमद (2/44) और सलमान अली आगा (1/21) का भी अच्छा साथ मिला। उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 44.1 ओवर में 200 रन पर सिमट गई। मिन्हास ने मैच के बाद कहा, 'दबाव तो था, लेकिन मुझे ऐसे माहौल का आनंद लेना पसंद है। मेरा पूरा ध्यान इस मौके का भरपूर फायदा उठाने पर था।' टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मिन्हास ने कप्तान जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन और कैमरून ग्रीन को जल्दी आउट कर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल में डाल दिया। एक समय टीम 16वें ओवर में 68 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी।

बेबी बॉस पर फिदा हुए क्रिकेट के भगवान

15 वर्षीय युवा की जमकर तारीफ की

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वैभव में कुछ ऐसा है जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। सचिन का मानना है कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव खेल रहे हैं, वह वास्तव में खास है।आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और 237.31 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 72 छक्के लगाए और एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

वैभव की बल्लेबाजी ने किया प्रभावित

मुंबई में आयोजित क्रिकइन्फो ऑनर्स कार्यक्रम में सचिन ने वैभव की बल्लेबाजी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'हर कोई वैभव सूर्यवंशी की बात कर रहा है और मैंने उसकी बल्लेबाजी देखी। वह शानदार थी। मेरा मानना है कि वह सचमुच बहुत खास खिलाड़ी है।' सचिन ने कहा कि सिर्फ बड़े शॉट लगाने की क्षमता ही नहीं, बल्कि वैभव का रिस्ट वर्क भी उन्हें बेहद प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ गेंद को मारने की क्षमता ही नहीं, बल्कि उसका रिस्ट वर्क भी मुझे बहुत आकर्षित करता है। मैदान के हर हिस्से में शॉट खेलने के लिए रिस्ट वर्क का अच्छा होना जरूरी है।'सचिन ने कहा कि वैभव अंधाधुंध बल्लेबाजी नहीं करते, बल्कि गेंद की लाइन और लेंथ को दूसरों से पहले पढ़ लेते हैं। उन्होंने कहा, 'वह गेंद को सिर्फ ताकत से नहीं मार रहा है। वह बाकी खिलाड़ियों से पहले गेंद की लाइन और लेंथ समझ लेता है और इसलिए आसानी से छक्के लगाने में सफल होता है।'

सचिन ने दी सूर्यवंशी को खास सलाह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने युवा खिलाड़ी को सलाह देते हुए कहा कि उसे अपने स्वाभाविक खेल को नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं उसे यही कहूंगा कि वह जैसा है, वैसा ही बना रहे। टेस्ट क्रिकेट में उम्र और अनुभव के साथ वह चुनौतियों से निपटना सीख जाएगा। सबसे जरूरी है समाधान खोजने वाली सोच रखना।'सचिन ने आगे कहा, 'समस्याएं हमेशा रहेंगी। करियर की आखिरी गेंद तक रहेंगी। हर गेंदबाज हर गेंद पर सवाल पूछता है, लेकिन आपको उसका जवाब ढूंढना होता है।

टेस्ट क्रिकेट में देखने की उम्मीद

सचिन ने उम्मीद जताई कि भविष्य में वैभव भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट भी खेलेंगे। हालांकि उन्होंने प्रशंसकों और विशेषज्ञों से युवा खिलाड़ी पर ज्यादा दबाव नहीं बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, 'सिर्फ मैं ही नहीं, हर कोई उसे किसी न किसी समय टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। लेकिन ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन और समर्थन की जरूरत होती है। अगर वह अच्छा कर रहा है तो हमें उसका आनंद लेना चाहिए और लगातार उस पर दबाव नहीं बनाना चाहिए कि उसे इस टीम में चुना जाए या उस टीम में। यह फैसला चयनकर्ताओं पर छोड़ देना चाहिए।'यह पहली बार नहीं है जब सचिन ने वैभव की तारीफ की हो। इससे पहले भी उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में खेली गई 97 रन की विस्फोटक पारी के बाद उनकी बल्लेबाजी की सराहना की थी। सचिन ने तब सोशल मीडिया पर लिखा था, 'वैभव सूर्यवंशी का बैट स्विंग शानदार है। इससे भी ज्यादा प्रभावित करने वाली बात यह है कि वह पैरों की ओर आने वाली गेंदों के लिए जिस तरह जगह बनाते हैं, उससे उन्हें अपने शॉट खुलकर खेलने की आजादी मिलती है। वह पारी वास्तव में शानदार थी।'

नॉर्वे शतरंज में गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराया, दिव्या महिला वर्ग में शीर्ष पर पहुंचीं

ओस्लो, एजेंसी। ओस्लो में चल रहे नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के पांचवें दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद को हराकर अहम जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने जीत हासिल कर अंक तालिका में एकल बढ़त बना ली।

पांचवें दौर का सबसे चर्चित मुकाबला भारत के दो युवा ग्रैंडमास्टर्स गुकेश और प्रज्ञानंद के बीच खेला गया। मुकाबले के अधिकांश हिस्से में प्रज्ञानंद बेहतर स्थिति में नजर आए और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।हालांकि, अंतिम चरण में गुकेश ने मौके का फायदा उठाया। समय के दबाव और बढ़ते तनाव के बीच प्रज्ञानंद अपनी बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद गुकेश ने स्थिति पर पूरी पकड़ बना ली और जीत दर्ज करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला लंबे समय तक रणनीतिक लड़ाई के रूप में चला, लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वेस्ली सो ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्लासिकल मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।दूसरे क्लासिकल मुकाबले में टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा और विन्सेंट कीमर के बीच खेल ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए और अंक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया।

पेरिस सेंट जर्मेन ने लगातार दूसरी बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

पेरिस, एजेंसी। बुडापेस्ट के पुस्कास एरेना में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित क्लब खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर फाइनल में पहुंची आर्सेनल ने मुकाबले की तेज शुरुआत की। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड ने पीएसजी की क्लियरेंस को रोका, जिसके बाद काई हैवर्ट्ज़ गेंद लेकर आगे बढ़े और कठिन कोण से शानदार फिनिश करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

पहला गोल खाने के बावजूद पीएसजी दबाव में नहीं दिखा और उसने पहले हाफ के अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, गैब्रियल और विलियम सलीबा की अगुआई में आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उन्हें साफ मौके नहीं दिए। दूसरी ओर, आर्सेनल के पास बढ़त दोगुनी करने का अवसर भी आया, लेकिन मार्किन्होस ने अंतिम क्षणों में शानदार ब्लॉक कर हैवर्ट्ज को दूसरा गोल करने से रोक दिया।आर्सेनल पूरे टूर्नामेंट में मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करता आया था और खिताब जीतने के लिए उसे सिर्फ क्लीन शीट की जरूरत थी। लेकिन दूसरे हाफ में क्रिस्थियन मोस्केरा ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया को पेनल्टी क्षेत्र में गिरा दिया, जिसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। ओस्मान डेम्बेले ने स्पॉट किक पर डेविड राया को गलत दिशा में भेजते हुए गोल किया और पीएसजी को 1-1 की बराबरी दिला दी।

चौपारण को मिली विकास की बड़ी सौगात

सांसद-विधायक ने दस करोड़ की छह योजनाओं का किया शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रखंड में विकास कार्यों को नई रफ्तार देते हुए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने संयुक्त रूप से करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली छह महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास किया। विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में दोनों जनप्रतिनिधियों का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। शिलान्यास के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सांसद और विधायक की यह जोड़ी मिलकर चौपारण सहित पूरे क्षेत्र में विकास की गति को दोगुनी रफ्तार देने का काम करेगी। वहीं विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है और क्षेत्र की लंबित मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का प्रयास जारी है।

इन योजनाओं की रखी गई आधारशिला

शिलान्यास की गई योजनाओं में एनएच-2 स्थित कर्बला चौक से केवला होते हुए बेला तक 3 किलोमीटर सड़क सुदृढ़ीकरण, आईयो रोड स्थित गोपाल सिंह के घर से चक-बाराडीह होते हुए नगवां तक 2.5 किलोमीटर सड़क निर्माण, पीडब्ल्यूडी रोड हथिया से जामुनचक तक 2.5 किलोमीटर सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय चपरीकलां में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए चार अतिरिक्त कमरों का निर्माण तथा ग्राम दादपुर में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।

बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीण और जनप्रतिनिधि

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, सहदेव प्रसाद यादव, आशीष सिंह, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक, जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन, मुखिया संतोष सिंह, जानकी यादव, पूजा कुमारी, गंदौरी दांगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष रेवाशंकर साव, भाजपा नेता अरविंद सिन्हा, गजाधर प्रसाद, विकास यादव, देवल यादव, सुमन सिंह, रामचंद्र सिंह, समिति सदस्य विजय मधेसिया, जनमजेय सिंह, सतेंद्र सिंह, बबलू खान, नौशाद खान, विनोद साव, राजेंद्र भगत, कैलाश पांडेय, राकेश पांडेय, सियाराम सिंह, दिलीप सिंह, जितेंद्र सिंह और रामप्रसाद भुइयां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बड़की होरहोरी नदी पर बनेगा उच्च स्तरीय पुल

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बड़कागांव (हजारीबाग)। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के सिरमा पंचायत अंतर्गत चोरका और पड़रिया गांव के बीच शिव मंदिर के समीप बड़की होरहोरी नदी पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया। नारियल फोड़कर एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ निर्माण कार्य की शुरुआत की गई।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि यह पुल क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। पुल बनने से चोरका, पड़रिया समेत आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सहूलियत मिलेगी। विशेषकर बरसात के मौसम में नदी पार करने की समस्या से ग्रामीणों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। विधायक ने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहेगी। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि पूनम साव, आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य भोला महतो, संदीप कुशवाह, भाजपा प्रखंड महामंत्री नरसिंह प्रसाद, अवध किशोर कुमार, धर्मनाथ महतो, संजय विश्वकर्मा, महादेव साव, लालजी महतो, मुंशी महतो, गंगाधर लोहार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद थे। समारोह में ग्रामीणों ने पुल निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। जिले की पुलिस ने हत्या के एक मामले में दो लोगो को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ़्तारी लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा चटकम गाँव से की गयी है. दो हत्यारोपियों की गिरफ़्तारी की जानकारी एसपी अनुदीप सिंह ने दी। एसपी ने बताया कि सिमलौंग आउटपोस्ट की पुलिस को बीते 28 मई को यह सूचना मिली थी कि बड़ा चटकम गांव के निकट जंगल में एक सड़ा गला शव पड़ा है और मिली इसी सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ कांड संख्या 27/26 अंकित करते छानबीन शुरू की। शव की पहचान गोड्डा जिले के राजाभिटा गाँव के 35 वर्षीय सुनील पहाड़िया के रूप में की गयी। एसपी ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी में शामिल पुलिस अधिकारियो ने अनुसंधान शुरू किया. अनुसन्धान के क्रम में मिली सुचना पर जालिया पहाड़िया एवं धर्मा पहाड़िया को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। एसपी ने बताया कि पूछताछ में धराये दोनों ने बताया कि सुनील पहाड़िया ने एक महिला से अपशब्द का प्रयोग किया था और इसी को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ और विवाद इतना बढ़ गया कि सुनील की पत्थर से कुचकर कर हत्या कर शव को घने जंगल में फ़ेक दिया गया। एसपी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त पत्थर को भी जब्त किया गया और एफएसएल में भेज दिया गया है।

एक्शन : पुराना जेल के पीछे 45 अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के अभियान के तहत शनिवार को गिरिडीह नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुराना जेल के पीछे अवैध रूप से संचालित 45 दुकानों को ध्वस्त कर दिया। नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से दुकानों को हटाया और मलबा साफ करने का कार्य शुरू किया। मजिस्ट्रेट विनोद कुमार के नेतृत्व में नगर निगम की टीम सुबह करीब 10 बजे मौके पर पहुंची। कार्रवाई शुरू करने से पहले पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की गई, जिसके बाद एक-एक कर सभी चिन्हित दुकानों को तोड़ा गया। अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई दोपहर करीब 2 बजे तक चली अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर थाना और ट्रैफिक पुलिस के जवानों की तैनाती की गई थी। मौके पर सहायक नगर आयुक्त अशोक हांसदा, सिटी मैनेजर मंजूर आलम, वसीम फिरोज, अभिषेक कुमार, रवि कुमार, अर्जुन महथा, अमित कुमार, आकाश सिंह और शिवम कुमार सहित नगर निगम के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्रवाई के बाद प्रभावित दुकानदारों में नाराजगी और मायूसी देखी गई। कई दुकानदारों ने कहा कि वे वर्षों से यहां दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे और अब उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने नगर निगम से वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की वहीं नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। निगम ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चिन्हित अवैध अतिक्रमण के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी तथा लोगों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की गई है।

प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण को लेकर अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की बैठक

9 से 14 जून तक होगा प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक नगर के झंडा मैदान के निकट स्थित विवाह भवन में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के प्रांत मंत्री रविशंकर पांडे तथा धनबाद विभाग अध्यक्ष रितेश पांडे उपस्थित रहे। बैठक में आगामी वीर हिन्दू विजेता हिन्दू राष्ट्रीय बजरंग दल प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जानकारी दी गई कि यह प्रशिक्षण वर्ग झारखंड के दुमका में 9 जून से 14 जून तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में गिरिडीह जिले से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर रणनीति बनाई गई। इस अवसर पर संगठन के विस्तार के तहत कुछ महत्वपूर्ण दायित्वों की घोषणा भी की गई। अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के नगर अध्यक्ष पद पर विकास गुप्ता तथा ओजस्विनी नगर उपाध्यक्ष पद पर पलक सिन्हा को मनोनीत किया गया बैठक में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिला महामंत्री पंकज पांडेय, जिला कार्यकारी अध्यक्ष विजयमल पांडे, जिला मंत्री कुंदन केसरी, राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष गौरव कुमार अंशु, उपाध्यक्ष सुजीत सिंह, मंत्री शुभम झा, राष्ट्रीय महिला परिषद की जिला अध्यक्ष पूनम सिन्हा, हिन्दू हेल्पलाइन के जिला अध्यक्ष रामबाबू गुप्ता, श्री परिवार के अध्यक्ष रौनक मिश्रा सहित ओजस्विनी नगर की खुशी चंद्रवंशी, कोमल चंद्रवंशी, रिनी चंद्रवंशी एवं पावनी चंद्रवंशी समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झालसा, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह के आदेशानुसार एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह (प्रभार) के नेतृत्व में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा आमजनों को तंबाकू एवं धूम्रपान से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों द्वारा वर्ष 1987 में पारित प्रस्ताव के आधार पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। वर्तमान में प्रत्येक वर्ष 31 मई को यह दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू सेवन से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी हानियों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा इसके उपयोग को कम करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। जागरूकता कार्यक्रम में तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, धूम्रपान एवं तंबाकू सेवन से होने वाले रोगों, विशेष रूप से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों में मुंह के कैंसर का खतरा सामान्य लोगों की तुलना में कई गुना अधिक होता है। तंबाकू में ऐसे अनेक हानिकारक तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को तंबाकू एवं धूम्रपान से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के सभी सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न विधिक सहायता केंद्रों में भी तंबाकू निषेध एवं धूम्रपान विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जमालपुर वर्कशॉप में आज होगा जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमालपुर (मुंगेर)। तंबाकू सेवन के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कारखाना जमालपुर में सोमवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस (वर्ल्ड नो टोबैको डे) के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें जागरूकता शिविर, नुक्कड़ नाटक, स्वास्थ्य परामर्श, सांस्कृतिक प्रस्तुति तथा जनजागरण अभियान आयोजित किए जाएंगे। इधर, वर्ल्ड नो टोबैको डे सह जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्व रेलवे कोलकाता के एसीएमडी डॉ. पीएस. मित्रा रविवार को जमालपुर पहुंच गए। उनके आगमन पर एसीएमएस डॉ. जेके प्रसाद और डॉ. देवेंदू दास सहित अन्य ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। पूर्व रेलवे अस्पताल जमालपुर के एसीएमएस डॉ. जेके प्रसाद ने बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस प्रत्येक वर्ष 31 मई को मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष 31 मई रविवार होने और कारखाना बंद रहने के कारण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तंबाकू और धूम्रपान से होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि जागरूकता शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर, हृदय रोग, फ़ेफड़ों की बीमारी, श्वसन संबंधी समस्याओं और अन्य घातक रोगों की विस्तृत जानकारी देंगे। साथ ही लोगों को तंबाकू की लत छोड़ने के उपाय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

डॉ. सुनील कुमार बर्णवाल के नेतृत्व में भारत ने हासिल की बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य उपलब्धि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद के पूर्व छात्र डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यरत डॉ. बर्नवाल के नेतृत्व में देश में आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) की संख्या 90 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है।

यह उपलब्धि भारत को दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल और इंटरऑपरेबल स्वास्थ्य तंत्रों में से एक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। एबीएचए के माध्यम से नागरिकों को एक विशिष्ट डिजिटल हेल्थ आईडी मिलती है, जिसके जरिए वे अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सुरक्षित तरीके से संग्रहीत और साझा कर सकते हैं।

इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए पैन आईआईटी एलुमनाई इंडिया के महासचिव, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद एलुमनाई एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तथा मार्श इंडिया के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर अशोक कुमार ने कहा कि यह उदाहरण दिखाता है कि तकनीक और सार्वजनिक नीति मिलकर किस तरह राष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों का समाधान कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर के बाद एबीएचए भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की अगली बड़ी सफलता है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की सुविधा से मरीजों को बेहतर उपचार मिलेगा, अनावश्यक जांचों में कमी आएगी और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी।

अशोक कुमार ने कहा कि डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल जैसे आईआईटी (आईएसएम) के पूर्व छात्र देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं और उनकी यह उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता है। संस्थान को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारत का डिजिटल स्वास्थ्य मिशन आने वाले वर्षों में और अधिक प्रभावशाली परिणाम देगा तथा करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सड़क निर्माण को लेकर शहरवासियों ने किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमालपुर (मुंगेर)। नगर परिषद क्षेत्र के नया टोला केशोपुर जहांगीरा वार्ड नंबर 35 में सड़क निर्माण अधिकारियों की मनमानी के कारण 3 महीने से आधार में लटके होने के कारण शहर वासियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया है। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता मनीष मंडल ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य विगत 3 महीने से अधिक हो जाने के उपरांत भी अधिकारियों की मनमानी और समस्या को जल्द नहीं निबटाने कि प्रवृत्ति के कारण अधर में लटका हुआ है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह दलित बस्ती में सड़क निर्माण कार्य हो रहा है इसलिए अधिकारियों ने जान बुझ कर जाँच के नाम पर अभी तक लटका रखा हैं। श्री मंडल नहीं अभी बताया कि उपरोक्त सड़क इस क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि सड़क का इस्तेमाल विद्यार्थी हो या कामकाजी लोग या फिर रेल कर्मी ज्यादा करते हैं। सड़क निर्माण अधूरा एवं इस लाल मिट्टी गेरुआ बिछाए जाने से उड़ने वाले धूल कण से राजगीर सहित आसपास के घर के लोग परेशान हैं। यहां तक की सुबह शाम बुजुर्ग एवं महिला अब इस रोड का इस्तेमाल करने से भी परहेज कर रहे हैं क्योंकि रोड से उड़ रहे बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। इधर शंभू पासवान ने बताया कि अधूरा परे सड़क निर्माण कार्य जल्द ही शुरू नहीं हुआ तो मजबूर होकर जनता सड़क पर उत्तर सकते हैं। मौके पर रामदेव पासवान, आकाश कुमार, छोटू पासवान ,राजा पासवान, रवीश रेमो,अरविंद कुमार ,प्रदीप कुमार, मनु पासवान , अमृत कुमार, अभय पासवान, रीना देवी ,मंजू देवी,रानी देवी, बबीता देवी,सुनीता देवी, रूबी देवी, आशा देवी ,किरण देवी, प्रभा देवी सहित कई मौजूद थे।

ललन कुमार बदल रहे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर

घर-घर पहुंच रही पशुपालन की आधुनिक तकनीक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पदमा (हजारीबाग)। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को लाभकारी और आधुनिक बनाने की दिशा में एआई मैत्री कार्यकर्ता ललन कुमार उर्फ लालू यादव महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार की एआई मैत्री योजना के तहत प्रशिक्षित ललन कुमार गांव-गांव पहुंचकर पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान (एआई) की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे पशुओं की नस्ल में सुधार के साथ दूध उत्पादन और पशुपालकों की आय में भी वृद्धि हो रही है। पदमा प्रखंड के विभिन्न गांवों में सक्रिय ललन कुमार ने झारखंड स्टेट इम्प्लॉयिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफ़ेलो डेवलपमेंट, रांची से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने क्षेत्र में अपनी सेवाएं शुरू कीं और अब तक 400 से अधिक गाय एवं भैंसों का सफल कृत्रिम गर्भाधान कर चुके हैं। कृत्रिम गर्भाधान तकनीक के माध्यम से बेहतर नस्ल के बछड़ों का जन्म हो रहा है, जिससे पशुओं की उत्पादकता बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार यह तकनीक दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाने में सहायक साबित हो रही है। क्षेत्र के पशुपालकों का कहना है कि पहले उन्हें इस सुविधा के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत आती थी। अब गांव में ही सेवा उपलब्ध होने से उन्हें काफी राहत मिली है। ललन कुमार केवल कृत्रिम गर्भाधान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण, संतुलित आहार, स्वच्छता और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों की जानकारी भी दे रहे हैं।

रामगढ़ में लगा निःशुल्क कैंसर जांच शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रामगढ में चेंबर सेवा ट्रस्ट के द्वारा समागती कैंसर केयर फाउंडेशन के सौजन्य से कैंसर विशेषज्ञ डॉ सतीश शर्मा द्वारा निःशुल्क कैंसर रोग जांच शिविर का रामगढ़ चैंबर भवन में आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक ममता देवी ने शिरकत किया। इस मौके पर विधायक ममता देवी के साथ नगर परिषद उपाध्यक्ष एवम विभिन्न वार्ड के पार्षदों के अलावा शहर के कई गणमान्य प्रबुद्ध एवं समाजसेवी व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने तंबाकू के सेवन को खत्म करने तथा सेलिब्रेटियों के द्वारा पान गुटका मसाला के प्रचार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दुहराई। 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाले जानलेवा नुकसान के प्रति जागरूक करने और उन्हें तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करने को लेकर मनाया जाता है। तंबाकू के सेवन से कैंसर के साथ फ़ेफड़ों, और दिल की बीमारियों जैसे गंभीर खतरे पैदा होते है जिससे हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को तंबाकू कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों और रणनीतियों से बचाना है ताकि वे इसकी लत का शिकार न बनें और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से मुक्त रहे। रामगढ़ विधायक ममता देवी ने बताया कि आज चैंबर भवन में निशुल्क कैंसर जांच शिविर लगाया गया यहां उपस्थित सभी लोगों ने यह प्रण लिया कि कैंसर पीड़ित लोगों को हम सभी मिलकर बेहतर इलाज प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में पहुंची एक महिला पार्षद गीता देवी ने बताया कि कैंसर निजात से संबंधित हम लोगों ने यहां जानकारियां प्राप्त की अब इन जानकारी के द्वारा हम लोग अपने क्षेत्र में जाकर युवा लोगों को तंबाकू निषेध के प्रति जागरूक करेंगे। मौके पर अपनी जांच कराने आए रामगढ़ शहर के एक समाजसेवी धनंजय कुमार पुटुस ने बताया कि यह एक अच्छी पहल है और हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी लगातार युवाओं से धूम्रपान निषेध के लिए अपील करते हैं और युवा वर्ग को इससे दूरी बनाकर रखने की बात करते हैं।

चिकित्सक पर हमला करने वाले लोगों की अविलंब गिरफ्तारी हो

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। ड्यूटी से लौट रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पाटन के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार पर हुए क्रूर हमले की हम घोर निंदा करते हैं। यह घटना न केवल एक चिकित्सक पर हमला है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र और समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। ड्यूटी से लौटते समय उन्हें रास्ते में रोककर गंभीर रूप से मारपीट की गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए और वर्तमान में रांची में उपचाररत हैं। झारखंड की संपूर्ण चिकित्सा बिरादरी, जिसमें विभिन्न पारा-मेडिकल कर्मचारी संगठन शामिल हैं, इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लेती है और एकजुट होकर निम्नलिखित मांगें करती हैः घटना की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच हो। दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा हेतु प्रभावी और स्थायी व्यवस्था की जाए। संबंधित क्षेत्र में सक्रिय अपराधी तत्वों एवं सड़क लूट की घटनाओं पर तत्काल अंकुश लगाया जाए। हम राज्य सरकार एवं प्रशासन को स्पष्ट रूप से अवगत कराना चाहते हैं कि चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के प्रश्न पर अब किसी प्रकार की उदासीनता स्वीकार न की जाएगी।

पर्यावरण प्रदूषण के खिलाफ विशेष जन जागरूकता एवं क्विज का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज प्रदूषण नियंत्रण परिषद के निदेर्शानुसार सिद्धा तथा सहयोगिनी द्वारा आज बोकारो जिले के कसमार प्रखंड क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन से बचाव, पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम को लेकर विशेष जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान खैराचातर पंचायत में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि कूड़ा कचरा का सही निपटान करना हर एक नागरिक का दायित्व है । साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रदूषण का नियंत्रण सभी के सहयोग से ही संभव है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रदूषण से होने वाली नुकसान तथा इसकी रोकथाम को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी गई। इस दौरान पंचायत भवन में स्थानीय समिति के द्वारा वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित एक विषय से बैठक का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि सरकार के द्वारा पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन की रोकथाम को लेकर के विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित है। पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमेशा एक साथ मिलकर खड़ा रहने की जरूरत है। कसमार प्रखंड के पोंडा पंचायत भवन में किशोरियों के बीच आयोजित क्विज प्रतियोगिता के दौरान पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर के विशेष जानकारी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड के पूर्व प्रमुख विजय किशोर गौतम ने कहा कि अधिक से अधिक वृक्षों को लगाने से हमारा वातावरण शुद्ध होता है हर एक नागरिक को पर्यावरण रक्षा के लिए संकल्प लेने की जरूरत है। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम नीतू मुर्मू, द्वितीय तथा तृतीय स्थान में प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन कुमारी किरण ने किया। सफल किशोरी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सोनपुरा पंचायत के सोनहर गांव में स्वयं सहायता समूह के साथ पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण को लेकर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सहयोगिनी की एनिमेटर मंजू देवी ने कहा कि महिलाओं को अपने घर तथा आसपास स्वच्छता बरकरार रखने के लिए हमेशा तत्पर रहना पड़ेगा। उन्होंने विभिन्न प्रकार के प्रदूषण तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम की जानकारी दी। इस दौरान सांकेतिक रूप से पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुमार गौरव पायल कुमारी विनोद कुमार, मंटू करमाली, प्रभास कुमार, सुनील कालिंदी, अशोक कालिंदी रवि कुमार राय, निशार अहमद आदि उपस्थित थे।

डलसा का एकमात्र लक्ष्य, नशा मुक्त समाज का निर्माण : न्यायाधीश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 90 दिवसीय आउटरीच अभियान के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद के निर्देश एवं अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो के आदेश पर आज विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान डालसा की टीम एवं पारा लीगल वालंटियरों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नुक्कड़-नाटक, जागरूकता शिविर तथा जनसंपर्क अभियान के माध्यम से लोगों को तंबाकू एवं नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है तथा इससे कैंसर, हृदय रोग एवं अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जागरूकता अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को नशा छोड़ने एवं अपने परिवार तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा तंबाकू निषेध के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अधिकार मित्रों एवं पारा लीगल वालंटियरों ने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा माध्यम है। डालसा की टीम लगातार गांव-गांव एवं पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रही है ताकि स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज का निर्माण हो सके।

झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार प्रखंड स्थित न्यू प्रभात होटल परिसर में रविवार को झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (जेयूजे) बोकारो जिला कमेटी के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल ने की, जबकि संचालन जिला सचिव बैजनाथ शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में संगठन की मजबूती एवं विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बोकारो जिले के जिन प्रखंडों में अभी तक संगठन की कमेटियों का गठन नहीं हो पाया है, वहां शीघ्र कमेटी गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जा सके। इसके अलावा निकट भविष्य में जिला कमेटी के सभी पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक के आयोजन एवं इसकी रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव को सौंपी गई। प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने संगठन के विस्तार और एकजुटता पर विशेष बल दिया। बैठक में संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे तथा पत्रकार हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश सिंह व मनोज कुमार मिश्र, मो सबीर अंसारी, मिथलेश कुमार,अमरनाथ पोद्दार,संजय कुमार रवानी, पंकज कुमार सिन्हा,राज किशोर शर्मा,संतोष कुमार दास,अविनाश कुमार सहित अनेक लोग शामिल थे।

वीर सावरकर की जयंती पर विचार सह काव्य गोष्ठी का आयोजन

सावरकर अदम्य प्रेरणा के स्रोत : डॉ. सत्यदेव तिवारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, बोकारो द्वारा लोकनायक सभागार में वीर सावरकर जयंती के अवसर पर विचार सह काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीर सावरकर के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में साहित्य परिषद के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल संयोजक, रणविजय महाविद्यालय, बोकारो के पूर्व प्राचार्य डॉ. सत्यदेव तिवारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सावरकर केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि अद्वितीय राष्ट्रचिंतक, समाज सुधारक और क्रांतिकारी विचारक थे। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को सावरकर के राष्ट्रप्रेम, त्याग, आत्मबल और संगठन क्षमता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। डॉ. तिवारी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी सावरकर ने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे सावरकर के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। परिषद के उपाध्यक्ष दयानंद सिंह ने सावरकर के जीवन-संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। डॉ. आशा पुष्प ने अंडमान की सेल्युलर जेल में सावरकर द्वारा झेली गई यातनाओं और उनके अदम्य साहस का विस्तृत वर्णन किया। काव्य गोष्ठी में डॉ. परमेश्वर भारती ने अपनी कविता 'गौरव गाथा गाता हूं' का पाठ किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर साहित्य परिषद के उपसचिव दीनानाथ ठाकुर ने अपनी कविता "गर्व से कहो हम हिंदू हैं" का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की भरपूर सराहना प्राप्त की। इसके अतिरिक्त डॉ. अंजना श्रीवास्तव ने 'जीवन का आसरा', संघमिता सिंह ने 'यशोधरा की साधना', डॉ. अजय कुमार सिंह ने 'जन मन की बात', कनकलता राय ने 'मेरी धरती' तथा शुभा रानी ने 'उठो राम निर्माण करो', डॉक्टर शैलेंद्र ने जनता का जीवन और भारत की आत्मा शीर्षक कविता का पाठ मिथिलेश कुमार शर्मा के द्वारा किया गया प्रो. राखी वर्णवाल एवं विकास पांडेय ने 'सनातन के जागरण में रचनाकारों की भूमिका' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए साहित्य की सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। समस्त कार्यक्रम का प्रभावी संचालन युवा कवि लव कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दयानंद सिंह ने की तथा धन्यवाद ज्ञापन दीनानाथ ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों एवं परिषद के सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

जामाडोबा गोलीकांड में पुलिस ने दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झरिया स्थित जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा डुमरी नंबर-2 में हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। रविवार को सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद महतो ने प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि 29 मई को डुमरी नंबर-2 निवासी 28 वर्षीय रिक्की सिंह को आपसी विवाद के दौरान गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घटना के बाद घायल की पत्नी चंदा कौर के आवेदन पर जोड़ापोखर थाना में कांड संख्या 64/26 दर्ज किया गया। मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिंदरी एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए दो आरोपियों नानक सिंह और आरिफ अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त दोनों बजाज पल्सर 220 मोटरसाइकिलें बोकारो स्टील रेलवे स्टेशन क्षेत्र से बरामद की गईं। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे हर्ष सिंह और गौरव सिंह के साथ रिक्की सिंह के घर के पास रखे रोपवे केबल को उठाने गए थे। इसी दौरान रिक्की सिंह और उसके भाई विजय उर्फ दारा सिंह के साथ विवाद हो गया, जो गाली-गलौज और मारपीट में बदल गया। विवाद बढ़ने पर जामाडोबा पेट्रोल पंप के समीप हर्ष सिंह ने रिक्की सिंह पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि पूर्व में रिक्की सिंह और उसके दोनों भाई गौरव सिंह उर्फ गोपु के साथ मिलकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे थे। हालांकि वर्तमान विवाद की वास्तविक वजह और पूरे आपराधिक नेटवर्क की पुलिस गहराई से जांच कर रही है।पुलिस का कहना है कि मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग में धनबाद के 8 खिलाड़ियों का चयन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन (डीसीए) ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग के लिए आयोजित खिलाड़ियों की नीलामी में धनबाद के आठ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का विभिन्न टीमों में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से जिले के क्रिकेट जगत में खुशी का माहौल है। चयनित खिलाड़ियों में कुनैन कुरैशी, श्रेष्ठ, राहुल प्रसाद, अनुराग सिंह सेंगर, प्रतीक रंजन, सिद्धार्थ सिन्हा, युवराज सिंह तथा आर्यमन लाला शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों ने उन्हें अपनी टीम का हिस्सा बनाया है। धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विनय कुमार सिंह ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह धनबाद क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है। खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और लगातार बेहतर प्रदर्शन का ही परिणाम है कि उन्हें राज्य की प्रतिष्ठित टी-20 लीग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन हमेशा से खिलाड़ियों को बेहतर मंच और अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहा है। वहीं सचिव विनय कुमार सिंह ने उम्मीद जताई कि चयनित खिलाड़ी लीग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे। डीसीए के उत्तम विश्वास, साधवेंद्र सिंह, ललित जगनानी,जावेद खान ,संजीव झा, रविजीत सिंह डांग,सुनील सिंह,रियाज खान, संजीव राणा,अभिजीत घोष, बी एच खान, सुनील कुमार, संतनु चौधरी, सुधीरकुमार पाण्डेय, प्रमोद सिंह, बब्लू पाण्डेय, बब्लू उपाध्याय, द्वारिका तिवारी अन्य सदस्यों एवं क्रिकेट प्रेमियों ने भी सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। खिलाड़ियों के चयन से पूरे संगठन में खुशी की लहर है और इसे धनबाद क्रिकेट के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग में धनबाद के आठ खिलाड़ियों का चयन यह साबित करता है कि जिले में क्रिकेट प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आने वाले दिनों में ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से न केवल धनबाद बल्कि पूरे झारखंड का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगे।

मारवाड़ी युवा मंच ने अमृत धारा कार्यक्रम का किया आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भीषण गर्मी के इस मौसम को देखते हुए, मारवाड़ी युवा मंच, धनबाद शक्ति शाखा द्वारा रविवार को समाज हित में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा पूरे राज्य में चलाए जा रहे अमृत धारा महोत्सव के तहत विशेष अस्थायी अमृत धारा (जल सेवा) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का शुभ उद्घाटन शाखा की संस्थापक अध्यक्ष युवा किरण रिटोलिया एवं संरक्षक सदस्य युवा सीमा सुल्तानिया के द्वारा फीता काटकर साथ ही अध्यक्ष ईशा अग्रवाल , सचिव पूजा खीरवाल एवं अन्य सदस्य शामिल होकर अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस महोत्सव के तहत धनबाद शक्ति शाखा द्वारा शहर के विभिन्न 53 प्रमुख जगहों पर अस्थायी अमृत धारा (पानी के घड़े) लगाए गए हैं, ताकि इस चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों, मजदूरों और आम जनता को शीतल एवं स्वच्छ जल आसानी से मिल सके।इस सेवा कार्य को सफल बनाने के लिए शाखा की ईशा अग्रवाल शाखा अध्यक्ष,पूजा खेरवाल शाखा सचिव, मेघा शर्मा निवर्तमान अध्यक्ष,गौरी गोयल नेहा अग्रवालज्योति केजरीवाल समेत अन्य सदस्य उपस्थित रही।

बीएड - एमएड एवं बीपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को आयोजित बीएड - एमएड एवं बीपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा तथा सभी केंद्रों पर निर्धारित मानकों एवं दिशा-निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। परीक्षा को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा स्वयं संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी कर रहे थे। वहीं, वरीय नोडल पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, नोडल पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा लगातार परीक्षा संचालन एवं व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करते रहे। जिले में बीएड, एमएड एवं बीपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 के लिए कुल पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

बाइक चोरी मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरायढेला थाना क्षेत्र में बाइक चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रविवार को पुलिस ने सभी आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार, सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित राधा-कृष्णा स्टोर के संचालक मनोज कुमार की बाइक 29 मई की शाम चोरी हो गई थी। घटना के दौरान एक आरोपी बाइक लेकर फरार हो गया था, जबकि दूसरे युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। सरायढेला थाना के एसआई संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी वरुणेश कुमार से पूछताछ के दौरान मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। कार्रवाई में अनिमेष सिंह और राहुल नामक दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराई और इसके बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज प्रखंड कार्यालय गोविंदपुर में प्रखंड स्तर पर चल रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा से पूर्व उपायुक्त के निर्देश पर आज सुबह विभिन्न पंचायतों में जिला से 8 अलग अलग टीमों ने योजनाओं की अद्यतन स्थिति, पंचायत कार्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, पीडीएस दुकानों समेत अन्य का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के उपरांत तैयार किए गए रिपोर्ट के आधार पर उपायुक्त ने प्रखंड सभागार में सभी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान मुर्गाबनी पंचायत में सड़क निर्माण में खराब गुणवत्ता के मामले में संबंधित संवेदक तथा कनीय अभियंता को स्पष्टीकरण करने के निर्देश दिए गए। वहीं इसी पंचायत में पीडीएस डीलरो द्वारा राशन कटौती करने, रेट चार्ट प्रकाशित नहीं करने, वजन मापी में अनियमितता से संबंधित मामले पाए गए जिसपर उपायुक्त ने संबंधित सभी पीडीएस डीलर पर कार्रवाई करने तथा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को स्पष्टीकरण करने के निर्देश दिए। वहीं मुर्गाबनी पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्रों के रखरखाव में लापरवाही, पंजी संधारण मे लापरवाही समेत अन्य रिपोर्ट की समीक्षा कर उपायुक्त ने संबंधित महिला पर्यवेक्षिका का वेतन रोकने हेतु दिशा निर्देश दिए। साथ ही एचएससी स्वास्थ्य केंद्र निर्माण करने वाली कंपनी को समय पर कार्य पूरा न करने तथा गुणवत्ता में लापरवाही करने पर ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए। उपायुक्त द्वारा बांधडीह में स्वास्थ्य केंद्र की खराब स्थिति को देखते हुए सीएचओ बांधडीह के वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। उदयपुर पंचायत तथा जमडीहा पंचायत कार्यालय में खराब व्यवस्था, कार्य में शिथिलता तथा रखरखाव में कमी को देखते हुए पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए गए। फुफुआडीह एवं सहराज में एचएससी स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य में खराब गुणवत्ता पाए जाने पर संबंधित कनीय अभियंता का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। वहीं भीतिया में स्पोर्ट्स स्टेडियम निर्माण कार्य में अनियमितता को देखते हुए संबंधित कनीय अभियंता का वेतन रोकते हुए विभागीय कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। साथ हीं भीतिया सीएचओ को नए भवन का हैंडओवर नहीं लेने पर स्पष्टीकरण का निर्देश दिया गया। इसके अलावा गोविंदपुर प्रखंड के बीपीओ को कार्य में शिथिलता बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उपायुक्त आदित्य रंजन ने सभी जन कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण कार्य में लगे कॉन्ट्रैक्टर जो कि समय सीमा में कार्य पूरा नहीं करते या खराब गुणवत्ता का निर्माण कर रहे वैसे सभी कंपनी को ब्लॉक लिस्ट कर भुगतान रोकने के निर्देश दिए। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की ढिलाई या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। यदि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी या भ्रष्टाचार की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, प्रखंड विकास पदाधिकारी जाहिर आलम समेत सीडीपीओ, पीओ मनरेगा समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com